रांची, मंगलवार
11.08.2026
वर्ष : 11, अंक : 250, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

विधानसभा घेराव में उग्र हुए छात्र, सात स्तर की बैरिकेडिंग तोड़कर गेट नंबर-एक तक पहुंचे

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के बाहर सोमवार को जेपीएससी और जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों का आंदोलन अचानक उग्र हो गया। हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी पुलिस की सात स्तर की बैरिकेडिंग को पार करते हुए विधानसभा के गेट नंबर-एक तक पहुंच गए। प्रदर्शनकारियों के विधानसभा की मुख्य बाउंड्री से करीब 10 मीटर दूर तक पहुंचने के बाद वहां अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। हालात को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया, आंसू गैस के कई गोले छोड़े और जगन्नाथ मंदिर के पास प्रदर्शनकारियों पर वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। झड़प और भगदड़ में कुछ छात्रों के घायल होने की सूचना है। कुछ पुलिसकर्मियों के भी घायल होने की जानकारी सामने आई है।

बारिश के बीच प्रदर्शनकारी विधानसभा के गेट नंबर-एक के सामने डटे रहे और लगातार नारेबाजी करते रहे। पुलिस की ओर से उन्हें पीछे हटने और शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करने की अपील की जाती रही। स्थिति बिगड़ती देख विधानसभा परिसर की सुरक्षा बढ़ा दी गई। सुरक्षा के मद्देनजर विधानसभा में तैनात कर्मचारियों, अधिकारियों और कई विधायकों को दूसरे गेट से सुरक्षित बाहर निकाला गया।

प्रदर्शनकारियों को विधानसभा तक पहुंचने से रोकने के लिए पुलिस प्रशासन ने मुख्य मार्गों पर सात स्तर की बैरिकेडिंग की थी। छात्रों के मुख्य समूह को रोकने के लिए पुलिस ने चेतावनी देने के साथ आंसू गैस और हल्के बल प्रयोग का सहारा लिया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों के एक बड़े समूह ने मुख्य मार्ग छोड़कर खेतों और जगन्नाथपुर मंदिर की ओर जाने वाले शॉर्टकट रास्तों का इस्तेमाल किया।

पुलिस मुख्य बैरियर की सुरक्षा में लगी रही, इसी दौरान प्रदर्शनकारी अलग-अलग रास्तों से आगे बढ़ते हुए सातों बैरिकेडिंग पार कर विधानसभा के गेट तक पहुंच गए। इससे सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन के सामने चुनौती खड़ी हो गई। इसके बाद विधानसभा और आसपास के इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षाबलों की तैनाती की गई।

विधानसभा के गेट तक पहुंचने के बाद छात्रों का एक समूह वापस जगन्नाथ मंदिर के पास एकत्र हो गया। वहां दूसरे गुट के साथ मिलकर प्रदर्शन और नारेबाजी जारी रही। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन ने ड्रोन के माध्यम से पूरे इलाके की निगरानी शुरू कर दी। तनाव का असर विधानसभा से सटे विधायक आवास क्षेत्र तक भी पहुंचा। वहां भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। सीआईडी एडीजी मनोज कौशिक भी मौके पर पहुंचे और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसएसपी राकेश रंजन ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और प्रदर्शनकारियों को शांत कराने का प्रयास किया।

पुलिस प्रशासन की ओर से लगातार यह प्रयास किया जाता रहा कि आंदोलन को शांतिपूर्ण तरीके से समाप्त कराया जाए। वहीं, छात्रों के उग्र प्रदर्शन को देखते हुए विधानसभा और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई।

लाठीचार्ज के बीच छात्रों ने जवान को भीड़ से सुरक्षित निकाला

उग्र प्रदर्शन और पुलिस कार्रवाई के बीच एक ऐसा दृश्य भी सामने आया, जिसने आंदोलन का अलग पक्ष दिखाया। लाठीचार्ज के बाद जब भीड़ तितर-बितर होने लगी, उसी दौरान पुलिस का एक जवान प्रदर्शनकारियों के बीच फंस गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ लोग जवान को पकड़कर खींचने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान कुछ छात्र आगे आए और जवान को भीड़ से निकालकर सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया।

इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कुछ छात्रों को भीड़ के बीच फंसे जवान को सुरक्षित निकालते हुए देखा जा सकता है। तनावपूर्ण माहौल के बावजूद छात्रों ने जवान के साथ मारपीट करने के बजाय उसकी मदद की और उसे सुरक्षित पुलिस बल तक पहुंचाया।

छात्र नेताओं का कहना है कि उनका आंदोलन भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और व्यवस्था के खिलाफ है, किसी पुलिसकर्मी या व्यक्ति के खिलाफ नहीं। उनका दावा है कि आंदोलन को शांतिपूर्ण तरीके से आगे बढ़ाने की कोशिश की जा रही है। हालांकि, विधानसभा घेराव के दौरान बैरिकेडिंग तोड़ने और पुलिस की कार्रवाई को लेकर कई स्थानों पर तनाव की स्थिति बनी।

जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल. खियांग्ते गिरफ्तार

रांची: झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की जांच के बीच सीआईडी ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए आयोग के पूर्व अध्यक्ष एल. खियांग्ते को गिरफ्तार कर लिया है। उनकी गिरफ्तारी के बाद इस बहुचर्चित मामले की जांच और तेज होने की उम्मीद जताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, सीआईडी की टीम पिछले कई दिनों से इस मामले को लेकर एल. खियांग्ते से लगातार पूछताछ कर रही थी। इससे पहले भी उनसे कई घंटों तक सघन पूछताछ की गई थी। जांच एजेंसी का मुख्य फोकस जेपीएससी परीक्षाओं में हुई कथित गड़बड़ियों, परीक्षा संचालन के लिए एजेंसी के चयन और उससे जुड़ी प्रक्रियाओं में हुई अनियमितताओं पर केंद्रित है। सीआईडी इस मामले में पहले ही जेपीएससी कार्यालय और एल. खियांग्ते के आवास समेत कई ठिकानों पर छापेमारी कर महत्वपूर्ण दस्तावेज व डिजिटल साक्ष्य जब्त कर चुकी है। इस पूरे प्रकरण में अब तक कई अन्य लोगों की भी गिरफ्तारी हो चुकी है। गौरतलब है कि एल. खियांग्ते ने हाल ही में जेपीएससी अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया था और कहा था कि मामले की स्वतंत्र व निष्पक्ष जांच के लिए उनका पद से हटना जरूरी है। सीआईडी की इस कार्रवाई के बाद अब आगे की जांच और बरामद साक्ष्यों के आधार पर होने वाले खुलासों पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में भाजपा का झारखंड बंद आज

रांची। भाजपा ने छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में 11 अगस्त को झारखंड बंद की घोषणा की है। यह घोषणा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने प्रदेश कार्यालय में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी के साथ सोमवार की रात में आयोजित संयुक्त प्रेस वार्ता में की।

उन्होंने कहा कि बंद सुबह 08 बजे से ही बंदी प्रारंभ हो जाएगी। झारखंड बंद के दौरान झारखंड पूरा ठप्प रहेगा। केवल आवश्यक सेवाएं चालू रहेंगी। बाबा धाम जानेवाले कांवरियों को किसी प्रकार की कोई असुविधा नहीं होगी। उन्होंने कार्यकताओं से इस दिशा में सकारात्मक सहयोग करने की अपील भी की।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि विगत 17 दिनों से राज्य के छात्र कुंभकर्णी निद्रा में सोई राज्य सरकार को जगाने और 14 वीं जेपीएससी पीटी परीक्षा सहित पिछले 7 वर्ष में हुई सभी भर्ती परीक्षाओं की सीबीआई जांच की मांग का आग्रह कर रहे थे, लेकिन हेमंत सरकार ने दमनात्मक रवैया अपनाया है। भारतीय जनता पार्टी की इसकी कड़ी निंदा करती है। राज्य सरकार ने बच्चों के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार किया है। उन पर चार-चार बार लाठीचार्ज किया गया। रात्रि के 09 बजे भी छात्रों को पीटा गया। इस दौरान सैकड़ों छात्र घायल हुए हैं, कई छात्रों के लापता होने की भी सूचना है। कांग्रेस के समर्थन से चल रही हेमंत सरकार की तानाशाही नहीं चलेगी। इस सरकार ने वार्ता के नाम पर धोखा देने और ठगने का काम किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा 24 घंटे छात्रों के साथ खड़ी है।

प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कांग्रेस, राहुल गांधी की चुप्पी पर भी सवाल उठाया और कहा कि राहुल गांधी हेमंत सरकार से दो टूक बात करें। कांग्रेस राज्य सरकार से सीबीआई जांच करवाएं या फिर समर्थन वापसी की घोषणा करें।

संक्षिप्त खबरें

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद शिक्षकों को टीईटी पास करने का समय 2028 तक बढ़ा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सोमवार को लोकसभा में बताया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार आरटीई अधिनियम के दायरे में आने वाले स्कूलों में शिक्षक के रूप में नियुक्ति के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) अनिवार्य न्यूनतम योग्यता है। पात्र शिक्षकों को निर्धारित समय सीमा के भीतर टीईटी योग्यता हासिल करनी होगी। शिक्षा राज्यमंत्री जयंत चौधरी ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने एक सितंबर 2025 के अपने फैसले में टीईटी को बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम, 2009 की धारा 23 के तहत निर्धारित न्यूनतम योग्यताओं में शामिल माना था। अदालत ने पात्र शिक्षकों को निर्धारित समय सीमा में टीईटी उत्तीर्ण करने का निर्देश दिया था। बाद में 29 मई 2026 को समीक्षा याचिकाओं का निपटारा करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने टीईटी योग्यता हासिल करने की समय सीमा 31 अगस्त 2027 से बढ़ाकर 31 अगस्त 2028 कर दी। अदालत ने संबंधित सरकारों और प्राधिकरणों से टीईटी का आयोजन नियमित रूप से अधिमानतः साल में दो बार करने का प्रयास करने को कहा, ताकि पात्र शिक्षकों को न्यूनतम योग्यता हासिल करने के लिए पर्याप्त अवसर मिल सके।

पीएलएफआई का नक्सली हथियार के साथ धराया, कमांडर फरार

लातेहार। जिले के बरियातू थाना क्षेत्र में पुलिस ने पीएलएफआई नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक सदस्य को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार नक्सली की पहचान बालूमाथ निवासी लालदेश्वर यादव के रूप में हुई है। उसके पास से पिस्टल और गोलियां बरामद की गई हैं। हालांकि पुलिस टीम को देखकर भागने के दौरान संगठन का कमांडर बादल यादव अंधेरे और जंगल का फायदा उठाकर निकल गया। उसकी तलाश में पुलिस की छापेमारी जारी है। सोमवार को प्रेस वार्ता करते हुए थाना प्रभारी प्रभात कुमार दास ने बताया कि बरियातू में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय का भवन निमार्णाधीन है। निर्माण कार्य करा रहे संवेदक से पीएलएफआई के लोगों ने लेवी की मांग की थी। रकम नहीं मिलने पर निर्माण स्थल पर हिंसक वारदात की साजिश रची गई थी। रविवार की रात बादल यादव अपने सहयोगी लालदेश्वर यादव के साथ मौके की ओर पहुंचा था। इसकी भनक लातेहार एसपी कुमार गौरव को लगी। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस की एक टीम बनाकर कार्रवाई शुरू की गई। पुलिस के पहुंचने की भनक लगते ही दोनों आरोपित बाइक से भागने लगे। पीछा करने के दौरान पुलिया के पास उनकी बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इसके बाद दोनों पैदल जंगल की ओर भागे। पुलिस ने लालदेश्वर यादव को पकड़ लिया, जबकि बादल यादव भागने में सफल रहा।

झारखंड विधानसभा में 8,399 करोड़ रुपये का पहला अनुपूरक बजट पारित

अनुपूरक बजट में ग्रामीण विकास को सबसे अधिक 4,258 करोड़-कार्यवाही मंगलवार 11 बजे तक के लिए स्थगित

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के तीसरे दिन सोमवार को वित्तीय वर्ष 2026-27 का पहला अनुपूरक बजट ध्वनिमत से पारित हो गया। सदन ने 8,399 करोड़ 31 लाख 11 हजार रुपये की अनुदान मांगों को मंजूरी दी। इसके साथ ही झारखंड विनियोग संख्या-3 विधेयक, 2026 भी सदन से पारित हो गया।

विनियोग विधेयक के माध्यम से 31 मार्च, 2027 तक राज्य सरकार के विभिन्न विभागों और योजनाओं पर होने वाले खर्च के लिए राशि का प्रावधान किया गया है। विधेयक पर चर्चा के बाद सदन ने इसके सभी प्रावधानों को ध्वनिमत से मंजूरी दी और इसे अंतिम रूप से पारित कर दिया।

पहले अनुपूरक बजट में राज्य के विभिन्न विभागों के लिए बड़ी राशि का प्रावधान किया गया है। ग्रामीण विकास विभाग को सबसे अधिक 4,258 करोड़ 67 लाख 35 हजार रुपये आवंटित किए गए हैं। वहीं, ग्रामीण कार्य विभाग के लिए 885 करोड़ 83 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है।

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के लिए 946 करोड़ 3 लाख 95 हजार रुपये तथा एक अन्य मद में 25 करोड़ 5 लाख 67 हजार रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। गृह कार्य एवं आपदा प्रबंधन विभाग के तहत आपदा प्रबंधन के लिए 490 करोड़ 6 लाख 89 हजार रुपये और गृह प्रभाग के लिए 144 करोड़ 16 लाख 93 हजार रुपये का प्रावधान किया गया है।

इसी तरह पेयजल एवं स्वच्छता विभाग को 271 करोड़ 61 लाख 4 हजार रुपये और पंचायती राज विभाग को 244 करोड़ 80 लाख रुपये दिए गए हैं। स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के लिए 218 करोड़ 16 लाख 90 हजार रुपये का प्रावधान किया गया है।

खान एवं भूतत्व विभाग को 173 करोड़ 65 लाख रुपये और कल्याण विभाग को 91 करोड़ 24 लाख 50 हजार रुपये आवंटित किए गए हैं। इसके अलावा सूचना प्रौद्योगिकी, पर्यटन, नगर विकास, वन एवं पर्यावरण सहित कई अन्य विभागों की अनुदान मांगों को भी सदन ने मंजूरी दी।

सभी अनुदान मांगों और विनियोग विधेयक के पारित होने के बाद विधानसभा की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

वित्त मंत्री ने सदन में वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रथम अनुपूरक बजट पर सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने राज्य की वित्तीय स्थिति, वित्तीय वर्ष के शुरूआती चार महीनों में हुए खर्च और केंद्र से मिलने वाली राशि का विस्तृत ब्यौरा सदन के सामने रखा। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार पर झारखंड के साथ कथित भेदभाव का आरोप लगाया।

वित्त मंत्री ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 का मूल बजट 1,58,560 करोड़ रुपये का है। इसके अतिरिक्त 8,399 करोड़ 31 लाख रुपये का पहला अनुपूरक बजट लाया गया है। उन्होंने कहा कि नई योजनाओं तथा मूल बजट में शामिल नहीं किए गए आवश्यक खर्चों के लिए अनुपूरक बजट में राशि का प्रावधान किया जाता है।

उन्होंने सरकार की ओर से पिछले चार महीनों में किए गए खर्च का भी उल्लेख किया। उनके अनुसार ग्रामीण विकास विभाग में 4,258 करोड़ 67 लाख रुपये, स्कूली शिक्षा में करीब 971 करोड़ रुपये, गृह कार्य एवं आपदा प्रबंधन विभाग में 490 करोड़ रुपये और पेयजल एवं स्वच्छता विभाग में 271 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं।

वित्त मंत्री ने केंद्र से मिलने वाली राशि का मुद्दा भी सदन में उठाया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय करों में हिस्सेदारी के बाद झारखंड को अनुदान के रूप में केवल 0.73 प्रतिशत राशि मिली है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में भाजपा की सरकार नहीं होने के कारण केंद्र सरकार झारखंड के साथ भेदभाव कर रही है।

संसद ने टैक्स बिल को मंजूरी दी, सीतारमण ने कहा- यूपीआई लेनदेन रहेंगे मुफ्त

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद ने सोमवार को 'कराधान और अन्य कानून संशोधन विधेयक-2026' को ध्वनिमत से पारित कर दिया। राज्यसभा ने विधयेक पर चर्चा के बाद इसको लोकसभा में वापस भेज दिया। इस विधयेक में विदेशी निवेश के नियमों, डिजिटल पेमेंट (यूपीआई/एमडीआर), कच्चे हीरे के व्यापार में छूट और आरईआईटी/इनविट्स पर टैक्स से जुड़े बदलाव शामिल हैं। इसे लोकसभा ने पहले ही अपनी मंजूरी दे दी थी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कराधान और अन्य कानून संशोधन विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए साफ किया कि यह कानून यूपीआई पर कोई टैक्स नहीं लगाता है और डिजिटल पेमेंट सिस्टम मुफ्त बना रहेगा। पिछले हफ्ते लोकसभा से पास हुए इस विधयेक को राज्यसभा ने वित्त मंत्री के जवाब और संक्षिप्त चर्चा के बाद 'वॉइस वोट' (मौखिक मतदान) से वापस भेज दिया।

सीतारमण ने राज्यसभा में इस विधयेक पर चर्चा के दौरान जोर देकर कहा कि इसमें यूपीआई पर किसी भी तरह के टैक्स या लेनदेन चार्ज का प्रस्ताव नहीं है। वित्त मंत्री ने कहा, क्या उपभोक्ता को कोई यूपीआई चार्ज देना होगा ? नहीं। सीतारमण ने सदन को बताया लॉन्च के समय से यूपीआई कंज्यूमर्स के लिए मुफ्त रहा है। उन्होंने कहा हर भारतीय बिना किसी ट्रांजैक्शन चार्ज के इस इंस्टेंट डिजिटल सुविधा का इस्तेमाल करता रहेगा।

उल्लेखनीय है कि राज्यसभा ने 'कराधान और अन्य कानून संशोधन विधेयक, 2026' पर विचार किया और इसे लोकसभा को वापस भेज दिया। चूंकि इसे ' धन विधेयक' के तौर पर प्रोसेस किया गया था, इसलिए वित्त मंत्री सीतारमण द्वारा पेश किए जाने के बाद उच्च सदन ने संवैधानिक प्रक्रियाओं के अनुसार इसे लोकसभा को वापस भेज दिया है।

देवघर में दूसरी सोमवारी पर उमड़ा आस्था का सैलाब, डीसी-एसपी ने संभाली कमान

बिभा संवाददाता

देवघर। राजकीय श्रावणी मेला की दूसरी सोमवारी पर बाबा नगरी में श्रद्धालुओं की अप्रत्याशित भीड़ उमड़ पड़ी। रविवार की देर शाम से ही कांवरियों की संख्या बढ़ने लगी थी। रात होते-होते शहर के प्रमुख मार्गों, कांवरिया पथ, रूट लाइन और बाबा बैद्यनाथ मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुट गई। अचानक बढ़े भीड़ के दबाव के बीच विधि-व्यवस्था बनाए रखना जिला प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन गई।

जिला उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानियां और पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर के नेतृत्व में प्रशासनिक एवं पुलिस टीम ने मोर्चा संभाले रखा। दोनों अधिकारी रविवार की देर रात तक बाइक से शहर और मेला क्षेत्र का निरीक्षण करते रहे। विभिन्न रूटों पर पहुंचकर उन्होंने व्यवस्थाओं का जायजा लिया और मौके पर तैनात अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

दूसरी सोमवारी को भीड़ का दबाव देखते हुए रूट लाइन में श्रद्धालुओं को कतारबद्ध रखने और उन्हें व्यवस्थित तरीके से मंदिर की ओर भेजने पर विशेष ध्यान दिया गया। डीसी और एसपी लगातार रूट लाइन और मंदिर क्षेत्र की स्थिति पर नजर बनाए रहे।

अत्यधिक भीड़ के कारण कई स्थानों पर श्रद्धालुओं में बेचैनी की स्थिति भी बनी। हालांकि, मौके पर तैनात प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने समझदारी से स्थिति को नियंत्रित किया और श्रद्धालुओं को समझाकर व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। बाबा मंदिर की व्यवस्था के साथ-साथ शहर और मेला क्षेत्र में यातायात और भीड़ नियंत्रण को लेकर भी प्रशासन सतर्क रहा। डीसी-एसपी स्वयं विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर अधिकारियों से स्थिति की जानकारी लेते रहे।

दोनों अधिकारियों के नेतृत्व में प्रशासनिक एवं पुलिस टीम के समन्वित प्रयास से भारी भीड़ के बावजूद श्रद्धालुओं को व्यवस्थित तरीके से बाबा बैद्यनाथ का जलार्पण कराने की व्यवस्था जारी रही।

बासुकीनाथ धाम में दूसरी सोमवारी को उमड़ी कावंरिया श्रद्धांलुओं की भीड़

बिभा संवाददाता

दुमका। राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव के 12 वें दिन शाम पांच बजे तक कुल 1,52,893 श्रद्धालुओं ने जलार्पण किया। शीघ्रदर्शनम से 2717 श्रद्धालुओं ने जलार्पण किया।

वहीं दूसरी सोमवारी पर 1187 डाक बम श्रद्धालुओं ने जलार्पण किया।

वहीं शीघ्र दर्शनाम से 13,58,500 रुपये,गोलक से 154310 एवं अन्य स्त्रोत से 13269 प्राप्त हुए। दूसरी सोमवारी के पर डीसी अभिजीत सिन्हा ने बासुकीनाथ पहुंचकर मेला क्षेत्र में विधि-व्यवस्था, सुरक्षा तथा श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण करते हुए प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीसी ने कंट्रोल रूम पहुंचकर सीसीटीवी के माध्यम से पूरे मेला क्षेत्र की गतिविधियों एवं भीड़ की स्थिति का निरीक्षण किया।

दो साल बाद भी सड़क नहीं बनी तो भड़के विधायक संजीव सरदार, जम कर लगाई फटकार

जनता के विकास कार्यों में लापरवाही किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं: संजीव सरदार

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। पोटका विधायक संजीव सरदार ने जमशेदपुर परिसदन में ग्रामीण कार्य विभाग के अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक कर पोटका विधानसभा क्षेत्र में लंबित सड़क निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। बैठक के दौरान कई महत्वपूर्ण योजनाओं में वर्षों से कार्य शुरू नहीं होने पर विधायक ने अधिकारियों से कड़ी नाराजगी जताई और पूछा कि टेंडर होने के दो-दो वर्ष बाद भी सड़क निर्माण कार्य आखिर क्यों शुरू नहीं हुआ। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि लापरवाह ठेकेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए लंबित योजनाओं का शीघ्र री-टेंडर कराकर निर्माण कार्य शुरू कराया जाए। बैठक में अधिकारियों ने विधायक को जानकारी दी कि सिरहा कंस्ट्रक्शन एंड डेवलपर्स प्रा. लि. को मुख्यमंत्री ग्राम सड़क सुदृढ़ीकरण योजना के तहत पोटका प्रखंड में सरमदा-सानग्राम, सादेडीह-पोरा, समाईडीह-खापरसाई तथा रोलाडीह-खापरसाई सड़क के सुदृढ़ीकरण का कार्य 7 अगस्त 2025 को आवंटित किया गया था। निर्धारित अवधि में कार्य पूरा नहीं होने पर 6 जनवरी एवं 20 जनवरी 2026 को नोटिस जारी कर काम शुरू करने को कहा गया, लेकिन कंपनी ने न तो कार्य शुरू किया और न ही कोई संतोषजनक जवाब दिया। इसके बाद अब विभाग द्वारा कंपनी को डीबार (काली सूची में डालने) की अनुशंसा की गई है।

इसी प्रकार करीब 11.14 करोड़ रुपये की लागत वाली हरिणा-बुनूडीह, एल-113 से पोरा, एल-89 से पोरसा, पिछली-बाधडीह, रादुर-कोपे, पूटूडोनी-सिदिरसाई तथा एच.जे. रोड से बेदेजुरा तक सड़क सुदृढ़ीकरण योजना का कार्य भी सिरहा कंस्ट्रक्शन को दिया गया था। परन्तु अबतक हरिणा से सुदृढ़ी चौक तक, छ089 से पोरसा तक पथ, पिठली से बांधडीह तक पथ एवं रागुड़ से कोपे पथ में केवल वेट मिक्स मैकाडम का ही कार्य किया गया है तथा पुड़दुनी से सिदिरसाई तक पथ में सिर्फ गार्डवाल निर्माण कार्य किया गया है। शेष दोनों पथों में कोई कार्य प्रारम्भ नहीं किया गया है निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बावजूद कार्य प्रगति से नहीं करने और शेष काम शुरू नहीं होने पर विभाग ने कई बार नोटिस जारी किया और अंततः डीबार की अनुशंसा कर दी जा रही है । बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि 16.52 करोड़ रुपये की लागत से हाता-जादूगोड़ा-भुजुडीह, दबंकी-गोबरागोड़ा-मानपुर, कुलडीहा-राखा माइंस रेलवे स्टेशन तथा शाहजोरी-सोनापास सड़क के विशेष मरम्मत कार्य भी लंबे समय से लंबित हैं। इन योजनाओं का कार्य भी सिरहा कंस्ट्रक्शन को दिया गया था, परंतु कंस्ट्रक्शन कंपनी ने केवल कुलडीहा मुख्य पथ से राखा माइंस रेलवे स्टेशन तक पथ में सिर्फ चौड़ीकरण का कार्य किया गया है. शेष में कोई काम नहीं किया गया है और कई नोटिसों के बावजूद किसी में निर्माण शुरू नहीं किया गया, जिसके बाद विभाग ने उसे डीबार करने की अनुशंसा की है।

वहीं रेलवे स्टेशन-बाहरदोरी-चेंगरा तथा कुदादा-छोटा तलसा सड़क सुदृढ़ीकरण का कार्य मिथिला एचआर कंस्ट्रक्शन एंड डेवलपर्स प्रा. लि. को आवंटित किया गया था। विभाग द्वारा 11 मार्च, 11 अप्रैल और 5 मई 2026 को नोटिस जारी किए जाने के बावजूद कार्य शुरू नहीं होने पर इस कंपनी को भी डीबार करने की अनुशंसा की गई है।

विधायक संजीव सरदार ने अधिकारियों से कहा कि सड़क निर्माण जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं में लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। जिन ठेकेदारों ने समय पर कार्य शुरू नहीं किया है, उनके विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा सभी लंबित परियोजनाओं का अविलंब री-टेंडर कराकर निर्माण कार्य शुरू कराया जाए। उन्होंने कहा कि सड़कें ग्रामीण विकास की रीढ़ हैं और जनता को बेहतर आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में कार्यपालक अभियंता नीरज कुमार मिश्र, सहायक अभियंता अमरजीत कुमार सिंह, पोटका के कनीय अभियंता विकास कुमार केशरी, जमशेदपुर सदर के कनीय अभियंता इंदु शेखर दुबे, बहरागोड़ा के कनीय अभियंता राजा हेम्ब्रम तथा घाटशिला के सहायक अभियंता रितेश कुमार सिंह सहित विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

विधायक संजीव सरदार की लगातार पहल और राज्य सरकार के विकासशील सोच से मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत पोटका विधानसभा क्षेत्र में तीन महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण कार्य का भूमिपूजन कर काम को जल्द प्रारंभ कराया जाएगा। इनमे गंभीरकोचा से जोजोगोड़ा तक 3.3 किमी सड़क का निर्माण 3.29 करोड़, हल्दीपोखर चौक से मुस्लिम बस्ती होते हुए हेंसल सीमा तक 2.1 किमी सड़क का निर्माण 1.22 करोड़ तथा हेंसलामदा पंचायत के दीगरसाईं से पोडसागोड़ा तक 1.85 किमी सड़क का निर्माण 1.68 करोड़ रुपये की लागत से होगा। विधायक संजीव सरदार ने कहा कि ह्यविकसित पोटकाह्न उनका संकल्प है और सड़क, बिजली, शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार योजनाबद्ध तरीके से काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले छह वर्षों में पोटका में सड़क विकास को अभूतपूर्व गति मिली है और जल्द ही इन योजनाओं का भूमिपूजन कर निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा।

श्रावण की दूसरी सोमवारी पर पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता ने धर्मपत्नी सुधा गुप्ता संग देवाधिदेव का रुद्राभिषेक किया

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : श्रावण माह की दूसरी सोमवारी के अवसर पर पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता धर्मपत्नी सुधा गुप्ता के साथ कदमा अपने आवासीय कार्यालय के समीप कदम बाजार दुर्गा पूजा मैदान में भगवान शिव की भक्ति भाव से पूजा अर्चना की और रुद्राभिषेक किया। रुद्राभिषेक के इस कार्यक्रम में पूर्व मंत्री के परिवार के सदस्यों और उनके शुभचिंतकों ने भी बाबा भूतनाथ का रुद्राभिषेक किया। साथ ही बन्ना गुप्ता के धर्मपत्नी सुधा गुप्ता विधि विधान के साथ आराधना की और झारखंड की सुख समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर भंडारे का भी आयोजन किया गया, जहां हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।

इस मौके पर बन्ना गुप्ता ने कहा कि भगवान भोलेनाथ के आशीर्वाद से शांति और खुशहाली कायम रहती है। हमारा राज्य प्रगति के पथ पर अग्रसर हो, लोगों का भविष्य उज्जवल हो और राज्य में समृद्धि आए इसके लिए हम लोगों ने भगवान शिव से मिन्नत और आराधना की। उन्होंने कहा कि श्रावण का पावन महीना भगवान शिव की आराधना और आस्था का प्रतीक है। भगवान भोलेनाथ की कृपा सभी लोगों पर बनी रहे और हर परिवार में सुख, शांति एवं समृद्धि का वास हो, यही हमारी प्रार्थना है। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, पूर्वी सिंहभूम उपायुक्त राजीव रंजन, मानगो नगर निगम अप नगर आयुक्त जितेंद्र यादव ,महंत विद्यानंद सरस्वती जी,कुणाल सारंगी, सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स अध्यक्ष मानव केडिया,शिव शंकर सिंह, मानगो नगर निगम वार्ड वार्ड पार्षदगण सहित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालुओं शामिल हुए।

गांजा तस्करी का खुलासा, आधा किलो गांजा के साथ ठेका कर्मी गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। परसुडीह थाना पुलिस ने मादक पदार्थों की अवैध खरीद-बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान खकड़ीपाड़ा इलाके में छापेमारी कर एक युवक को गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से करीब आधा किलो गांजा बरामद किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान गोविंदपुर बजरंगनगर निवासी शशि कुमार भगत के रूप में हुई है। सोमवार को सिटी एसपी ललित मीणा ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि खकड़ीपाड़ा क्षेत्र में एक युवक गांजा की खरीद-बिक्री कर रहा है।सूचना के आधार पर परसुडीह थाना पुलिस की टीम ने इलाके में कार्रवाई की और संदिग्ध अवस्था में शशि कुमार भगत को पकड़ा। तलाशी लेने पर उसके पास से गांजा बरामद हुआ।

पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह टाटा मोटर्स में ठेका कर्मी के तौर पर काम करता है। आर्थिक परेशानियों के कारण वह गांजा की खरीद-बिक्री में शामिल हो गया था। उसके अनुसार वह गोलमुरी निवासी बबलू सिंह से गांजा खरीदकर लाता था और स्थानीय स्तर पर इसकी बिक्री करता था। आरोपी के बयान के आधार पर पुलिस अब गांजा सप्लाई करने वाले बबलू सिंह की तलाश में जुट गई है। साथ ही पुलिस यह भी जांच कर रही है कि इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोग कौन-कौन हैं और गांजा की आपूर्ति कहां से की जा रही थी। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद पुलिस ने शशि कुमार भगत को न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

संक्षिप्त खबरें

न्याय सदन में आयोजित तीन दिवसीय सामुदायिक मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

जमशेदपुर(बिभा) । राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार नालसा की पायलट परियोजना सामुदायिक मध्यस्थता : वाद-मुक्त ग्रामीण भारत की ओर के अंतर्गत तीन दिवसीय आधारभूत मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 08 अगस्त से 10 अगस्त 2026 तक सफलता पूर्वक तीन दिनों तक न्याय सदन कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित किया गया । उक्त कार्यक्रम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पूर्वी सिंहभूम, जमशेदपुर के तत्वाधान में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में चयनित सामुदायिक मध्यस्थों को समुदाय स्तर पर उत्पन्न होने वाले विवादों के शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए आवश्यक ज्ञान एवं व्यावहारिक कौशल प्रदान किया गया । प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पूर्वी सिंहभूम के प्रशिक्षित मध्यस्थों द्वारा किया गया। प्रशिक्षण के दौरान मध्यस्थता की अवधारणा एवं प्रक्रिया, मध्यस्थ की भूमिका, निष्पक्षता, तटस्थता, गोपनीयता, सक्रिय श्रवण, प्रभावी संवाद, पक्षकारों के हितों की पहचान तथा समाधान के विभिन्न विकल्पों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया । प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन 10 अगस्त 2026 को सफलता पूर्वक किया गया । इस मौके पर डालसा सचिव कुमार सौरभ त्रिपाठी सहित प्रशिक्षक के रूप में के के सिन्हा , तरित वरण कर , राजेश दास एवं कृष्णा जी प्रसाद मुख्य रूप से उपस्थित थे ।

बाबा बैद्यनाथ सेवा संघ की कांवर यात्रा पहुंची सुल्तानगंज

जमशेदपुर(बिभा) : जमशेदपुर से निकली बाबा बैद्यनाथ सेवा संघ की निशुल्क यात्रा सकुशल सुल्तानगंज पहुंच गई । संघ के संस्थापक सदस्य विकास सिंह ने बताया सुल्तानगंज पहुंचने के साथ सभी कांवरियों की स्वास्थ्य की जांच की गई सभी कांवरिया स्वस्थ है सभी लोगों को सुल्तानगंज में फल और आई कार्ड का वितरण किया गया। सभी कांवरिया दोपहर 3:00 बजे उत्तर वाहिनी गंगा से अपने कांवर में जल भरकर पैदल कांवरिया पथ से देवघर की ओर प्रस्थान करेंगे । 1000 कांवरिया सामूहिक रूप से उत्तर वाहिनी गंगा में अपराध और नशा मुक्त जमशेदपुर बनाने के लिए सामूहिक रूप से संकल्प करेंगे और बाबा बैधनाथ से जमशेदपुर में अमन और शांति कायम रखने की कामना करेंगे ।

ट्रेलर के चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत

जमशेदपुर(बिभा)। सिदगोड़ा थाना क्षेत्र के एग्रिको ट्रांसपोर्ट मैदान के समीप हुए सड़क हादसे में बाइक सवार सुनील मौदक के दर्दनाक मौत हो गई। बताया गया कि युवक आगे चल रहे ट्रेलर को ओवरटेक करने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान बाइक अनियंत्रित हो गई और युवक सड़क पर गिरकर ट्रेलर के नीचे आ गया। ट्रेलर का पिछला पहिया उसके ऊपर से गुजर गया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और कुछ समय के लिए सड़क पर आवागमन प्रभावित रहा। सूचना मिलने पर सिदगोड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा तैयार किया और पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम अस्पताल भेज दिया। शव का पहचान सुनिल मौदक के रूप में बताया जा रहा है फिलहाल अस्पताल के शवगृह में रखा गया है।

जो खेलेगा, वही खिलेगा के संदेश को धरातल पर उतारने के लिए होगा फुटबॉल टूर्नामेंट : दुलाल भुईयां

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ह्यजो खेलेगा, वही खिलेगाह्न के संदेश को प्राथमिकता देते हुए 14 और 15 अगस्त को भुईयांडीह दुर्गा पूजा मैदान में दो दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा। यह प्रतियोगिता 79वें स्वतंत्रता दिवस की वर्षगांठ के साथ झारखंड आंदोलनकारी शहीद कालीपोदो भुईयां की स्मृति को समर्पित होगी। यह जानकारी पूर्व मंत्री सह भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य दुलाल भुईयां ने सोमवार को मिष्टी होटल में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। दुलाल भुईयां ने कहा कि आज के समय में युवाओं को नशे और गलत दिशा से दूर रखने का सबसे प्रभावी माध्यम खेल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार युवाओं को खेलों से जोड़ने और खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की बात कहते रहे हैं। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है, ताकि क्षेत्र के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए बेहतर मंच मिल सके।

उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता का उद्देश्य केवल जीत और हार तक सीमित नहीं है, बल्कि युवाओं में खेल भावना, अनुशासन और टीम भावना विकसित करना भी है। स्थानीय स्तर पर प्रतिभावान खिलाड़ियों की पहचान कर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देना प्रतियोगिता की प्राथमिकता होगी। फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन अखिल भारतीय भुईयां समाज कल्याण समिति और सेंट्रल भीम बिरसा मुंडा फुटबॉल एकेडमी के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। प्रतियोगिता में अधिकतम 32 टीमें हिस्सा लेंगी। सभी मुकाबले 7-ए-साइड प्रारूप में खेले जाएंगे। प्रत्येक टीम के लिए प्रवेश शुल्क 1500 रुपये रखा गया है। सभी टीमों के खिलाड़ियों को जर्सी और बूट के साथ मैदान में उतरना अनिवार्य होगा।

प्रतियोगिता में विजेता, उपविजेता और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमों को आकर्षक पुरस्कार, जर्सी और शील्ड प्रदान किए जाएंगे। दुलाल भुईयां ने बताया कि 15 अगस्त को महिला फुटबॉल टीमों के बीच 30 मिनट का प्रदर्शनी मैच भी आयोजित किया जाएगा। महिला खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदर्शनी मैच में बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीमों को कप, शील्ड और पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। दुलाल भुईयां ने बताया कि कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन, विधायक पूर्णिमा साहू और भाजपा नेता अमरप्रीत सिंह काले समेत कई प्रमुख लोगों के शामिल होने की संभावना है। उन्होंने शहर और आसपास के खेल प्रेमियों से प्रतियोगिता में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने की अपील की।

एसजीएनपीएस में इंटर-हाउस नृत्य प्रतियोगिता संपन्न

बिभा संवाददाता

रामगढ़: श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल के भव्य ऑडिटेरियम में आज सोमवार10 अगस्त 26 को इंटर-हाउस नृत्य प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। रंगारंग प्रस्तुतियों और शानदार नृत्य प्रदर्शन से पूरा ऑडिटेरियम देर तक तालियों की गूंज से सराबोर रहा। कार्यक्रम में विद्यालय के चारों सदनों—साहिबजादा अजीत सिंह हाउस, साहिबजादा जुझार सिंह हाउस, साहिबजादा जोरावर सिंह हाउस और साहिबजादा फतेह सिंह हाउस के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी बहुमुखी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कला और संस्कृति का अद्भुत संगम नृत्य प्रतियोगिता में प्रत्येक सदन से 40-40 विद्यार्थियों ने भाग लिया। पारंपरिक, लोक एवं समकालीन नृत्य शैलियों की आकर्षक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। चारों सदनों के बीच कड़ा और रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। इस प्रतियोगिता में साहेबजादा अजित सिंह सदन प्रथम,साहिबजादा जुझार सिंह द्वितया एवं साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह सदन संयुक्त रूप से तृत्य स्थान में रहे। प्रतियोगिता में कुल 160 विद्यार्थियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। रंग-बिरंगी वेशभूषा और मनमोहक नृत्य ने निर्णायकों के लिए निर्णय लेना बेहद कठिन बना दिया।

विद्यालय के प्राचार्य हरजाप सिंह ने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास और रचनात्मक प्रतिभा को निखारने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम का सफल एवं आकर्षक संचालन कक्षा 11 (ह्यूमैनिटीज) की छात्रा अनन्या कुमारी ने किया। उनके आत्मविश्वासपूर्ण, प्रभावशाली और सहज मंच संचालन ने पूरे कार्यक्रम को नई ऊर्जा प्रदान की तथा उपस्थित अतिथियों और दर्शकों की खूब सराहना बटोरी।

इस अवसर पर गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के प्रधान परमदीप सिंह कालरा सहित विद्यालय प्रबंधक समिति के सम्माननीय सदस्य मनमोहन सिंह लांबा, हरपाल सिंह अरोड़ा, सुरिंदर पाल सिंह चंडोक, वरिंदर सिंह चंडोक, गुरप्रीत सिंह जॉली, नरेंद्र पाल सिंह गुजराल, पुषविंदर पाल सिंह, गुरदीप सिंह सैनी, सतिंदर सिंह होरा, विक्रमजीत सिंह कोहली, गुरप्रीत सिंह चाना, रमन बेदी एवं करमजीत सिंह जग्गी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की।

शांतिपूर्ण माहौल में जमीयतुल मोमिनीन का चुनाव संपन्न, अमीन अंसारी समेत नई टीम निर्वाचित

बिभा संवाददाता

इटकी। सामाजिक संगठन जमीयतुल मोमिनीन इटकी का नया नेतृत्व रविवार को लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न चुनाव में चुना गया। बैलेट पेपर से हुए चुनाव में अमीन अंसारी अध्यक्ष, कलीम अंसारी सचिव, जबकि मो. आरिफ अंसारी और मो. इमरान अंसारी संयुक्त सचिव निर्वाचित हुए। अध्यक्ष पद पर अमीन अंसारी ने पूर्व अध्यक्ष तसलीम अहमद को 105 मतों से हराया। सचिव पद पर कलीम अंसारी ने पूर्व सचिव अब्दुल रकीब अंसारी को 205 मतों से शिकस्त दी। वहीं मो. आरिफ अंसारी ने मो. हसन को 253 मतों और मोहम्मद इमरान ने अली हसन अंसारी को 213 मतों से पराजित किया। सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक चले मतदान में 63 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। चार पोलिंग केंद्रों पर सीसीटीवी और पुलिस प्रशासन की निगरानी में मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। चुनाव समिति के मुख्य कन्वेनर शहाब हमजा ने कहा कि डेढ़ महीने की मेहनत और सभी की सामूहिक सहभागिता से निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव संभव हो सका। देर रात परिणाम घोषित होने के बाद विजयी प्रत्याशियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। सह संयोजक शोएब अंजुम ने संविधान पेश कर समारोह का आगाज किया, संरक्षक अफसर इमाम ने बधाई दी, और संचालन उप-संयोजक तसलीम रजा ने किया। इस दौरान तारिक हसन, वसीम इकबाल पम्मु, अरशद अंसारी, हाजी अली हसन, ऐनुल हक अंसारी, मंसूर अंसारी, कारी जुबैर अहमद, दानिश निजाम, शारिक जमाल, मोहम्मद रेहान, अहमद अंसारी, इरशाद अंसारी, अब्दुल राजिक, फरीद अंसारी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

9वीं झारखंड राज्य सब-जूनियर सेपक टकरा प्रतियोगिता सम्पन्न, खिलाड़ियों ने दिखाया शानदार प्रदर्शन

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड सेपक टकरा संघ के तत्वावधान में रांची के जिला स्कूल में आयोजित 9वीं झारखंड राज्य सब-जूनियर सेपक टकरा प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक समापन हुआ। एक दिवसीय इस प्रतियोगिता में राज्य के विभिन्न जिलों से आए लगभग 100 खिलाड़ियों और अधिकारियों ने हिस्सा लिया और अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता के विभिन्न वर्गों में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल दिखाया। रेगू बालक वर्ग में गोविंद राम कटारुका विद्यालय ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि मानन विद्यालय दूसरे स्थान पर रहा तथा जिला स्कूल एवं गिरिडीह ने संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त किया। रेगू बालिका वर्ग में देवघर की टीम ने पहला, मानन विद्यालय ने दूसरा और कैंब्रियन पब्लिक स्कूल, कांके ने तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं क्वाड बालक वर्ग में गोविंद राम कटारुका विद्यालय प्रथम रहा, जिला स्कूल द्वितीय स्थान पर रहा, जबकि कैंब्रियन पब्लिक स्कूल, कांके और मानन विद्यालय ने संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त किया।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि एस.डी.एफ. के निदेशक सुमित दुबे और विशिष्ट अतिथि के रूप में भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष अमन यादव, गौतम, राज प्रजापति एवं सुमित घोषाल उपस्थित रहे। अतिथियों ने विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को पदक, प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। अतिथियों ने कहा कि सेपक टकरा जैसे खेलों को राज्य के जिलों में बढ़ावा देने से ग्रामीण और युवा प्रतिभाओं को अपनी क्षमता दिखाने और आगे चलकर राष्ट्रीय स्तर पर झारखंड का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलता है।

प्रतियोगिता के सफल संचालन में अमरेन्द्र दत्त द्विवेदी, भोला कुमार, साकेत सौरभ, राजकुमार महतो, अनिरुद्ध द्विवेदी, विवेक कुमार, आशीष कुमार, मोहित कुमार और गोपाल मुंडा ने रेफरी एवं तकनीकी पदाधिकारी के रूप में अहम भूमिका निभाई। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन जल्द ही आगामी राष्ट्रीय सब-जूनियर सेपक टकरा प्रतियोगिता के लिए झारखंड टीम में किया जाएगा।

खुटकट्टी भूमि की नियम विरुद्ध रसीद काटने के आरोपित पूर्व सीओ पर एक माह में होगी कार्रवाई : भू-राजस्व मंत्री

बिभा संवाददाता

रांची। नियम विरुद्ध 748.46 एकड़ खुटकट्टी भूमि की रसीद काटने के आरोपित सोनाहातु के पूर्व अंचलाधिकारी (सीओ) आलोक कुमार के खिलाफ एक माह के भीतर कार्रवाई की जाएगी। यह जानकारी भू-राजस्व मंत्री दीपक बिरुवा ने सोमवार को झारखंड विधानसभा में दी।

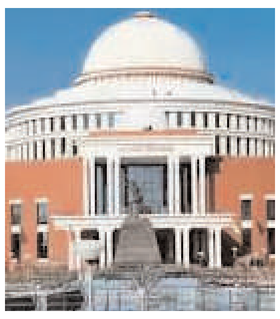

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के विधायक अमित कुमार के तारांकित प्रश्न का जवाब देते हुए मंत्री ने सदन को बताया कि पूर्व सीओ आलोक कुमार के खिलाफ अदालत में आरोप गठित किया जा चुका है। इसके आधार पर उनके विरुद्ध विभागीय स्तर पर कार्रवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी।

प्रश्न के दौरान विधायक अमित कुमार ने कार्रवाई में हो रही देरी पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि मामले में आरोप गठित होने के बावजूद कार्रवाई में काफी विलंब हो रहा है। विधायक ने सरकार से अदालत में गठित आरोप की प्रति उपलब्ध कराने की मांग भी की।

इस पर भू-राजस्व मंत्री दीपक बिरुवा ने कहा कि आरोप गठन की प्रति उपलब्ध कराने के संबंध में संबंधित अधिकारियों से बात की जाएगी। उन्होंने सदन को आश्वस्त किया कि पूर्व सीओ के खिलाफ एक माह के भीतर कार्रवाई की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि यह मामला सोनाहातु अंचल की 748.46 एकड़ खुटकट्टी भूमि की रसीद नियम विरुद्ध काटे जाने से जुड़ा है। विधानसभा में मामला उठने के बाद सरकार ने संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की समय-सीमा भी स्पष्ट की है।

विधानसभा में उठा आंधी-तूफान से मकान क्षति के मुआवजे का स्लैब बदलने का मुद्दा, केंद्र से पत्राचार करेगी सरकार

रांची। झारखंड विधानसभा में सोमवार को आंधी-तूफान के कारण मकान गिरने या क्षतिग्रस्त होने वाले लोगों को मिलने वाली सरकारी सहायता का मुद्दा उठाया गया। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) विधायक डॉ. लुईस मरांडी ने तारांकित प्रश्न के माध्यम से सरकार से मांग की कि निर्धारित सहायता राशि की सीमा में बदलाव कर वास्तविक नुकसान के आकलन के आधार पर पीड़ितों को मुआवजा देने की व्यवस्था की जाए। विधायक ने कहा कि राज्य सरकार के प्रावधानों के अनुसार प्राकृतिक आपदा के कारण मकान को आंशिक क्षति होने पर चार हजार, पांच हजार या आठ हजार रुपये तथा मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त होने पर एक लाख 20 हजार रुपये की सहायता राशि देने का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि निर्धारित स्लैब के कारण कई मामलों में मकान को हुए वास्तविक नुकसान के अनुपात में पीड़ित परिवारों को पर्याप्त मुआवजा नहीं मिल पाता है। डॉ. लुईस मरांडी ने सरकार से पूछा कि क्या निर्धारित मुआवजा नियमों में शिथिलता बरतते हुए मकान को हुए वास्तविक नुकसान का आकलन कर उसके आधार पर पीड़ितों को सहायता राशि उपलब्ध कराई जा सकती है। इसके जवाब में आपदा प्रबंधन मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि इस मामले में केंद्र सरकार से पत्राचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार केंद्र से आवश्यक राशि की मांग करेगी, ताकि प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों को उचित सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में पहल की जा सके। मंत्री ने कहा कि सरकार आपदा से प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के लिए उपलब्ध प्रावधानों के तहत सहायता उपलब्ध करा रही है। विधायक की ओर से उठाए गए मुद्दे के संबंध में केंद्र सरकार से बातचीत कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रिम्स में विकास कार्यों और 250 एमबीबीएस सीटों की आवश्यकताओं की उच्चस्तरीय समीक्षा

बिभा संवाददाता

रांची: राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स), रांची में संस्थान के समग्र विकास, अधोसंरचना सुदृढ़ीकरण एवं चिकित्सा सेवाओं के विस्तार को लेकर स्वास्थ्य विभाग और रिम्स प्रबंधन की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में स्वास्थ्य विभाग के डिप्टी सेक्रेटरी मनोज कुमार, रिम्स निदेशक, डीन, चिकित्सा अधीक्षक, सभी विभागाध्यक्षों के साथ-साथ भवन निर्माण एवं पीएचईडी विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक के दौरान संस्थान में चल रहे नवीनीकरण एवं सिविल निर्माण कार्यों, ओपीडी व आईपीडी सेवाओं, वार्डों के उन्नयन और मरीज सुविधाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। इसके अलावा एमबीबीएस सीटों की संख्या 180 से बढ़ाकर 250 किए जाने के बाद राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) के मानकों के अनुसार आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर, मानव संसाधन, शैक्षणिक सुविधाओं और क्लिनिकल सामग्रियों की उपलब्धता पर विशेष चर्चा हुई।

रिम्स निदेशक ने संबंधित अधिकारियों और विभागाध्यक्षों को लंबित विकास कार्यों को समय सीमा के भीतर पूरा करने, निर्माण कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने और 250 सीटों के मानकों के अनुरूप सभी संसाधन जुटाने के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एमबीबीएस सीटों में वृद्धि रिम्स के लिए एक बड़ी उपलब्धि है और इसके लिए शैक्षणिक व चिकित्सीय ढांचे को और मजबूत करना अनिवार्य है।

निदेशक ने ओपीडी एवं आईपीडी में मरीजों के बेहतर कार्यप्रवाह, वार्ड क्षमता बढ़ाने और विभागीय आवश्यकताओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने पर जोर दिया। उन्होंने सभी विभागों के बीच प्रभावी समन्वय और नियमित मॉनिटरिंग के जरिए निर्धारित लक्ष्यों को समय पर हासिल करने का निर्देश दिया ताकि रिम्स में आने वाले मरीजों और विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

संक्षिप्त खबरें

स्वतंत्रता दिवसः जिला मुख्यालयों में मंत्रियों द्वारा झंडोत्तोलन की सूची जारी

रांची(बिभा): स्वतंत्रता दिवस 2026 के अवसर पर 15 अगस्त को राज्य के विभिन्न जिला मुख्यालयों में होने वाले ध्वजारोहण कार्यक्रम को लेकर मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) ने निर्देश जारी कर दिए हैं। जारी सूची के अनुसार, पलामू (डालटनगंज) में मंत्री राधा कृष्ण किशोर और मंत्री दीपक बिरुवा संयुक्त रूप से झंडोत्तोलन करेंगे। पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) और गुमला दोनों जिलों में ध्वजारोहण की जिम्मेदारी मंत्री चमरा लिंडा को सौंपी गई है। इसके अलावा गोड्डा में मंत्री संजय प्रसाद यादव, जामताड़ा में मंत्री इरफान अंसारी, देवघर में मंत्री हफीजूल हसन, पाकुड़ में मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, बोकारो में मंत्री योगेंद्र प्रसाद, गिरिडीह में मंत्री सुदिव्य कुमार तथा लोहरदगा में मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगी। विभाग के विशेष कार्य पदाधिकारी ने संबंधित जिलों के उपायुक्तों और वरीय पुलिस अधीक्षकों/पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिए हैं कि वे मंत्रियों से समन्वय बनाकर समारोह के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करें। राज्य सरकार ने स्वतंत्रता दिवस समारोह को गरिमामय ढंग से आयोजित करने पर विशेष बल दिया है।

बीएयू के पशुपतिनाथ मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

रांची(बिभा)। श्रावण मास के पावन सोमवार को बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के पशुपतिनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह 5 बजे से ही भक्त भगवान शिव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए मंदिर में पहुंचने लगे। मंदिर में हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। दोपहर में डॉ अरविन्द कुमार सिंह परिवार द्वारा रूद्राभिषेक पूजन निवेदित की गयी जिसमें परिवार की पूनम सिंह, राज सिंह एवं वैष्णवी शामिल थीं। शाम में उदय सिंह परिवार द्वारा रूद्राभिषेक पूजन कराया गया जिसमें ललिता देवी, अंजलि एवं कल्याण कुमार की भी भागीदारी रही। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव को गंगाजल, दूध, बेलपत्र, धतूरा, फूल और फल अर्पित कर सुख-समृद्धि की कामना की। कई भक्तों ने उपवास रखकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। शिव चर्चा मंडली की ओर से विमला देवी के संयोजन में मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन का भी आयोजन हुआ। मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सुनील कुमार पांडेय ने बताया कि श्रावण सोमवार को भगवान शिव की पूजा करने से शांति, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है। पूरे दिन मंदिरों में श्रद्धा और भक्ति का माहौल बना रहा।

छात्रों पर बल प्रयोग उचित नहीं, संवाद से निकले समाधानः केशव महतो कमलेश

रांची(बिभा): झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने आंदोलनरत छात्रों के प्रति राहुल गांधी द्वारा व्यक्त चिंता और समर्थन का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि अपने अधिकारों और परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज या बल प्रयोग बिल्कुल उचित नहीं है। कमलेश ने कहा कि सरकार द्वारा गठित चार सदस्यीय कमेटी का संवाद सकारात्मक है, लेकिन बातचीत के साथ-साथ ठोस समाधान भी निकलना चाहिए। उन्होंने छात्रों से आंदोलन को शांतिपूर्ण व अनुशासित रखने की अपील की और कहा कि युवाओं की आवाज को दबाने के बजाय संवेदनशीलता से सुना जाना चाहिए।

फिल्म फेस्टिवल में आदिवासी सिनेमा और संस्कृति पर संवाद

बिभा संवाददाता

रांची। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर झारखंड फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान की स्थापना की दिशा में पहल करते हुए रांची में दो दिवसीय फिल्म फेस्टिवल, मास्टरक्लास, आदिवासी फिल्मों की विशेष स्क्रीनिंग और परिचर्चा का आयोजन किया गया।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से सोमवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि दो दिनों के आयोजन में दर्शकों की सक्रिय भागीदारी रही। स्क्रीनिंग के बाद हुई परिचर्चाओं में दर्शकों ने फिल्मों के विषय और आदिवासी समाज के चित्रण से जुड़े सवालों पर चर्चा की। कार्यक्रम में सिनेमा के माध्यम से झारखंड की संस्कृति, पहचान, परंपरा, भाषा और सामाजिक सरोकारों पर संवाद हुआ। फिल्म फेस्टिवल में आदिवासी जीवन और समाज की विविधता को केंद्र में रखकर फिल्मों की स्क्रीनिंग की गई। प्रत्येक स्क्रीनिंग के बाद फिल्मों के कथ्य, निर्माण और सामाजिक प्रभाव पर चर्चा हुई। फिल्मकारों, विद्यार्थियों, कलाकारों, सिनेप्रेमियों और सिनेमा से जुड़े लोगों ने संवाद में हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में शामिल विद्यार्थियों और सिनेमा से जुड़े लोगों ने कहा कि ऐसे आयोजन झारखंड में फिल्म संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ स्थानीय प्रतिभाओं को मंच देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

आयोजन ने सार्थक और विषयपरक सिनेमा के प्रति रांची के दर्शकों की रुचि को भी सामने रखा।

आयोजन का प्रमुख आकर्षण मास्टरक्लास रहा, जिसमें प्रतिभागियों को फिल्म निर्माण की बारीकियों, कहानी कहने की तकनीक और सिनेमा के सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभावों की जानकारी दी गई। जारी विज्ञप्ति के अनुसार, झारखंड में लंबे समय से फिल्म निर्माण और सिनेमा के लिए मजबूत मंच की आवश्यकता महसूस की जाती रही है। फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान की स्थापना की दिशा में आयोजित यह कार्यक्रम इसी प्रयास का हिस्सा है।

लाठीचार्ज के खिलाफ भाजपा का बंद राजनीतिक नौटंकी, छात्रों के साथ खड़ी है कांग्रेसः राकेश सिन्हा

रांची(बिभा): विधानसभा घेराव के दौरान छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में भाजपा द्वारा घोषित 'झारखंड बंद' पर प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने कड़ा हमला बोला है। उन्होंने भाजपा के बंद को छात्रों के न्याय के लिए संवेदना कम और राजनीतिक अवसरवाद ज्यादा करार दिया। राकेश सिन्हा ने कहा कि लाठी किसी भी सरकार की भाषा नहीं हो सकती और छात्रों पर अनावश्यक बल प्रयोग के दोषी पुलिसकर्मियों पर निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई होनी चाहिए। हालांकि, भाजपा को छात्रों के कंधे पर बंदूक रखकर राजनीति चमकाने के बजाय केंद्र की भर्ती परीक्षाओं में हो रही गड़बड़ियों पर जवाब देना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस छात्रों के साथ मजबूती से खड़ी है और आंदोलन को किसी दल की 'राजनीतिक दुकान' नहीं बनने दिया जाएगा। सिन्हा ने सरकार से तत्काल छात्रों से वार्ता करने, घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की।

बार्टरवाटर मॉडल से जल संरक्षण को सामुदायिक भागीदारी से जोड़ने की पहल

बिभा संवाददाता

रांची। जल संकट, भूजल प्रदूषण और पर्यावरणीय चुनौतियों के बीच पानी और प्रकृति को विकास के केंद्र में रखकर बार्टरवाटर पहल के माध्यम से नया सामुदायिक मॉडल विकसित किया जा रहा है।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से सोमवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया गया कि यह मॉडल बिहार के बाद झारखंड और असम में भी विस्तार पा रहा है। पहल का लक्ष्य पानी, प्रकृति, तकनीक और समुदाय को जोड़कर स्थानीय स्तर पर टिकाऊ विकास का मॉडल तैयार करना है। विज्ञप्ति में बताया गया कि विल्सु ग्लोनबल फाउंडेशन, वीन फाउंडेशन और वाटर बैंक फाउंडेशन की साझेदारी से संचालित इस पहल का उद्देश्य स्वच्छ पेयजल, जल संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को एक-दूसरे से जोड़ना है।

इस वाटर बैंक व्यवस्था को सौर ऊर्जा से संचालित करने के लिए हस्कस पावर सिस्टम जैसी संस्थाओं का सहयोग लिया गया है। आईआईटी, खड़गपुर की तकनीक के व्यावसायीकरण की दिशा में वास ब्रोस इंटरप्राईजेज काम कर रहा है। इस पहल को विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से भी सहयोग मिला है।

इस मॉडल में पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यों के लिए रेनबो क्रेडिट दिए जाते हैं। आर्सेनिक प्रभावित क्षेत्रों में जल शोधन के लिए आईआईटी खड़गपुर की ओएएस तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस पहल के तहत जल प्रबंधन में डिजिटल तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता को भी जोड़ा जा रहा है। अलॉट और डिजिटल ट्वीन के माध्यम से जल संसाधनों की निगरानी, जल-कुशल कृषि और भविष्य की जरूरतों के आकलन पर काम किया जा रहा है।

एसबीयू और सीआईएसएफ में हुआ करार, साइबर सुरक्षा पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

बिभा संवाददाता

रांची : सरला बिरला विश्वविद्यालय, रांची और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के संयुक्त तत्वावधान में महत्वपूर्ण सूचना अवसंरचना सुरक्षा (सीआईआपी) विषय पर पांच दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार को विवि परिसर में शुरू हुआ। 10 से 14 अगस्त तक चलने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य सीआईएसएफ कर्मियों को साइबर सुरक्षा, महत्वपूर्ण सूचना अवसंरचना, उभरते साइबर खतरों और तकनीक आधारित सुरक्षा तंत्र की जानकारी एवं प्रशिक्षण देना है। कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय और सीआईएसएफ के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के साथ हुई। इस एमओयू के माध्यम से साइबर सुरक्षा एवं महत्वपूर्ण अवसंरचना संरक्षण के क्षेत्र में दोनों संस्थानों के बीच ज्ञान के आदान-प्रदान, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण को बढ़ावा मिलेगा।

समारोह में सरला बिरला विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. सी. जगनाथन, माननीय महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक, रजिस्ट्रार प्रो. एस. बी. डांडिन, विभिन्न संकायों के डीन एवं वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। सीआईएसएफ की ओर से महानिरीक्षक प्रबोध चंद्र, कमांडेंट औशुतोष चौधरी और असिस्टेंट कमांडेंट चेकी शेरपा उपस्थित रहे।

इसके बाद विवि के एआई/एमएल लैब में प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन सत्र आयोजित किया गया। डॉ. पंकज के. गोस्वामी, डीन, फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड एप्लाइड साइंसेज, ने स्वागत भाषण दिया और साइबर सुरक्षा की बढ़ती चुनौतियों पर प्रकाश डाला। प्रो जगनाथन ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और क्लाउड कंप्यूटिंग जैसी उभरती तकनीकों को समझना आज बेहद जरूरी है। उन्होंने महत्वपूर्ण अवसंरचना पर होने वाले साइबर हमलों के संभावित प्रभावों का उल्लेख करते हुए कहा कि साइबर सुरक्षा राष्ट्रीय सुरक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। प्रो. गोपाल पाठक ने अपने संबोधन में बल के प्रतिभागियों से प्रशिक्षण का अधिकतम लाभ उठाने तथा विशेषज्ञों के साथ सक्रिय संवाद करने का आग्रह किया। वहीं, बल के आईजी श्री प्रबोध चंद्र ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए सरला बिरला विश्वविद्यालय की सराहना करते हुए प्रतिभागियों से सभी प्रशिक्षण सत्रों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (टीआरएस), दक्षिण पूर्व रेलवे, टाटानगर निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। ई-निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है और प्राप्त ऐसे किसी भी मैनुअल प्रस्ताव को नज़रअंदाज़ कर दिया जाएगा। **क्रम संख्या:** 1। **खुली ई-निविदा सूचना संख्या: आरएस-टीएटीए-06-2026-27।** **कार्य का विवरण:** ईएलएस/टाटानगर के डब्ल्यूएजी-9 एवं डब्ल्यूएपी-7 विद्युतीय रेलइंजन में ट्रेन पासिंग स्टाफ के साथ सिग्नल की अदला-बदली के लिए एलईडी टाइप लाइट की स्थापना एवं शुरुआत। **निविदा मूल्य:** रु. 9,15,720। **बयाना राशि:** रु. 18,300। **क्रम संख्या:** 2। **खुली ई-निविदा सूचना संख्या: आरएस-टीएटीए-07-2026-27।** **कार्य का विवरण:** इलेक्ट्रिक लोको शेड, टाटानगर में 05 वर्षों के लिए ईएलएस/टाटानगर में 01 अदद डायरेक्ट रीडिंग फेरोंग्राम मशीन (एफडीएम), निर्माता: पार्कर किट्टीवेक (यू.के.) मॉडल-एएनएएलईएक्स एफडीएम प्लस, क्रम संख्या 43457 का वार्षिक रखरखाव ठेका (एएमसी)। **निविदा मूल्य:** रु. 3,15,000। **बयाना राशि:** रु. 6,300। **क्रम संख्या:** 3। **खुली ई-निविदा सूचना संख्या: सीटीआरसी-टीएटीए-03-2026-27।** **कार्य का विवरण:** दो वर्षों के लिए सीटीआरसी/टाटानगर में विद्युतीय रेलइंजन के प्रमुख उपकरणों की सफाई तथा एम एंड पी। **निविदा मूल्य:** रु. 70,01,389.44। **बयाना राशि:** रु. 1,40,000। **निविदा प्रपत्र की कीमत:** शून्य (क्रम संख्या 1 एवं 2 प्रत्येक के लिए) तथा रु. 5,000 (क्रम संख्या 3 के लिए)। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 28.08.2026 को अपराह्न 3.00 बजे (क्रम संख्या 1 एवं 2 प्रत्येक के लिए) तथा 31.08.2026 को अपराह्न 3.00 बजे (क्रम संख्या 3 के लिए)। **निविदा खुलने की तारीख:** 28.08.2026 (क्रम संख्या 1 एवं 2 प्रत्येक के लिए) को तथा 31.08.2026 (क्रम संख्या 3 के लिए) को टीआरएस/टाटानगर में। निविदा वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है। ई-निविदा का सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट पर उपलब्ध है। अगर खुलने की तारीख को बंद या छुट्टी का दिन पड़ता है तो निविदा अगले कार्यदिवस को एक ही समय पर खोली जाएगी। (PR-589)

आदिवासी वन महोत्सव में दिखी वन, जीवन और संस्कृति की अनूठी एकजुटता

बिभा संवाददाता

रांची: वन भवन, डोरंडा स्थित झारखंड वन मुख्यालय परिसर में प्रधान मुख्य वन संरक्षक संजीव कुमार की अध्यक्षता में 'आदिवासी वन महोत्सव' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में वन विभाग के लगभग 500 पदाधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। महोत्सव का मुख्य उद्देश्य आदिवासी समुदायों के जंगलों से पारंपरिक जुड़ाव, उनकी समृद्ध संस्कृति और प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व की भावना को रेखांकित करना रहा।

समारोह के दौरान वन भवन परिसर में स्थापित एक विशेष प्रतिमा का अनावरण किया गया, जो आदिवासी लोक जीवन और संस्कृति को प्रदर्शित करती है। यह प्रतिमा आदिवासी समुदाय की पारंपरिक जीवन शैली, लोकनृत्य, वेशभूषा और वनों के साथ उनके गहरे जुड़ाव को दर्शाती है। इसके माध्यम से यह संदेश दिया गया कि वन केवल पेड़-पौधों और वन्यजीवों का समूह नहीं, बल्कि आदिवासी समाज की परंपरा, आजीविका और जीवन-पद्धति का अभिन्न हिस्सा हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधान मुख्य वन संरक्षक संजीव कुमार ने कहा कि आदिवासी समाज सदियों से जंगलों के संरक्षण और संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आया है। प्रकृति के प्रति सम्मान, सीमित संसाधनों का उपयोग और सामुदायिक भागीदारी जैसी उनकी परंपराएं आज के दौर में सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण के लिए बेहद प्रासंगिक हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि झारखंड की पहचान उसके समृद्ध वनों के साथ-साथ विविध आदिवासी संस्कृति से है और ये दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं।

इस अवसर पर पीसीसीएफ (जैव विविधता) विश्वनाथ शाह, पीसीसीएफ (वन्य प्राणी) रवि रंजन, मुख्य वन संरक्षक एस.आर. नतेश, वन संरक्षक प्रशासन पी.आर. नायडू, ममता प्रियदर्शी, रांची वन प्रमंडल पदाधिकारी श्रीकांत वर्मा, डीएफओ (वन्यप्राणी) अवनीश चौधरी, डीएफओ प्रशासन अजिंक्य बनकर और उप वन संरक्षक वी.एस. दुबे सहित वन विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

पूर्व रेलवे

ई–नीलामी सूचना

ई–नीलामी सूचना सं. एएसएन–एमएसएस–20–08 दिनांक:05.08.2026

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन–713301 द्वारा अनुबंध प्रदान करने के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से आईआरईपीएस पोर्टल के जरिए ई–नीलामी आमंत्रित की जाती है। इसका विवरण निम्नानुसार है: **कैटलॉग सं. एएसएन–एमएसएस–20–08, नीलामी शुरू होने की तिथि और समय:** दिनांक 20.08.2026 को 12.00 बजे। **क्रम सं., लॉट सं. और विवरण** निम्नानुसार हैं: **एए/1,** एमएसएस–एएसएन–सीआरजे–एसएलपॉड–176–26–1 (एमआईएससी–स्टैटिक–सर्विसेस–स्टेशन पर स्लीपिंग पॉड), आसनसोल मंडल के चित्तरंजन रेलवे स्टेशन में यात्रियों को सुरक्षित, स्वास्थ्यप्रद, आरामदेह एवं किफायती संक्षिप्त ठहराव आवास प्रदान करने के लक्ष्य से आधुनिक सुख–सुविधाओं से सज्जित स्लीपिंग पॉड का 05 वर्ष की अवधि के लिए विकास, परिचालन एवं रखरखाव हेतु अनुबंध प्रदान करना। कुल क्षेत्रफल=517 वर्गफुट। **एबी/1,** एमएसएस–एएसएन–जेएसएमई–एसटीजीईएन–169–26–1 (एमआईएससी–स्टैटिक–सर्विसेस–स्टैटिक जनरल), जसीडीह रेलवे स्टेशन के नए सर्कुलेटिंग एरिया में 03 वर्ष की अवधि के लिए रिटेल स्टोर की स्थापना, परिचालन एवं रखरखाव हेतु अनुबंध प्रदान करना। **एबी/2,** एमएसएस–एएसएन–जेएसएमई–एसटीजीईएन–150–26–1 (एमआईएससी–स्टैटिक–सर्विसेस–स्टैटिक जनरल), इस कैटलॉग के साथ संलग्न रफ स्केच प्लान के अनुसार प्रत्येक 36 वर्ग फीट के तहत जसीडीह, बैद्यनाथधाम और देवघर स्टेशनों पर ऐप आधारित कैब/बाइक बुकिंग कियोस्क की स्थापना, परिचालन एवं रखरखाव हेतु अनुबंध प्रदान करना। सभी प्रत्याशित बोलीदाताओं को सूची के अनुसार उक्त ई–नीलामी के संपूर्ण विवरण एवं भाग लेने के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखने की सलाह दी जाती है। ASN-203/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

चास नगर निगम की तीसरी बोर्ड बैठक हंगामे के बीच स्थगित, जनप्रतिनिधि डीसी कार्यालय पहुंचे

बिभा संवाददाता

चास (बोकारो)। चास नगर निगम की तीसरी बोर्ड बैठक सोमवार को हंगामेदार माहौल के बीच स्थगित करनी पड़ी। मेयर, डिप्टी मेयर और कई पार्षदों ने आरोप लगाया कि पिछली दो बैठकों में लिए गए निर्णयों का अनुपालन नहीं किया गया है, जिससे बैठक के दौरान तीखी नोक-झोंक और आक्रोश उत्पन्न हुआ। विवाद बढ़ने के बाद अधिकारियों ने बैठक को रोक दिया।

बैठक स्थगित होने के बाद सभी जनप्रतिनिधि उपायुक्त कार्यालय पहुँचे और अपर नगर आयुक्त की कार्यशैली के खिलाफ अपनी शिकायतें दर्ज कराईं। पत्रकारों से बातचीत में मेयर भोलू पासवान ने कहा कि अधिकारी और कर्मचारी अपने कार्यालयों में बैठकर क्षेत्र में जाकर जनता की समस्याओं का निरीक्षण नहीं करते और विकास कार्यों में रुचि नहीं दिखाते। उन्होंने आरोप लगाया कि अपर नगर आयुक्त मामलों को आगे बढ़ाने के बजाय टालमटोल करते हैं। मेयर ने यह भी कहा कि नगर निगम क्षेत्र में कई अहम विकास कार्य लंबित हैं और अधिकारियों के रवैये के कारण जनता को नुकसान उठाना पड़ रहा है। उपायुक्त अजय नाथ झा ने जनप्रतिनिधियों से आश्वासन दिया कि वे स्वयं नगर निगम के कार्यों की मॉनीटरिंग करेंगे और आवश्यक कदम उठाएंगे।

पार्षदों ने भी पिछले निर्णयों के अनुपालन न होने पर नाराजगी जताते हुए चेतावनी दी कि उनकी मांगों पर त्वरित कार्रवाई नहीं होने पर वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे। उपायुक्त ने जनप्रतिनिधियों से बात के बाद कहा कि चास के लिए पेयजल और सफाई सबसे महत्वपूर्ण मुद्दे हैं और वे इन दोनों मामलों की समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि बैठक स्थगित हुई है तो उसे दोबारा बुलाया जाएगा और अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के बीच मतभेद को विवाद के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए; यह व्यवस्था का हिस्सा है। डीसी ने भरोसा दिलाया कि वे दोनों पक्षों के साथ मिलकर बेहतर समन्वय स्थापित करेंगे, ताकि नगर निगम के विकास कार्यों में गति लाई जा सके और आम जनता का विश्वास बना रहे।

देशव्यापी जेल भरो आंदोलन में नेताओं ने दी गिरफ्तारी: संयुक्त किसान मोर्चा

बिभा संवाददाता

बोकारो। संयुक्त किसान मोर्चा की देशव्यापी जेल भरो आंदोलन के समर्थन में मोर्चा की घटक दल के ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के राज्य सचिव कुमुद महतो, झारखण्ड क्रांतिकारी मजदुर युनियन के डीसी गोहाई, ऐक्टू के देवदीप सिंह दिवाकर, दिलीप ओझा, एआईटीसीयू के बीडी प्रसाद,एटक के रामाश्रेय प्रसाद सिंह, एआईयूटीसी के मोहन चौधरी, आर एस शर्मा, किसान सभा के विश्वनाथ बनर्जी,सकुर अंसारी झारखण्ड ग्रामीण किसान मजदूर सभा के राजु महतो, किसान संग्राम समिति के गयाराम शर्मा, संयुक्त किसान मोर्चा के जगन्नाथ रजवार समेत सैंकड़ों किसान व मजदूर नेता व मजदूर नेताओं ने केंद्र की हठधर्मिता की सरकार ने भारत-अमेरिका के बीच मुफ्त व्यापार समझौता के खिलाफ, सभी फसलों की सी2+ 50 फिसदी के साथ एम एस पी गारंटी, किसानों की सभी कर्ज माफी, बीज विधेयक 2025 वापस, चार श्रम कोड वापस लेने, प्रीपेड स्मार्ट मीटर एवं बिजली की निजिकरण पुर्णतः रोक, विकसित भारत शिक्षा अभियान विधेयक 2025 वापस लेने जैसे कई ज्वलंत सवालों को लेकर सोमवार को चास-बोकारो मुख्य पथ की गरगा पुल को अवरुद्ध कर गिरफ्तारी दी. जिला प्रशासन गरगा पुल स्थित अमृत पार्क को केम्प जेल बनाकर गिरफ्तार आन्दोलनकारीयों को जिला प्रशासन की निगरानी में रखा तथा दिन के एक बजे आन्दोलन कारियों को रिहा किया गया। जेल भरो आंदोलन में हरिपद महतो, गोपाल चन्द्र महतो, महादेव शर्मा, जे एन सिंह, जानकी महतो, राज कुमार गोराईं, भीम रजक, नान्हु बाउरी, ज्योति लाल महतो, राजु रजवार, निमाई चन्द्र शर्मा, धुरजटी घोष, गीता शर्मा, प्रतिमा देवी, लक्ष्मी देवी मुस्लिम अंसारी, दिगम राय, हाबुलाल महतो, मनोज कुमार महतो, गणेश दशौंधी, धुमा रजवार, शक्ति बाउरी, मधु सुदन महतो, लोक नाथ सिंह, मारुती महतो, आर पी वर्मा, रामाधार सिंह, मुमताज अंसारी, रामु महतो, धनंजय शर्मा, आर आर दास आदि सैंकड़ों आन्दोलनकारी शामिल रहे।

संक्षिप्त खबरें

एमजीएम स्कूल में यूथ डिप्लोमेसी समिट में युवा राजनयिकों ने बिखेरी प्रतिभा की चमक

बोकारो(बिभा)। एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल सेक्टर चार एफ बोकारो में दो दिवसीय ईस्टर्न यूथ डिप्लोमेसी समिट का आयोजन किया गया। समिट में विभिन्न विद्यालयों के छात्र प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को कूटनीति, वाद-विवाद, वार्ता, नेतृत्व एवं वैश्विक मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त करने का समृद्ध मंच मिला। समिट में युवा राजनयिकों ने अपनी प्रतिभा की चमक बिखेरी। इससे पूर्व मुख्य अतिथि मंत्री कुमार गौरव, उपायुक्त अजय नाथ झा, विशिष्ट अतिथि बोकारो की विधायक श्वेता सिंह, डिप्टी मेयर पूजा सिंह व बजरंग दल के सह मंत्री राम कृष्ण ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अतिथियों ने इस अनूठी पहल की सराहना की और विद्यार्थियों को आत्मविश्वासी, जिम्मेदार एवं जागरूक नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। अपने संदेश में स्कूल के प्राचार्य फादर डा. जोशी वर्गीस ने विद्यार्थियों के उत्साह, समर्पण और सीखने की भावना की सराहना करते हुए उन्हें अपने अनुभवों से सीख लेने और निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। 280 छात्र प्रतिनिधियों ने विभिन्न समितियों में संरचित सत्रों, वाद-विवाद एवं वार्ता में भाग लिया। वैश्विक एवं क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा करते हुए विद्यार्थियों ने वास्तविक राजनयिक सम्मेलनों की कार्यप्रणाली का अनुभव प्राप्त किया। समिट ने विद्यार्थियों को सार्वजनिक वक्तृत्व, आलोचनात्मक चिंतन, शोध, वार्ता-कौशल और सामूहिक समस्या-समाधान जैसे महत्वपूर्ण कौशल विकसित करने का अवसर प्रदान किया। इस अवसर पर उप प्राचार्या राखी बनर्जी, प्रधानाध्यापिका सपना जोशी, कार्यक्रम प्रभारीती बिंसी मधुर, रॉबिन मलिक आदि उपस्थित थे।

डीएवी -4 में भारत की विस्मृत वीरांगनाओं को नमन, इंटर-हाउस नाटक प्रतियोगिता का आयोजन

बोकारो(बिभा)। बोकारो के डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर-4 में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सोमवार को कक्षा - से 5 के विद्यार्थियों के बीच भारत की विस्मृत वीरांगनाएँ विषय पर इंटर-हाउस स्किट प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का उद्देश्य उन महिला नायिकाओं को श्रद्धांजलि देना था जिनके साहस और बलिदान इतिहास में उचित स्थान नहीं पा सके। दयानंद हाउस ने झलकारी बाई की वीरता और समर्पण का मार्मिक चित्रण प्रस्तुत कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। बिरजानंद हाउस ने असम की कनकलता बरुआ के संघर्ष और बलिदान को जीवंत रूप में दिखाया तथा चतुर्थ स्थान पर रहा। श्रद्धानंद हाउस ने झारखंड की फूलो-झानो की शौर्यगाथा प्रभावशाली ढंग से मंचित कर प्रथम स्थान हासिल किया। विवेकानन्द हाउस की प्रस्तुति में धरमन बीबी द्वारा कुंवर सिंह की रक्षा के लिए किए गए त्याग को केंद्रित कर तीसरा स्थान मिला। निर्णायक मंडली आशा, राजेश्वरी और प्रियंका ने प्रस्तुतियों का निष्पक्ष मूल्यांकन किया। प्रतियोगिताओं की तैयारी में मार्गदर्शक शिक्षिकाओं – मिस मोनिका (श्रद्धानंद), अर्चना (दयानंद), पुनीता (विवेकानन्द) और संगीता बेहरा (बिरजानंद) का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम का संयोजन गीता कुमारी ने कुशलता से किया। प्राचार्य एस. के. मिश्रा ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि गुमनाम वीरांगनाओं की कहानियाँ नई पीढ़ी तक पहुंचाना हमारा नैतिक दायित्व है और छात्रों को इन जीवनों से प्रेरणा लें। आयोजन ने छात्रों में देशभक्ति और इतिहास के प्रति रुचि बढ़ाने का काम किया।

सेक्टर-12 मोड़ के यात्री शेड में मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, इलाके में सनसनी

बोकारो(बिभा)। सिटी थाना क्षेत्र के सेक्टर-12 मोड़ स्थित यात्री शेड में सोमवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव मिलने की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। स्थानीय लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। सूचना पाकर सिटी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस के अनुसार, मृतक की उम्र और पहचान के संबंध में फिलहाल स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है। शव की पहचान नहीं होने के कारण पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। साथ ही मृतक की पहचान सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि मृतक यहां कब और किन परिस्थितियों में पहुंचा था। सिटी थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर सुदामा कुमार दास ने बताया कि सेक्टर-12 मोड़ स्थित यात्री शेड से एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद किया गया है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि फिलहाल मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट रूप से पता चल सकेगा। पुलिस ने शव को सुरक्षित रखवाते हुए उसकी पहचान कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। आसपास के थाना क्षेत्रों को भी इसकी सूचना दी जा रही है, ताकि यदि किसी व्यक्ति के लापता होने की सूचना दर्ज हो तो उससे शव की पहचान कराई जा सके। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बीएसएल एसएमएस-2 और सीसीएस में समस्याओं का अंबार, कर्मचारियों ने जताई नाराजगी

बिभा संवाददाता

बोकारो: बीएसएल के प्रमुख विभाग एसएमएस-2 एवं सीसीएस में कार्यरत कर्मचारियों ने अपनी विभागीय बैठक के दौरान लंबित समस्याओं और आवश्यक सुधारों का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। बैठक का संचालन विभागीय प्रतिनिधि अनिरुद्ध शर्मा ने किया। इस दौरान कर्मचारियों ने स्थानीय और विभागीय परेशानियों की पूरी सूची यूनियन प्रतिनिधियों के समक्ष रखी, जिस पर यूनियन नेताओं ने जल्द ही प्रबंधन से वार्ता कर समाधान का आश्वासन दिया।

बैठक में सेल और बोकारो स्टील प्लांट स्तर के मुद्दों के साथ-साथ विभागीय परेशानियों पर गंभीर चर्चा हुई। यूनियन के अध्यक्ष दिलीप कुमार, महासचिव हरिओम और कोषाध्यक्ष राहुल सहित उपस्थित पदाधिकारियों ने कर्मचारियों द्वारा दिए गए सुझावों और शिकायतों को दर्ज किया और अब तक किए गए प्रयासों की जानकारी दी।

बैठक में उठीं मुख्य समस्याएं: कर्मचारियों ने इंसेंटिव फॉमूर्ले में संशोधन, एक्टिंग अलाउंस में सुधार, नॉन-फाइनेंशियल मोटिवेशनल स्कीम को अधिक आकर्षक बनाने और उच्च पेंशन के लिए भरे गए फॉर्म के सेकंड डिमांड अप्रूवल में हो रही देरी का मुद्दा उठाया। इसके अलावा, सेल कॉर्पोरेट कैंटीन की तर्ज पर गुणवत्तापूर्ण भोजन व दरें लागू करने, अटेंडेंस करेक्शन में भेदभाव खत्म करने, जर्जर रेस्ट रूम, जाम टॉयलेट व ड्रेनेज सिस्टम और बंद पड़े वाटर प्यूरीफायर की समस्याओं को सामने रखा गया। साथ ही जर्जर शेड से पानी टपकने, पुराने हैंगिंग जीसी सीटों से दुर्घटना की आशंका, 36 मीटर एरिया में पेयजल की कमी और मिक्सर सड़क की बदहाली पर भी गहरी चिंता जताई गई।

यूनियन ने विभागीय प्रतिनिधि त्रिवेणी सिंह ने कहा कि एसएमएस-2 और सीसीएस विभाग बीएसएल का मुख्य आधार (दिल) है, जहां कर्मचारी अनेक समस्याओं के बावजूद दिन-रात उत्पादन बढ़ाने में लगे हैं। यदि इन अहम मुद्दों को समय पर नहीं सुलझाया गया तो कर्मचारी कड़े कदम उठाने के लिए बाध्य होंगे।

यूनियन प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि इन सभी ज्वलंत समस्याओं की सूची तैयार कर ली गई है और प्राथमिकता के आधार पर सीजीएम (एसएमएस-2 व सीसीएस) के समक्ष इन्हें उठाकर शीघ्र समाधान का प्रयास किया जाएगा। वार्ता की आगामी तिथि और भावी रणनीति की घोषणा जल्द की जाएगी।

हेमंत सोरेन का 51वां जन्मदिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

बिभा संवाददाता

बोकारो। बांसगोड़ा स्थित जिला कार्यालय में बोकारो जिला समिति की ओर से झारखंड के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय हेमंत सोरेन का 51वां जन्मदिवस हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन बोकारो जिला समिति के नेतृत्व में किया गया, जिसमें पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान केक काटकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के दीघार्यु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की गई। उपस्थित कार्यकताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया तथा मुख्यमंत्री के नेतृत्व में झारखंड के विकास और जनकल्याण के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर रतन लाल मांझी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार आम जनता के हित में निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए कार्यकताओं को भी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकताओं ने मुख्यमंत्री के जन्मदिवस पर शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का समापन आपसी भाईचारे एवं उत्साह के साथ हुआ।

चास मुफस्सिल में कांवड़ यात्रा के दौरान विवाद: थाना प्रभारी घायल, आरोपी गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

चास मुफस्सिल (बोकारो)। सावन की दूसरी सोमवारी की कांवड़ यात्रा के दौरान रविवार देर रात चास मुफस्सिल थाना क्षेत्र में पुलिस और कांवड़ियों के बीच विवाद तेज हो गया, जिसमें थानाध्यक्ष प्रकाश मंडल घायल हो गए। घटना के बाद अफरा-तफरी मची रही, लेकिन पुलिस ने स्थिति नियंत्रित कर ली और मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस जानकारी के अनुसार, कांवड़ियों ने दामोदर नदी से जल भरकर चीड़का धाम में जलाभिषेक करने के लिए निकाला था। मार्ग पर डीजे वाहन और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण सड़क पर जाम लग गया। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात बहाल करने का प्रयास किया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि जाम हटाने के दौरान पुलिस और कांवड़ियों के बीच तीखी नोक-झोंक हुई, जो कुछ ही देर में धक्का-मुक्की और हाथापाई में बदल गई।

हाथापाई के दौरान चास मुफस्सिल थाना प्रभारी प्रकाश मंडल को सिर पर चोट आई। उन्हें तात्कालिक उपचार के लिए केएम मेमोरियल अस्पताल, चास में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि घटना के बाद कुछ समय के लिए इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा, लेकिन शीघ्र ही स्थिति नियंत्रित कर ली गई। कांडी संख्या एवं गिरफ्तारी: चास मुफस्सिल थाना में प्राथमिकी संख्या 90/2026 दर्ज कर आरोपी साधन कुमार महतो, पुत्र बुचन महतो, निवासी ग्राम अंधरतेलिया थाना चास मुफस्सिल जिला बोकारो को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। साथ ही घटना में प्रयुक्त डीजे वाहन को गाड़ी सहित जप्त कर लिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना की समग्र रूप से जांच की जा रही है और जांच रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने सावन माह में बड़ी संख्या में निकल रही कांवड़ यात्राओं के मद्देनजर श्रद्धालुओं से शांति और अनुशासन बनाए रखने की अपील भी दोहराई है।

जीजीएसइएसटीसी में रोटरी क्लब चास ने रोटरैक्ट क्लब को प्रदान किया चार्टर

युवा शक्ति समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में सक्षम : महेश केजरीवाल

बिभा संवाददाता

बोकारो। गुरु गोविंद सिंह टेक्निकल सोसाइटी में रोटरी क्लब चास द्वारा नवगठित रोटरैक्ट क्लब को चार्टर प्रदान किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पीडीजी रो. महेश केजरीवाल ने रोटरैक्ट क्लब के उद्देश्यों एवं क्रियाकलापों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि युवा शक्ति समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। रोटरी क्लब चास के अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल ने अपने भाषण में कहा कि रोटरैक्ट, युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करने तथा सेवा कार्यों से जुड़ने का बेहतर मंच प्रदान करता है।

इसके पहले प्रोफेसर अरुण प्रसाद बर्णवाल ने स्वागत भाषण दिया। संस्थान के निदेशक प्रियदर्शी जरूहार ने रोटरी एवं रोटरैक्ट द्वारा युवाओं को समाजसेवा से जोड़ने की पहल की सराहना की और विद्यार्थियों को सेवा एवं नेतृत्व के क्षेत्र में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

रोटरी क्लब चास के सचिव विनोद चोपड़ा ने बताया की नवगठित रोटरैक्ट क्लब में संस्थान के 60 विद्यार्थियों ने सदस्यता ग्रहण की। सभी पदाधिकारीयों को लेप्पल पीन लगाया गया। रोटरैक्ट क्लब की सहायक पल्लवी प्रसाद ने सभी नव सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि रोटरैक्ट क्लब के माध्यम से युवा समाजसेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय योगदान देंगे। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ सफीक जहिर ने किया। कार्यक्रम के दौरान रोटरी क्लब के अध्यक्ष हर्षित कीर्ति राज मंडल ,सचिव -स्नेहा कुमारी ,कोषाध्यक्ष आयुष सिंह,सहायक जिला पाल पूजा बैद, पुष्पा केजरीवाल, ललिता चोपड़ा, संजय बैद,बिनय सिंह, विजय अग्रवाल, उषा कुमार, ज्योति अग्रवाल, पूर्वी केजरीवाल एवं उपस्थित प्रोफेसरों ने नवगठित रोटरैक्ट क्लब के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

जीजीपीएस चास में विद्यार्थी परिषद का गठन एवं शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

बिभा संवाददात

बोकारो: जीजीपीएस चास में सोमवार को विद्यार्थी परिषद का गठन कर शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सीआरपीएफ की 26वीं बटालियन के सेकंड-इन-कमांड यशवीर सिंह और सचिव सुरेंद्र पाल सिंह सहित प्रबंधन समिति के गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान नवगठित विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारियों को उनकी जिम्मेदारियों का बैच प्रदान किया गया। सीनियर वर्ग में आयुष कुमार को हेड ब्वॉय, रामकृष्ण को वॉइस हेड ब्वॉय, ऋतिका को हेड गर्ल और गरिमा को वॉइस हेड गर्ल चुना गया। इसके साथ ही रोनित व याशिका को सांस्कृतिक, आरुष व अन्वी को साहित्यिक, राजेश व आरुषि को अनुशासन तथा अजय व शिवानी को क्रीड़ा कप्तान का प्रभार दिया गया।

हाउस कप्तानों में पवन सदन का प्रभार साहिल कुमार व प्रणवी कुमारी, पानी सदन का राघव रंजन व अनुप्रिया, धरती सदन का उत्तम कुमार व रिया कुमारी तथा आकाश सदन का प्रभार प्रिंस व प्राची को सौंपा गया।

जूनियर वर्ग में शौर्य कुमार सिंह को हेड ब्वॉय, आराध्या कुमारी को हेड गर्ल, कौशिक कुमार को वाइस हेड ब्वॉय और आयत फातमी को वाइस हेड गर्ल बनाया गया। इसके अलावा रियांश व लावण्या (साहित्यिक), मोहम्मद जैद अली व अर्पिता वर्द्धन (सांस्कृतिक), स्वराज व सान्वी (अनुशासन) तथा हर्षिता व आर्य को क्रीड़ा कप्तान की जिम्मेदारी दी गई।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि यशवीर सिंह ने कहा कि स्कूली जीवन में जिम्मेदारियां मिलने से बच्चे आगे चलकर एक जिम्मेदार नागरिक बनते हैं। जीजीएस अध्यक्ष तरसेम सिंह ने छात्रों को कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ने का आशीर्वाद दिया। जीजीइएस के सचिव सुरेंद्र पाल सिंह ने कहा कि इस परिषद का मुख्य उद्देश्य छात्रों में नेतृत्व क्षमता का विकास करना और विद्यार्थियों व प्रबंधन के बीच सेतु का कार्य करना है। प्राचार्या सुमन नांगिया ने विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि निरंतर सीखना और परिश्रम करना ही छात्र जीवन की असली पूंजी है।

कार्यक्रम में समग्र प्रभारी बी. मिश्रा सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे। समारोह का समापन गौतम शंकर नारायण शर्मा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

हेमन्त सोरेन के नेतृत्व मे झारखंड का चहुंओर विकास : बीके चौधरी

बिभा संवाददाता

बोकारो। सोमवार को जय झारखंड मजदूर समाज कार्यालय सेक्टर-9 मे झारखंड के युवा ,यशस्वी एवं कर्मठ मुख्यमंत्री परम आदरणीय माननीय हेमन्त सोरेन जी का 51 वां जन्मदिन के अवसर पर केक काटकर एवं एक दुसरे को मिठाई खिलाकर हर्षोल्लास के साथ जन्मदिन मनाया ।सभी उपस्थित नेताओं एवं कार्यकताओं ने उनके स्वस्थ एवं दिघार्यु होने का कामना किया ।इस अवसर पर झारखंड मुक्ति मोर्चा केन्द्रीय सदस्य सह जय झारखंड मजदूर समाज के महामंत्री बि के चौधरी ने कहा कि झारखंड के निमार्ता स्व दिशोम गुरू शिबू सोरेन के अधुरे सपने को पूरा करने के लिए लगातार आगे बढ़ रहे हैं ।जिसका नतीजा है कि झारखंड प्रदेश का चहुंओर बिकाश दिखाई दे रहा है ।जल जंगल जमीन के लिए के संरक्षण का बागडोर को मजबूती के साथ निर्वाहन के लिए परमात्मा और अधिक उजार्वान बनाये रखें । झारखंड मुक्ति मोर्चा के पूर्व बोकारो जिलाध्यक्ष हरिलाल माँझी ने कहा कि झारखंड राज्य गठन से झारखंड वासियों को जो उम्मीद एवम आकांक्षाएँ थी उस पर हेमंत सरकार निरंतर आगे बढ़ रहे हैं ' समारोह में उपस्थित झारखंड मुक्ति मोर्चा जिलाध्यक्ष डॉक्टर रतन लाल माँझी ने कहा कि झारखंड के सर्वमान्य नेता स्वर्गीय गुरुजी के मूलमंत्र को आत्मसात कर हेमंत सोरेन अपने कर्तव्य, व्यवहारिकता के कारण प्रदेश के आमजनों के दिलों पर राज करने में सफल रहे हैं।

व्यवहार न्यायालय, रामगढ़ में मुख्य प्रवेश द्वार एवं लिटिगेंट शेड का हुआ शिलान्यास, पार्किंग शेड तथा न्यायालय कक्षों में माईक-साउंड सिस्टम का उद्घाटन

न्यायालय केवल न्याय प्रदान करने का स्थान नहीं, बल्कि आम नागरिकों के विश्वास का केंद्र भी है : न्यायमूर्ति

बिभा संवाददाता

रामगढ़ः व्यवहार न्यायालय, रामगढ़ के प्रांगण में सोमवार, 10 अगस्त 2026 को न्यायमूर्ति दीपक रोशन, न्यायाधीश, झारखंड उच्च न्यायालय-सह-प्रशासनिक न्यायाधीश, रामगढ़ न्यायमंडल द्वारा विभिन्न महत्वपूर्ण न्यायिक आधारभूत संरचनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर न्यायमूर्ति दीपक रोशन द्वारा व्यवहार न्यायालय, रामगढ़ के मुख्य प्रवेश द्वार एवं लिटिगेंट शेड का शिलान्यास तथा व्यवहार न्यायालय पार्किंग शेड एवं न्यायालय कक्षों में माईक एवं साउंड सिस्टम का उद्घाटन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान न्यायमूर्ति का व्यवहार न्यायालय, रामगढ़ एवं जिला प्रशासन की ओर से पारंपरिक तरीके से भव्य स्वागत किया गया। इसके उपरांत जिला प्रशासन की ओर से न्यायमूर्ति को गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान कर सम्मानित किया गया।

न्यायमूर्ति दीपक रोशन ने कहा न्यायिक व्यवस्था में आधारभूत सुविधाओं का महत्वपूर्ण योगदान।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति दीपक रोशन ने कहा कि न्यायालय केवल न्याय प्रदान करने का स्थान नहीं, बल्कि आम नागरिकों के विश्वास का केंद्र भी है। न्यायिक प्रक्रिया को अधिक सुगम, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए न्यायालयों में बेहतर आधारभूत सुविधाओं का होना अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि व्यवहार न्यायालय, रामगढ़ में मुख्य प्रवेश द्वार, लिटिगेंट शेड, पार्किंग शेड तथा न्यायालय कक्षों में माईक एवं साउंड सिस्टम जैसी सुविधाओं का विकास न्यायालय में आने वाले अधिवक्ताओं, पक्षकारों, न्यायिक पदाधिकारियों एवं आम लोगों के लिए उपयोगी साबित होगा।

माननीय न्यायमूर्ति ने कहा कि न्यायालय में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को बेहतर एवं सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराना न्याय व्यवस्था की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। विशेषकर दूर-दराज से न्यायालय आने वाले पक्षकारों के लिए मूलभूत सुविधाओं का विस्तार आवश्यक है। उन्होंने न्यायिक अधिकारियों, जिला प्रशासन, अभियोजन एवं अधिवक्ता संघ के समन्वित प्रयासों की सराहना करते हुए न्यायिक व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में निरंतर कार्य करने की बात कही।

उन्होंने कहा कि न्यायालय की कार्यप्रणाली में आधुनिक तकनीक एवं बेहतर सुविधाओं का समावेश समय की आवश्यकता है। न्यायालय कक्षों में माईक एवं साउंड सिस्टम की सुविधा से न्यायिक कार्यवाही के दौरान स्पष्टता और सुविधा बढ़ेगी तथा न्यायालय की कार्यवाही को सुचारू रूप से संचालित करने में सहायता मिलेगी।

इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, रामगढ़ मो० तौफिकुल हसन ने कहा कि व्यवहार न्यायालय, रामगढ़ में आधारभूत संरचनाओं के विकास से न्यायालय की कार्यक्षमता और सुविधाओं में महत्वपूर्ण सुधार होगा।

उपायुक्त रामगढ़ ऋतुराज ने अपने संबोधन में कहा कि न्यायपालिका लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है और आम नागरिकों को समयबद्ध एवं सुगम न्याय उपलब्ध कराने में न्यायालय की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। व्यवहार न्यायालय, रामगढ़ में नई आधारभूत सुविधाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन न्यायिक व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, रामगढ़ मो० तौफिकुल हसन, प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय राजीव आनन्द, उपायुक्त ऋतुराज, पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुनायत, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, प्रथम विशाल श्रीवास्तव, अनील कुमार सचिव डालसा, अध्यक्ष रामगढ़ अधिवक्ता संघ आनंद अग्रवाल, एवं सचिव सीताराम सहित रामगढ़ व्यवहार न्यायालय के समस्त न्यायिक पदाधिकारी, जिला प्रशासन के अधिकारी, अभियोजन पदाधिकारी एवं अधिवक्ता संघ, रामगढ़ के सदस्यगण उपस्थित रहे।

नई सुविधाओं के शिलान्यास एवं उद्घाटन से व्यवहार न्यायालय, रामगढ़ में न्यायिक कार्यों के संचालन के साथ-साथ न्यायालय आने वाले पक्षकारों, अधिवक्ताओं एवं आम नागरिकों के लिए सुविधाजनक एवं बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है

बालूमाथ में 146 किलो गांजा बरामद, अंतर्राज्यीय तस्करी गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

लातेहार/बालूमाथ : पुलिस को मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है।पुलिस ने बालूमाथ थाना क्षेत्र के मकईयाटांड़ पुलिस पिकेट के पास वाहन जांच के दौरान एक सफेद रंग की होण्डा सिटी कार से 146 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। बरामद गांजे की अनुमानित बाजार कीमत करीब 22 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने मौके से गांजा तस्करी के आरोप में तीन युवकों को गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार तीनों आरोपी ओडिशा के झारसुगुड़ा जिले के रहने वाले हैं।पुलिस के अनुसार, लातेहार पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि चंदवा की ओर से एक सफेद रंग की होण्डा सिटी कार में गांजा लेकर तस्कर बालूमाथ के रास्ते बिहार की ओर जा रहे हैं। सूचना के आधार पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बालूमाथ उमेश प्रसाद सिंह के नेतृत्व में मकईयाटांड़ पुलिस पिकेट के समीप वाहन जांच शुरू की गई। इसी दौरान संदिग्ध होण्डा सिटी कार को रोककर तलाशी ली गई। कार से छह बोरों में रखा कुल 146 किलो गांजा बरामद हुआ।पुलिस ने कार में सवार राहुल भईसल 22, कलामुद्दीन उर्फ सोनू 22और संतोष बेहरा 33 को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि ओडिशा से गांजा लाकर बिहार में ऊंचे दाम पर बेचने का काम किया जाता था। पुलिस के मुताबिक आरोपी कई वर्षों से इस अवैध कारोबार में संलिप्त थे।गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर तस्करी में रेकी करने वाले एक बोलेरो वाहन को भी जब्त किया गया है। पुलिस ने गांजा के अलावा एक होण्डा सिटी कार, एक बोलेरो और तीन मोबाइल फोन जब्त किए हैं।कार्रवाई में एसडीपीओ उमेश प्रसाद सिंह, बालूमाथ थाना प्रभारी अनुभव सिन्हा, पुलिस अवर निरीक्षक देवेंद्र कुमार, गौतम कुमार, धीरज कुमार सिंह, मनोज कुमार एवं अभिषेक कुमार सिंह सहित थाना सशस्त्र बल शामिल रहे। पुलिस ने मामले में आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है और गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

अभिप्रेरणा से सहभागिता तकः 21वीं सदी के कक्षाकक्ष में स्व-नियंत्रित अधिगम पर मंथन

हजारीबाग(बिभा): सप्ताहव्यापी शैक्षणिक संवाद एवं ज्ञान-विनिमय व्याख्यानमाला के चौथे दिन का शुभारंभ स्वामी विवेकानन्द जी के चित्र पर श्रद्धापूर्वक पुष्पार्पण कर किया गया।कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए श्री रामकृष्ण शारदा आश्रम शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. समाप्ति कुमार पाल तथा एस.बी.एम. शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शशिकांत यादव ने ऑनलाइन माध्यम से मुख्य वक्ता का पुष्पगुच्छ अर्पित कर आत्मीय स्वागत करते हुए व्याख्यानमाला का औपचारिक शुभारंभ किया। चौथे दिन की व्याख्यानमाला कार्यक्रम के क्रम में मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता डॉ.ज्योति वर्मा , सहायक प्राध्यापिका, शिक्षा विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) बिलासपुर छत्तिसगढ़, भारत का बी.एड. सत्र 2025-27 की प्रशिक्षु छात्राओं द्वारा स्वागत-गीत प्रस्तुत कर हार्दिक अभिनंदन किया गया। सप्ताहव्यापी शैक्षणिक व्याख्यानमाला के चौथे दिन की मुख्य वक्ता का परिचय एस.बी.एम.शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्रशिक्षु छात्र योगेश कुमार ने बहुत ही शानदार और रचनात्मक तरीके से मुख्य वक्ता के विभिन्न शैक्षणिक संवंधन कार्यक्रम की सहभागिता, शैक्षणिक योगदान तथा उनकी उपलब्धियों से उपस्थित सभी आफलाइन और आनलाइन से जुड़े प्रतिभागियों से परिचित कराया।

कोडरमा में मुनिश्री के पावन सान्निध्य में भक्तिमय आयोजन

हजारीबाग/कोडरमा (बिभा): पूज्य मुनि श्री 108 सुयश सागर जी महाराज एवं मुनि श्री 108 कौशल्य सागर जी महाराज के पावन सान्निध्य में कोडरमा में भक्तिमय वातावरण में णमोकार चालीसा का पाठ हुआ। णमोकार मंत्र की पवित्र ध्वनि और गुरुदेव के मंगल आशीर्वाद से पूरा वातावरण धर्ममय एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत हो उठा। इस अवसर पर कोडरमा जैन समाज की ओर से हजारीबाग से पहुँचे भक्तगण, पाठशाला के बच्चों, शिक्षिकाओं एवं महिलाओं का आत्मीय अभिनंदन एवं हार्दिक स्वागत किया गया। जैन महिला समाज की मंत्राणी आशा विनायका, कर्मठ कार्यकर्ता सोना विनायका, मंगल कलश स्थापना कर्ता सौरभ पाटौदी एवं सन्नी विनायका तथा विजय लुहाड़िया का तिलक, माला एवं दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया गया।इस अवसर पर हजारीबाग अग्रवाल समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी रामअवतार अग्रवाल ने भी पूज्य मुनिश्री के चरणों में श्रीफल अर्पित कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया।

होमगार्ड बहाली के नाम पर ठगी करने वालों से सावधान रहने की अपील:जिला प्रशासन

हजारीबाग(बिभा): जिला प्रशासन के संज्ञान में ऐसे कुछ मामले आए हैं, जिनमें कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा अभ्यर्थियों से पैसे लेकर होमगार्ड बहाली कराने का झांसा दिए जाने की सूचना प्राप्त हुई है। ऐसे लोग अभ्यर्थियों को नौकरी दिलाने का प्रलोभन देकर अवैध रूप से धन की मांग कर रहे हैं। जिला प्रशासन ने इस संबंध में सभी अभ्यर्थियों एवं आम नागरिकों को सतर्क एवं सावधान रहने की अपील की है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बहाली प्रक्रिया में किसी भी प्रकार के अनुचित प्रभाव, पैसे के लेन-देन अथवा दलाल की कोई भूमिका नहीं है। अभ्यर्थी किसी भी व्यक्ति के झांसे में आकर पैसे का भुगतान न करें। जिला प्रशासन ने आमजनों से अपील की है कि यदि कोई व्यक्ति होमगार्ड बहाली कराने के नाम पर पैसे की मांग करता है या किसी प्रकार का प्रलोभन देता है, तो इसकी सूचना तत्काल जिला प्रशासन अथवा निकटतम थाना अथवा जिला नियंत्रण कक्ष दूरभाष नंबर 80025 29349 को दें। ऐसी शिकायतों को गंभीरता से लिया जाएगा। जिला प्रशासन ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि होमगार्ड बहाली के नाम पर अवैध रूप से धन की मांग करने, अभ्यर्थियों को ठगने अथवा बहाली प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कठोरतम कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अभ्यर्थियों से अपील है कि वे केवल आधिकारिक सूचना एवं निर्धारित प्रक्रिया पर ही भरोसा करें तथा किसी भी प्रकार की अफवाह या बिचौलियों के बहकावे में न आएं।

बच्चों को दी जाने वाली पोशाक, छात्रवृत्ति और मध्याह्न भोजन का लाभ सुनिश्चित करेंः उपायुक्त

बिभा संवाददाता

लातेहारः उपायुक्त संदीप कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में उपायुक्त ने विद्यालयों की शैक्षणिक व्यवस्था, विद्यार्थियों व शिक्षकों की उपस्थिति, विभिन्न ऑनलाइन पोर्टल पर आंकड़ों की प्रविष्टि, और विद्यार्थियों के बैंक खाते व आधार की स्थिति सहित शिक्षा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की।

समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने सभी पात्र विद्यार्थियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पुस्तकों का वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने आधार प्रविष्टि एवं एमबीयू एंट्री में सुधार करते हुए लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने को कहा। इसके साथ ही प्रोफाइल व फैसिलिटी डीसीएफ स्टेटस को शत-प्रतिशत पूरा करने, विद्यार्थियों के बैंक अकाउंट व आधार स्टेटस को अद्यतन रखने तथा लंबित बैंक खातों और आधार से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने का निर्देश दिया।

शिक्षकों की दैनिक उपस्थिति की नियमित निगरानी पर जोर देते हुए उपायुक्त ने सभी शिक्षकों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विद्यार्थियों की उपस्थिति बढ़ाने के उद्देश्य से उन्होंने अभिभावकों को जागरूक करने और आवश्यक कदम उठाने की बात कही। बैठक में बीआरपी-सीआरपी द्वारा विद्यालयों के निरीक्षण, स्टूडेंट रेल एग्जाम, विद्यालयवार स्प्लिट सिलेबस एवं मार्किंग से जुड़े कार्यों की भी समीक्षा की गई और अधिकारियों को सभी कार्य समय पर गुणवत्ता के साथ पूरे करने का आदेश दिया गया।

मध्याह्न भोजन (पीएम पोषण योजना) की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने विद्यार्थियों को निर्धारित मानकों के अनुसार पौष्टिक और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने मेनू के अनुसार अंडा और फल का नियमित वितरण सुनिश्चित करने तथा विद्यालय स्तर पर पोषण वाटिका की स्थापना को बढ़ावा देने पर बल दिया। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि शिक्षा विभाग की योजनाओं का मूल उद्देश्य बच्चों को बेहतर शिक्षा के साथ-साथ पोषण संबंधी सुविधाएं प्रदान करना है, जिसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को नियमित क्षेत्र भ्रमण और निरीक्षण कर समस्याओं का त्वरित समाधान करने को कहा।

इस समीक्षा बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी गौतम कुमार साहू, जिला शिक्षा अधीक्षक ऋषिकेश, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. चंदन, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी (बीईओ), प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी (बीपीओ) सहित शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन के कई संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

मनिका में सड़क हादसे में 25 वर्षीय युवक की मौत, एक माह के बेटे के सिर से उठा पिता का साया

बिभा संवाददाता

लातेहार। मनिका थाना क्षेत्र के दुहमुहान के पास रविवार देर रात हुई सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान बैंदी पंचायत के तुपू कला गांव निवासी 25 वर्षीय निरदेव सिंह, पिता राजेश्वर सिंह के रूप में हुई है।जानकारी के अनुसार, दुर्घटना में निरदेव सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें देर रात इलाज के लिए लातेहार सदर अस्पताल लाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी।बताया गया कि मृतक के घर में अभी एक माह पहले ही बेटे का जन्म हुआ था। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। अस्पताल परिसर में परिजनों और ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, निरदेव सिंह परिवार के प्रमुख सहारा थे।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई, इसकी जांच की जा रही है। घटना के बाद तुपू कला गांव में शोक का माहौल है। परिजनों ने प्रशासन से उचित सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

छात्रों की आवाज को लाठी से नहीं, न्याय और निष्पक्ष जांच से दबाया जाएः आदर्श रवि राज

बिभा संवाददाता

लातेहार/चंदवाः रांची में जेपीएससी और जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ 17 दिनों से आंदोलन कर रहे छात्रों पर विधानसभा घेराव के दौरान हुए लाठीचार्ज की भाजपा नेता आदर्श रवि राज ने कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने इसे सरकार का दमनकारी रवैया करार देते हुए कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांग रख रहे युवाओं पर पुलिस की लाठियां चलना पूरे झारखंड के लिए शर्मनाक है।

आदर्श रवि राज ने कहा कि जिस युवा के हाथ में किताब और कलम होनी चाहिए, उन पर बर्बरतापूर्वक लाठियां बरसाई जा रही हैं। उन्होंने छात्रों की सीबीआई जांच की मांग को पूरी तरह जायज ठहराते हुए सवाल उठाया कि यदि सरकार निष्पक्ष है, तो वह केंद्रीय एजेंसी से जांच कराने से क्यों डर रही है? उन्होंने स्पष्ट किया कि यह किसी राजनीतिक दल का नहीं बल्कि युवाओं का आंदोलन है। सरकार को हठधर्मिता छोड़कर छात्रों से संवाद करना चाहिए और उनकी मांगों पर विचार कर न्याय सुनिश्चित करना चाहिए।

खाद्य सुरक्षा टीम ने झंडा चौक स्थित विभिन्न प्रतिष्ठानों का किया औचक निरीक्षण, लगभग 25 किलो बासी एवं फफूंद लगी मिठाई मौके पर नष्ट

बिभा संवाददाता

हजारीबागः उपायुक्त हेमन्त सती एवं अभिहित अधिकारी-सह-अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, हजारीबाग डॉ. शशि जायसवाल के निदेर्शानुसार आज दिनांक 10 अगस्त 2026 को खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, हजारीबाग-1 मो. मंजर हुसैन के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा झंडा चौक स्थित विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के क्रम में जलपान मिष्ठान भंडार, शारदा मिष्ठान भंडार, सिलाव खाजा दुकान, बबुआ मिष्ठान भंडार, गणपति भोजनालय, शदानन्द मिष्ठान भंडार एवं टीओलोजी रेस्टोरेन्ट का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान जलपान मिष्ठान भंडार, शारदा मिष्ठान भंडार एवं सिलाव खाजा दुकान में लगभग 25 किलोग्राम बासी एवं फफूंद लगी मिठाई पाई गई। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी द्वारा उक्त मिठाइयों को मौके पर ही नष्ट कराया गया।

खाद्य सुरक्षा टीम ने संबंधित प्रतिष्ठानों को निर्देश दिया कि 14 दिनों के अंदर किचन, मिठाई रखने के स्थान तथा दीवारों पर जमी काई एवं मकड़ी के जालों की समुचित सफाई सुनिश्चित करें। साथ ही खाद्य परिसर में प्रभावी कीट नियंत्रण की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि खाद्य प्रतिष्ठानों में स्वच्छता एवं खाद्य सुरक्षा मानकों का अनुपालन अनिवार्य है। दिए गए निर्देशों का अनुपालन नहीं करने की स्थिति में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत विधि-सम्मत अग्रतर कार्रवाई की जाएगी।

औचक निरीक्षण अभियान में श्री अम्ब्रीस पाण्डे, खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, हजारीबाग-2; सुश्री श्वेता त्रिपाठी, खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, हजारीबाग-4; श्री विकास शर्मा, श्री सूरज कुमार एवं श्री धनेश्वर प्रसाद कुशवाहा सहित खाद्य सुरक्षा टीम के अन्य सदस्य शामिल थे।

जिला प्रशासन द्वारा जिले के सभी खाद्य कारोबारियों से अपील की गई है कि वे खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं खाद्य सुरक्षा मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करें तथा उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराएं।

लातेहार में मासिक अपराध गोष्ठी, एसपी ने अपराध नियंत्रण और लंबित कांडों के त्वरित निष्पादन को लेकर दिए निर्देश

बिभा संवाददाता

लातेहार। पुलिस अधीक्षक, लातेहार के द्वारा सोमवार, 10 अगस्त 2026 को मासिक अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया। बैठक में बीते माह जिले में घटित सभी महत्वपूर्ण अपराधों की समीक्षा की गई। साथ ही लंबित कांडों के निष्पादन, अपराध नियंत्रण तथा विभिन्न पुलिस कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा हुई।गोष्ठी के दौरान लंबित पासपोर्ट एवं चरित्र सत्यापन, िऊअफ एंट्री, मालखाना प्रभार तथा उएक्क्रपोर्टल के उपयोग की स्थिति की समीक्षा की गई। गुम हुए मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए किए जा रहे प्रयासों की भी जानकारी ली गई।इसके अलावा पिछले माह के हत्या, लूट, बलात्कार, पॉक्सो एवं यूडी कांडों में गिरफ्तारी और मामलों के उद्भेदन को लेकर पुलिस पदाधिकारियों द्वारा किए गए प्रयासों की गहन समीक्षा की गई। पिछले एक वर्ष से फरार अपराधियों की दागी पंजी तथा गृहभेदन के मामलों पर भी विस्तृत चर्चा की गई। पुलिस अधीक्षक ने संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन, फरार आरोपियों की गिरफ्तारी और अपराध नियंत्रण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।मासिक अपराध गोष्ठी में जिले के सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, अंचल निरीक्षक, थाना प्रभारी एवं विभिन्न शाखाओं के प्रभारी मौजूद रहे।

बीएफसीएल द्वारा प्रोत्साहित निशानेबाज सोनू प्रताप सिंह ने झारखंड राज्य शूटिंग चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण और रजत पदक

बिभा संवाददाता

रामगढ़ः बीएफसीएल द्वारा प्रोत्साहित निशानेबाज सोनू प्रताप सिंह ने 16वीं झारखंड राज्य शूटिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल में स्वर्ण पदक और 10 मीटर एयर पिस्टल में रजत पदक हासिल किया। 29 से 31 जुलाई 26 तक आयोजित इस प्रतियोगिता में सोनू ने अपने उत्कृष्ट निशानेबाजी कौशल, एकाग्रता और खेल भावना का प्रदर्शन करते हुए दो पदक अपने नाम किए। सोनू की यह उपलब्धि झारखंड में उभरती खेल प्रतिभाओं की क्षमता को दशार्ती है। उनकी सफलता में बीएफसीएल का भी योगदान है, जिसके माध्यम से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आवश्यक सहयोग और अवसर प्रदान कर उन्हें उच्चस्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

बीएफसीएल ने सोनू प्रताप सिंह को उनकी शानदार उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल खेल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। सोनू प्रताप सिंह ने भी कंपनी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समय सहायता नहीं मिलती तो शायद यह उपलब्धि सपना भर रह जाता।

अफसरों जिम्मेदार ठहराने से होगा समस्याओं का समाधान

योगेन्द्र योगी

संशोधित केंद्रीय पेपर लीक कानून में अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने पर कम से कम 5 वर्ष और अधिकतम 10 वर्ष तक की सजा होगी। अधिकतम जुमार्ना 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये कर दिया गया है। संगठित अपराधों में 7 से 10 वर्ष तक की सजा और 10 करोड़ रुपये तक जुमार्ने का प्रावधान किया गया है।

देश की सरकारों के पास हर समस्या का एक लाइलाज रामबाण इलाज यह है कि किसी समस्या की गहराई के उपचार के बजाए कानून बना दिया जाए। सरकारें हर समस्या का इलाज व्यवहारिक धरातल पर नहीं बल्कि कानून में ढूंढने की आदी हो चुकी हैं। देश में हर क्षेत्र में एक के बाद एक नए कानून बनाए जा रहे हैं, किन्तु समस्याएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। जितने भी नए कानून बनाए जा रहे हैं, या पुराने कानूनों मे संशोधन किया जा रहा, उसका सारा भार देश के आम लोगों पर ही डाला जा रहा है। इन कूननों में कहीं लापरवाही बरतने या अनदेखी के लिए देश के आला अफसर जिम्मेदार नहीं हैं। आजादी से लेकर आज तक ऐसा कोई कानून केंद्र या किसी राज्य ने नहीं बनाया है कि यदि कोई घटना–दुर्घटना या कांड होगा तो उसके लिए सीधे अफसर भी जिम्मेदार माने जाएंगे।

संशोधित केंद्रीय पेपर लीक कानून में अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने पर कम से कम 5 वर्ष और अधिकतम 10 वर्ष तक की सजा होगी। अधिकतम जुमार्ना 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये कर दिया गया है। संगठित अपराधों में 7 से 10 वर्ष तक की सजा और 10 करोड़ रुपये तक जुमार्ने का प्रावधान किया गया है। पेपर लीक का नया केंद्रीय कानून बनाने के बावजूद झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) परीक्षा में पेपर लीक और अनियमितताएं हुईं। इस मामले में अब तक 11 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है और जेपीएससी के चेयरमैन एल. खियांगटे ने इस्तीफा भी दे दिया। केंद्र सरकार के बनाए पेपर लीक परीक्षा कानून देश में एक अगस्त से अस्तित्व मे आ चुका है। इसके बावजूद देश में भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक मामले थम नहीं रहे हैं।

राजस्थान में अप्रैल 2022 में एंटी पेपर लीक एक्ट लागू किया गया। गुजरात में मार्च 2023 से सख्त नकल और पेपर लीक विरोधी कानून लागू। उत्तराखंड में वर्ष 2023 में प्रतियोगी परीक्षा अध्यादेश/कानून लागू किया गया। झारखंड में वर्ष 2023 में अनुचित साधनों की रोकथाम के लिए अधिनियम बनाया गया। हरियाणा में सितंबर 2021 से प्रभावी कानून लागू है। इसी तरह असम, हिमाचल प्रदेश,

महाराष्ट्र, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और आंध्र प्रदेश आदि राज्यों में भी अलग-अलग वर्षों में इससे जुड़े कड़े कानूनी प्रावधान या अधिनियम बनाए जा चुके हैं। केंद्र और इतने राज्यों में पेपर लीक कानून के बाद भी पेपर लीक की घटनाएं थम नहीं रही है।

पेपर लीक की तरह देश में बलात्कार के मामलों में बेहद कठोर कानून बनाए गए थे। बलात्कार और इसके साथ हत्या के मामलों में फांसी तक का प्रावधान किया गया है। 2012 में दिल्ली में एक छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार और हत्या के दोषी चार भारतीय पुरुषों को फांसी दे दी गई थी। निर्भया बलात्कार हत्याकांड से लोगों में आक्रोश फैल गया था और भारत में बलात्कार विरोधी नए कानून बनाए गए। आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2018 के तहत 12 साल से कम उम्र की बच्चियों के बलात्कार में मृत्युदंड का प्रावधान किया गया। गैंग रेप में न्यूनतम सजा 20 साल से आजीवन की गई।

इतने कठोर कानून के लागू होने के बावजूद देश में बलात्कार–हत्या के मामले बढ़ते चले गए। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के मुताबिक देश के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में साल 2023 में 31,982 महिलाओं के साथ बलात्कार के मामले दर्ज हुए। इससे जाहिर है कि नए कठोर कानूनों का अपराधियों को कोई भय नहीं है। ये कानून महज कागज का पुलिन्दा साबित हो रहे हैं। यही भ्रष्टाचार का भी हाल है। देश में भ्रष्टाचार रोकने के लिए कठोर कानून बने हुए हैं, इसके बावजूद देश से भ्रष्टाचार खत्म होना तो दूर बल्कि कम तक नहीं हो सका। आए दिन कहीं न कहीं भ्रष्टाचार की खबरें आती रहती हैं। भ्रष्टाचार खत्म नहीं करने के लिए कभी किसी अफसर को जिम्मेदार नहीं माना गया। बेशक उनके विभाग का ही कोई भ्रष्टाचारी क्यों न पकड़ा जाए।

आज तक जितने भी कानून बनाए गए हैं, उसमें अफसरों की जिम्मेदारी कहीं भी तय नहीं की गई। मसलन सड़क पर गडढा होने से यदि कोई सड़क दुर्घटना होती है या फिर बगैर अग्नि सुरक्षा उपायों के संचालित किसी व्यवसायिक भवन में अग्नि दुर्घटना होती है तो इसके निगरानी करने वाले अफसर जिम्मेदार ठहराए जाएंगे, ऐसा कोई कानून नहीं बना है। यही प्रमुख वजह है कि चाहे पेपर लीक हों या किसी तरह का बड़ा हादसा, कानूनों को सख्त कर दिया जाता है, किन्तु जिम्मेदार अधिकारियों की जिम्मेदारी तय नहीं की जाती।

इसका बड़ा उदाहरण मेलों, धार्मिक स्थलों पर होने वाले आयोजनों में भगदड़ के दौरान होने वाली मौतें हैं। ऐसा शायद ही कोई साल जाता होगा, जब ऐसे हादसे नहीं होते होंगे। ऐसे हादसों में अब तक देश भर में हजारों लोगों की मौत हो चुकी है। इसके बावजूद अफसरों की ज्मिमेदारी तय नहीं की गई। ऐसा कोई कानून नहीं बनाया गया कि ऐसे आयोजनों में हादसों के लिए सीधे अफसर जिम्मेदार ठहराएं जाएंगे, उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलेगा और उन्हे जेल की सजा भुगतनी पड़ेगी।

अफसरों की लापरवाही से हुए हादसों और इससे बच निकलने का बड़ा उदाहरण राजस्थान का है। जहां दो साल पहले स्कूल की छत्त गिरने से 10 से ज्यादा बच्चों की मौत हो गई, इसके बाद भी स्कूल की छत्त गिरने या दीवार गिरने के हादसे होते रहे, किन्तु एक भी अफसर को आपराधिक आरोपी नहीं माना गया। किसी पर एफआईआर दर्ज नहीं हुई। पुलिस ने आईएएस अफसर तो दूर बल्कि शिक्षा विभाग के किसी अफसर के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की। राजस्थान सहित देश के लाखों सरकारी स्कूलों की इमारतों की हालत खस्ता है। सरकारों के पास इतना बजट ही नहीं है कि इतना रखरखाव किया जा सके।

यह निश्चित है कि चुनी हुई सरकारें लंबे अर्से तक देश के लोगों की आंखों में धूल नहीं झोंक सकती, उन्हें कानून बनाने के साथ ही धरातल पर समस्याओं का समाधान ढूंढना होगा। देश में बुनियादी सुविधाओं की पहुंच आम नागरिकों तक बढ़ानी होगी। इसकी कमी से हर साल बिजली, पानी, सड़क, स्कूल, अस्पताल के अभाव जैसे मुद्दों पर धरने, प्रदर्शन, आंदोलन होते हैं, किन्तु इनका स्थायी समाधान नहीं होता। सरकारों की हालत 'खेत खाए गदहा और मार खाए जुलहा' जैसी है। जब तक सरकारें और जिम्मेदार अफसर अपनी जिम्मेदारी से भागते रहेंगे। ऐसी समस्याओं का समाधान नहीं होगा, बेशक कितने भी नए कानून बन जाएं।

संपादकीय

बचाएं बचपन

बच्चों पर सोशल मीडिया की स्वच्छंदता से पड़ने वाले घातक प्रभावों को लेकर भारतीय अभिभावक, शिक्षक व समाजविज्ञानी लंबे अरसे से गंभीर चिंता जताते रहे हैं। यह प्रभाव कितना भयावह व घातक है, ये बात पश्चिमी देशों की सरकारों, समाज व अदालतों को अब समझ में आई है। बच्चे समय से पहले परिपक्व हो रहे हैं। किशोरों की यौन हिंसा और वयस्कों जैसे अपराधों में संलिप्तता, इसके घातक प्रभावों की बानगी है। सोशल मीडिया पर बच्चों की नजर से ऐसे वीडियो गुजरते हैं, जिसमें स्वच्छंद यौन व्यवहार होता है। कुछ लोग व कंपनियां मुनाफे के लिए ऐसे वीडियो अपलोड कर रहे हैं, जो भारतीय संस्कृति में पवित्र माने जाने वाले पारिवारिक रिश्तों, गुरु-शिष्य संबंधों और डॉक्टर मरीज के रिश्तों के वर्जित क्षेत्रों का अतिक्रमण करते नजर आते हैं। अंदाजा लगाना कठिन नहीं है कि कोरी स्लेट जैसे बालमन पर इसका कितना घातक असर पड़ता होगा? उसे पवित्र रिश्तों की दरकन और यौन-स्वच्छंद तथा गंभीर अपराध आम नजर आने लगते हैं। अमेरिका तथा कुछ अन्य विकसित देशों के स्कूलों में दना-दन गोलियां चलाते बच्चे इंटरनेट पर प्रसारित घातक सामग्री देखने से उपजी सनक की ही देन है। निस्संदेह, बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा हेतु डिजिटल दुनिया को साफ-सुथरा रखने की जरूरत है। यही वजह है कि एक अमेरिकी अदालत ने फेसबुक और इंस्टाग्राम की मातृ संस्था मेटा पर 5,390 करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाया है। जुमार्ना ज्यादा नहीं है क्योंकि पिछले साल कंपनी ने साठ अरब डॉलर का मुनाफा कमाया।

दरअसल, मेटा पर जुमार्ना लगाने से अधिक महत्वपूर्ण यह है कि अदालत ने कंपनी को बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिये अपने प्लेटफॉर्म में बदलाव करने को कहा है। दरअसल, न्यू मेक्सिको की अदालत ने स्वीकारा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के लिये घातक हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के कई राज्यों में सोशल मीडिया कंपनियों के खिलाफ मुकदमें चल रहे हैं। फ्रांस व आस्ट्रेलिया में सोशल मीडिया पर सक्रियता को लेकर बच्चों की उम्र की सीमा तय की गई है। हकीकत यह है कि कंपनी ने ये प्लेटफॉर्म अपने मुनाफे के लिये इस तरह तैयार किए हैं ताकि बच्चों को इसकी लत लग जाए। पिछले दिनों भारत सरकार ने मेटा के अधिकारियों को बुलाकर विरोध जताया था कि उसके एक प्लेटफॉर्म पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़े विज्ञापन भारी मुनाफा कमाकर प्रसारित किए गए। अमेरिकी अदालत ने भी माना है कि मेटा के प्लेटफॉर्म बच्चों को यौन शोषण से बचाने में विफल रहे हैं। यही वजह कि कोर्ट ने लगाए गए जुमार्ने की राशि का एक भाग ऐसे पीड़ितों को मुआवजे के तौर पर देने के आदेश दिए हैं। समय आ गया है कि सोशल मीडिया कंपनियों को सामाजिक जवाबदेही के लिये बाध्य किया जाए। लेकिन यह नहीं हो कि अमेरिका के बच्चों के लिये अलग कानून और विकासशील व गरीब मुल्कों के बच्चों के लिये अलग कानून हो। हमारी सरकारों को भी इन सोशल मीडिया प्लेटफामों पर गैर-कानूनी सामग्री प्रसारित करने के खिलाफ सख्त रवैया अपनाना होगा।

चिंतन-मनन

उपयोगी हल

एक बार की बात है एक राजा था। उसका एक बड़ा-सा राज्य था।एक दिन उसे देश घूमने का विचार आया और उसने देश भ्रमण की योजना बनाई और घूमने निकल पड़ा। जब वह यात्रा से लौट कर अपने महल आया। उसने अपने मंत्रियों से पैरों में दर्द होने की शिकायत की। राजा का कहना था कि मार्ग में जो कंकड़ पत्थर थे वे मेरे पैरों में चुभ गए और इसके लिए कुछ इंतजाम करना चाहिए। कुछ देर विचार करने के बाद उसने अपने सैनिकों व मंत्रियों को आदेश दिया कि देश की संपूर्ण सड़कें चमड़े से ढंक दी जाएं। राजा का ऐसा आदेश सुनकर सब सकते में आ गए। लेकिन किसी ने भी मना करने की हिम्मत नहीं दिखाई। यह तो निश्चित ही था कि इस काम के लिए बहुत सारे रुपए की जरूरत थी। लेकिन फिर भी किसी ने कुछ नहीं कहा। कुछ देर बाद राजा के एक बुद्धिमान मंत्री ने एक युक्ति निकाली।

उसने राजा के पास जाकर डरते हुए कहा कि मैं आपको एक सुझाव देना चाहता हूँ। अगर आप इतने रुपयों को अनावश्यक रूप से बर्बाद न करना चाहें तो एक अच्छी तरकीब मेरे पास है। जिससे आपका काम भी हो जाएगा और अनावश्यक रुपयों की बबार्दी भी बच जाएगी। राजा आश्चर्यचकित था क्योंकि पहली बार किसी ने उसकी आज्ञा न मानने की बात कही थी। उसने कहा बताओ क्या सुझाव है। मंत्री ने कहा कि पूरे देश की सड़कों को चमड़े से ढंकने के बजाय आप चमड़े के एक टुकड़े का उपयोग कर अपने पैरों को ही क्यों नहीं ढंक लेते। राजा ने अचरज की दृष्टि से मंत्री को देखा और उसके सुझाव को मानते हुए अपने लिए जूता बनवाने का आदेश दे दिया। यह कहानी हमें एक महत्वपूर्ण पाठ सिखाती है कि हमेशा ऐसे हल के बारे में सोचना चाहिए जो ज्यादा उपयोगी हो। जल्दबाजी में अप्रायोगिक हल सोचना बुद्धिमानी नहीं है। दूसरों के साथ बातचीत से भी अच्छे हल निकाले जा सकते हैं।

युवा शक्ति को प्रतिभा, सेवा और नेतृत्व का अवसर देकर ही सशक्त समाज और विकसित राष्ट्र का निर्माण संभव

कांतिलाल मांडोत

युवा किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति, सबसे मूल्यवान संपत्ति और भविष्य के निमार्ता होते हैं। उनमें जोश, उत्साह, ऊर्जा, नवीन सोच और चुनौतियों का सामना करने का अद्भुत साहस होता है। यही कारण है कि इतिहास गवाह है कि जब-जब युवाओं ने सही दिशा में कदम बढ़ाए हैं, तब-तब समाज में परिवर्तन आया है, नई क्रांतियों का जन्म हुआ है और राष्ट्र ने विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। युवा केवल वर्तमान की आवश्यकता नहीं, बल्कि भविष्य की सबसे बड़ी आशा हैं। इसलिए समाज का यह नैतिक दायित्व है कि वह युवा शक्ति को उनकी प्रतिभा दिखाने, समाज सेवा करने और नेतृत्व करने के पर्याप्त अवसर प्रदान करे।

किसी भी समाज या देश की प्रगति युवाओं की सक्रिय भागीदारी के बिना संभव नहीं है। यदि युवा वर्ग को केवल दर्शक बनाकर रखा जाएगा और निर्णय लेने की प्रक्रिया से दूर रखा जाएगा, तो समाज अपनी सबसे बड़ी शक्ति से वंचित रह जाएगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि अनुभवी और वरिष्ठ लोग युवाओं का हाथ पकड़कर उन्हें आगे बढ़ने का अवसर दें। यदि उनसे कोई भूल हो जाए तो उन्हें अपमानित करने या हतोत्साहित करने के बजाय प्रेमपूर्वक समझाया जाए, उनका आत्मविश्वास बढ़ाया जाए और उन्हें दोबारा बेहतर करने की प्रेरणा दी जाए। आखिर अनुभव भी गलतियों से ही प्राप्त होता है।

आज समाज में नेतृत्व की होड़, पद की लालसा और व्यक्तिगत स्वार्थ ने सेवा की भावना को काफी हद तक पीछे छोड़ दिया है। जबकि वास्तविक नेतृत्व वही है जिसमें त्याग, समर्पण, सेवा और राष्ट्रहित सर्वोपरि हो। यदि युवाओं के भीतर इन मूल्यों का विकास किया जाए तो वे केवल अपने परिवार का ही नहीं, बल्कि पूरे समाज और देश का गौरव बन सकते हैं। उन्हें यह विश्वास दिलाना होगा कि सफलता केवल पद प्राप्त करने में नहीं, बल्कि समाज के लिए उपयोगी बनने में है।

वर्तमान समय की सबसे बड़ी चुनौतियों में एक है युवाओं का नशे और दिखावटी जीवनशैली की ओर बढ़ता आकर्षण। शराब, तंबाकू, नशीले पदार्थ और अन्य व्यसनों ने अनेक युवाओं का भविष्य अंधकारमय बना दिया है। यह केवल एक व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और आने वाली पीढ़ियों को प्रभावित करता है। नशे की लत से आर्थिक स्थिति बिगड़ती है, पारिवारिक संबंध टूटते हैं, स्वास्थ्य नष्ट होता है और समाज में अपराध भी बढ़ते हैं। इसलिए अभिभावकों, शिक्षकों, समाजसेवियों और धार्मिक संस्थाओं की यह जिम्मेदारी है कि वे युवाओं को इन बुराइयों से दूर रखें और उन्हें सकारात्मक दिशा प्रदान करें।

आज फैशन और पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण ने भी अनेक युवाओं को अपनी संस्कृति, संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारियों से दूर कर दिया है। आधुनिकता का अर्थ अपनी जड़ों से कट जाना नहीं है। विज्ञान, तकनीक और आधुनिक शिक्षा को अपनाना आवश्यक है, लेकिन अपनी संस्कृति, नैतिक मूल्यों और राष्ट्रीय स्वाभिमान को भूल जाना किसी भी समाज के लिए उचित नहीं हो सकता। युवाओं को यह समझाना होगा कि भारतीय संस्कृति में मानवता, सेवा, सहिष्णुता और नैतिकता का जो संदेश है, वही उन्हें सच्चे अर्थों में महान बनाता है।

राष्ट्र संतों और महान विचारकों ने हमेशा युवाओं को राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी बताया है। उनका मानना था कि यदि युवाओं पर विश्वास किया जाए, उन्हें प्रेम दिया जाए और उनकी क्षमता को पहचानकर अवसर प्रदान किए जाएं, तो वे असंभव कार्यों को भी संभव बना सकते हैं। इसलिए धार्मिक, सामाजिक, शैक्षणिक और राजनीतिक क्षेत्रों में युवाओं की भागीदारी बढ़ाना समय की आवश्यकता है। यदि उन्हें निर्णय लेने और नेतृत्व करने के अवसर नहीं मिलेंगे, तो उनकी ऊर्जा भटक सकती है। तब उसकी जिम्मेदारी केवल युवाओं की नहीं, बल्कि पूरे समाज की होगी जिसने उन्हें सही मंच उपलब्ध नहीं कराया।

आज देश के विभिन्न हिस्सों में अनेक युवा अपनी समस्याओं को लेकर आंदोलन और विरोध-प्रदर्शन करते दिखाई देते हैं। दिल्ली सहित कई शहरों में युवाओं के आंदोलन यह संकेत देते हैं कि वे अपनी बात रखना चाहते हैं और समाज में सकारात्मक बदलाव की अपेक्षा रखते हैं। यदि उनकी समस्याओं को समय रहते सुना जाए और संवाद के माध्यम से समाधान निकाला जाए, तो यही युवा राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी ताकत बन सकते हैं। दूसरी ओर यदि उनकी उपेक्षा की जाएगी, तो उनमें निराशा और असंतोष बढ़ सकता है।

युवाओं के चरित्र निर्माण में परिवार की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। माता-पिता केवल शिक्षा दिलाकर अपने दायित्व से मुक्त नहीं हो सकते। उन्हें बच्चों को अच्छे संस्कार, अनुशासन, नैतिकता, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्रप्रेम की भावना भी देनी होगी। जिस परिवार में संवाद, विश्वास और प्रेम का वातावरण होता है, वहां के युवा सामान्यतः सही दिशा में आगे बढ़ते हैं। विद्यालय, महाविद्यालय और समाज भी इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण सहयोगी बन सकते हैं।

आज का युवा डिजिटल युग का युवा है। उसके पास असीमित जानकारी और अवसर उपलब्ध हैं। यदि उसकी प्रतिभा को सही दिशा मिले तो वह विज्ञान, तकनीक, कृषि, उद्योग, खेल, साहित्य, कला, सामाजिक सेवा और उद्यमिता जैसे हर क्षेत्र में देश का नाम रोशन कर सकता है। भारत विश्व का सबसे युवा देश माना जाता है और यह जनसांख्यिकीय शक्ति तभी राष्ट्रीय संपदा बनेगी जब युवाओं को रोजगार, कौशल, शिक्षा और नेतृत्व के पर्याप्त अवसर मिलेंगे। समाज को चाहिए कि वह युवाओं को केवल भविष्य का नागरिक न माने, बल्कि वर्तमान का सक्रिय सहभागी बनाए। उन्हें निर्णय लेने का अधिकार, समाज सेवा का अवसर और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच दिया जाए। उनके विचारों को सम्मान मिले, उनकी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा मिले और उनके सपनों को उड़ान देने का वातावरण तैयार किया जाए। जब अनुभवी लोगों का मार्गदर्शन और युवाओं की ऊर्जा एक साथ जुड़ेगी, तभी एक मजबूत, समृद्ध और संस्कारित भारत का निर्माण संभव होगा।

युवा देश की धड़कन हैं। उनका उत्साह, परिश्रम, प्रतिभा और संकल्प ही राष्ट्र की वास्तविक शक्ति है। यदि समाज उन्हें विश्वास, अवसर और सही मार्गदर्शन देगा तो वे विकास, नवाचार, सेवा और राष्ट्र निर्माण की नई गाथा लिखेंगे। इसलिए समय की सबसे बड़ी आवश्यकता यही है कि युवा शक्ति को सम्मान दिया जाए, उनकी प्रतिभा को पहचानकर अवसर प्रदान किए जाएं और उन्हें राष्ट्र निर्माण का अग्रदूत बनाया जाए। यही एक सशक्त समाज, समृद्ध राष्ट्र और उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव है।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार-स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अमंगल हारी, करुणामयी शिवशक्ति का पावन पर्व है सावन शिवरात्रि

योगेश कुमार गोयल

भारत में सर्वाधिक महत्व जिस देव का है, वो देवाधिदेव भगवान शिव ही हैं, जो आज भी समूचे भारतवर्ष में उतने ही पूजनीय और वंदनीय हैं, जितने सदियों पहले। देशभर में भगवान शिव की पूजा-उपासना व्यापक स्तर पर होती है, इसीलिए 'शिवरात्रि' पर्व को भारत में राष्ट्रीय पर्व का दर्जा प्राप्त है। वैसे तो शिवरात्रि हर माह मनती है किन्तु इनमें से फाल्गुन महाशिवरात्रि और सावन शिवरात्रि की महत्ता सर्वाधिक है। सावन शिवरात्रि प्रायः माह की कृष्ण पक्ष चतुर्दशी को मनाई जाती है, जिसे भगवान शिव के प्रति भारतीयों की आस्था की प्रतीक 'कांवड़ यात्रा' का समापन दिवस भी कहा जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार भारत में सावन शिवरात्रि का बहुत महत्व है। हिंदू पंचांग के अनुसार, सावन की शिवरात्रि सावन महीने के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनाई जाती है और वर्ष यह तिथि 11 अगस्त को प्रातः 4 बजकर 43 मिनट से शुरू होकर 12 अगस्त रात्रि 01 बजकर 51 मिनट तक रहेगी। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, यह पर्व 11 अगस्त को ही मनाया जाएगा और इसी दिन शिवलिंग का जलाभिषेक होगा। सावन शिवरात्रि के पावन अवसर पर ही कांवड़ यात्रा का भी समापन होता है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, इस साल सावन शिवरात्रि पर चतुर्ग्रही योग बन रहा है और इस दिन कर्क राशि में सूर्य, गुरु, बुध और चंद्रमा एक साथ बैठकर चतुर्ग्रही योग का निर्माण करने वाले हैं।

धार्मिक ग्रंथों में 'शिव' और 'रात्रि' के शाब्दिक अर्थ को परिभाषित करते हुए बताया गया है, जिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो भगवान नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं। महासमुद्र रूपी शिव ही एक अखंड परम तत्व हैं, इन्हीं की अनेक विभूतियां अनेक नामों से पूजी जाती हैं, यही सर्वव्यापक और सर्वशक्तिमान हैं, यही व्यक्त-अव्यक्त रूप से 'सगुण ईश्वर' और 'निर्गुण ब्रह्म' कहे जाते हैं तथा यही परमात्मा, जगत आत्मा, शम्भव, मयोभव, शंकर, मयस्कर, शिव, रूद्र आदि कई नामों से संबोधित किए जाते हैं। 'रात्रि' शब्द 'रा' दानार्थक धातु से बना है अर्थात जो सुखादि प्रदान करती है, वह 'रात्रि' है। रात्रि सदा आनन्ददायिनी होती है, अतः सबकी आश्रयदात्री होने के कारण उसकी स्तुति की गई है। इस प्रकार शिवरात्रि का अर्थ है, वह रात्रि, जो आनंद देने वाली है, जिसका शिव नाम के साथ विशेष संबंध है।

भगवान शिव को 'कालों का काल' और 'देवों का देव' अर्थात 'महादेव' कहा गया है। देव-दानव, मानव-प्रेत, भगवान शिव इन सभी के आराध्य देव रहे हैं। 'भोले बाबा' के रूप में सर्वत्र पूजनीय भगवान शिव को समस्त देवों में अग्रणीय और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वह अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न हो जाते हैं तथा उनकी मनोकामना पूर्ण करते हैं। भगवान शिव को भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता का प्रतीक माना गया है। एक होते हुए भी शिव के नटराज, पशुपति, हरिहर, त्रिमूर्ति, मृत्युंजय, अर्द्धनारीश्वर, महाकाल, भोलेनाथ, विश्वनाथ, ओंकार, शिवलिंग, बटुक, क्षेत्रपाल, शरभ इत्यादि अनेक रूप हैं। ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में यही उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी गंगा मैया हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है। बैल (नंदी) को भगवान शिव का वाहन माना गया है और ऐसी मान्यता है कि स्वयं अमंगल रूप होने पर भी भगवान शिव अपने भक्तों को मंगल, श्री और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं।

कहा जाता है कि भगवान विष्णु ने भगवान शिव की अनुकम्पा प्राप्त करने के लिए उन्हें अपनी एक आंख समर्पित कर दी थी। इस बारे में कहा गया है कि भगवान विष्णु जब शिव को प्रसन्न करने के लिए 1008 कमल के फूलों से उनका अभिषेक कर रहे थे, तब आखिर में एक कमल कम रह गया। इस पर भगवान विष्णु ने तुरंत कटार से अपनी एक आंख निकाली और कम रहे कमल के स्थान पर शिव को अपनी आंख अर्पित कर दी। इससे शिव विष्णु पर इतने प्रसन्न हुए कि उन्होंने भगवान विष्णु को अपना दिव्य मंत्र प्रदान कर दियाः-

ॐ त्रयम्बकं यजामहे
सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम।
उवार्रूकमिव बन्धनात।
मृत्योर्मुक्षीय मामृतात।।

भगवान शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है। इसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे। इस विष का प्रभाव इतना तीव्र था कि इससे समस्त सृष्टि का विनाश हो सकता था, ऐसे में भगवान शिव ने इस विष का पान कर सृष्टि को नया जीवनदान दिया जबकि अमृत का पान चन्द्रमा ने कर लिया। विषपान करने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया, जिससे वे 'नीलकंठ' के नाम से जाने गए। विष के भीषण ताप के निवारण के लिए भगवान शिव ने चन्द्रमा की एक कला को अपने मस्तक पर धारण कर लिया। यही भगवान शिव का तीसरा नेत्र है और इसी कारण भगवान शिव 'चन्द्रशेखर' भी कहलाए।

शिकायतों का समाधान (जून 2026)	1,99,968
लगातार कई महीनों से प्रत्येक माह 1 लाख से अधिक मामलों का निपटारा	46 महीने
निपटारे में लगने वाला औसत समय (2026)	14 दिन
नागरिक संतुष्टि दर (जनवरीझ्रजून 2026)	76%
नए उपयोगकर्ता पंजीकरण (जून 2026)	83,544
सीपीग्राम पर मैप किए गए शिकायत निवारण अधिकारी (जून 2026 तक)	1,09,125

केंद्रीकृत जन शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (सीपीग्राम)

बिहान भारत

केंद्रीकृत जन शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली (सीपीग्राम) ने डिजिटल नवाचार, संस्थागत सुधारों और नागरिक-केंद्रित सेवा प्रदान करने की व्यवस्था के माध्यम से भारत में जन शिकायतों के निवारण की प्रक्रिया को नई दिशा प्रदान की है। यह प्रणाली सभी केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों, राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को एकीकृत मंच पर जोड़ते हुए शिकायतों के समयबद्ध एवं प्रभावी निवारण को सुनिश्चित करती है। साथ ही, यह जवाबदेही, पारदर्शिता एवं सुशासन को सुदृढ़ बनाती है और यह सुनिश्चित करती है कि प्रत्येक नागरिक की शिकायत को गंभीरता से सुना जाए तथा उस पर आवश्यक व समयबद्ध कार्रवाई की जाए।

सीपीग्रामः जवाबदेह शासन के माध्यम से नागरिकों का सशक्तिकरण

जन शिकायतों का प्रभावी एवं समयबद्ध निवारण जवाबदेह, पारदर्शी और सुशासन की आधारशिला है। यह नागरिकों को सरकारी सेवाओं से संबंधित अपनी शिकायतें व सुझाव प्रस्तुत करने का सशक्त माध्यम प्रदान करता है तथा यह सुनिश्चित करता है कि सरकारी संस्थान नागरिकों के प्रति उत्तरदायी, पारदर्शी और सुलभ बने रहें।
केंद्रीकृत जन शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली (सीपीग्राम) भारत सरकार का प्रमुख डिजिटल जन शिकायत निवारण मंच है। नागरिकों के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध यह एकीकृत पोर्टल सभी केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों, राज्य सरकारों तथा केंद्र शासित प्रदेशों को एक मंच पर जोड़ता है, जिससे जन शिकायतों का त्वरित, प्रभावी एवं पारदर्शी निवारण सुनिश्चित होता है।
नागरिक सार्वजनिक सेवाओं से संबंधित अपनी शिकायतें इस मंच पर दर्ज करा सकते हैं तथा पारदर्शी एवं प्रौद्योगिकी-संचालित प्रक्रिया के माध्यम से उनके निवारण की स्थिति की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।
पिछले एक दशक में सीपीग्राम एक साधारण शिकायत पंजीकरण पोर्टल से विकसित होकर सुशासन का एक व्यापक डिजिटल मंच बन गया है। यह डिजिटल नवाचार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित निगरानी और नागरिकों से प्राप्त प्रतिपुष्टि का उपयोग करते हुए सार्वजनिक सेवा वितरण को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं उत्तरदायी बनाने के साथ-साथ उसमें निरंतर सुधार सुनिश्चित करता है।

सीपीग्राम का उन्नयन

वर्ष 2014 से भारत की जन शिकायत निवारण व्यवस्था में उल्लेखनीय बदलाव आया है। पहले यह व्यवस्था बिखरी हुई और मुख्यतः मैन्युअल प्रक्रियाओं पर आधारित थी, लेकिन आज यह प्रौद्योगिकी-संचालित, एकीकृत प्रणाली के रूप में विकसित हो चुकी है, जिसका प्रमुख उद्देश्य कार्यकुशलता, पारदर्शिता व नागरिक संतुष्टि सुनिश्चित करना है।
प्रत्येक वर्ष निस्तारित की जाने वाली शिकायतों की संख्या में लगभग नौ गुना वृद्धि हुई है। वर्ष 2014 में जहां लगभग 3.01 लाख शिकायतों का निस्तारण हुआ था, वहीं वर्ष 2024 में यह संख्या बढ़कर लगभग 27 लाख हो गई। यह परिवर्तन जन शिकायत निवारण व्यवस्था के प्रति नागरिकों के बढ़ते विश्वास और इसकी प्रभावशीलता का स्पष्ट प्रमाण है।
शिकायत निवारण तंत्र का भी व्यापक विस्तार हुआ है। शिकायत निवारण अधिकारियों की संख्या वर्ष 2014 में 10,232 से बढ़कर वर्ष 2025 तक 1.11 लाख से अधिक हो गई है।
इन सुधारों के परिणामस्वरूप सेवा वितरण प्रणाली अधिक प्रभावी हुई है और शिकायतों के निस्तारण में होने वाली देरी में उल्लेखनीय कमी आई है। केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों में शिकायतों के समाधान में लगने वाला औसत समय वर्ष 2014 में 157 दिन से घटकर वर्ष 2025 में केवल 15 दिन रह गया है।

सीपीग्राम की कार्यप्रणाली

केंद्रीकृत जन शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली (सीपीग्राम) एक व्यापक डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में कार्य करती है, जो शिकायतों के प्रभावी, सरल और समयबद्ध समाधान के लिए प्रौद्योगिकी, जवाबदेही तथा नागरिक सहभागिता को एकीकृत करती है।
पंजीकरणः नागरिक एक बार पंजीकरण करने के बाद सीपीग्राम पोर्टल https://pgportal.gov.in/ पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज करा सकते हैं। वे सीपीग्राम मोबाइल ऐप (जो उमंग मंच से भी जुड़ा हुआ है) के माध्यम से या देशभर में 2.5 लाख से अधिक ग्राम स्तरीय उद्यमियों वीएलई से जुड़े 5 लाख से अधिक सामान्य सेवा केंद्रों (सीएससी) के माध्यम से भी अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं। डाक के माध्यम से प्राप्त होने वाली ऑफलाइन शिकायतों को डिजिटल रूप में परिवर्तित कर प्रणाली पर अपलोड किया जाता है।
स्वचालित मार्ग निर्धारण एवं वर्गीकरणः यह प्रणाली शिकायतों को संबंधित अधिकारी तक स्वतः पहुंचाने के लिए अंतिम स्तर के शिकायत निवारण अधिकारी (जीआरओ) की मैपिंग की सुविधा प्रदान करती है। सीपीग्राम में दर्ज शिकायत की स्थिति को शिकायतकर्ता को पंजीकरण के समय प्राप्त विशिष्ट पंजीकरण संख्या के माध्यम से आसानी से ट्रैक किया जा सकता है।
21 दिनों में समाधानः अगस्त 2024 में जारी जन शिकायतों के प्रभावी समाधान के लिए व्यापक दिशा-निर्देशों के अंतर्गत शिकायतों के निवारण की समय-सीमा को 30 दिनों से घटाकर 21 दिन कर दिया गया है। इन दिशा-निर्देशों में विशेष शिकायत प्रकोष्ठों की स्थापना, समस्या के मूल कारणों की पहचान और मामलों के उन्नयन (एस्केलेशन) की प्रक्रिया को सुदृढ़ करना अनिवार्य किया गया है। केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों में शिकायतों के निपटारे में लगने वाला औसत समय वर्ष 2014 के 157 दिनों से घटकर वर्ष 2025 में 15 दिन रह गया है।
प्रतिपुष्टि और अपीलः शिकायत के समाधान के बाद, एक विशेष प्रतिपुष्टि कॉल सेंटर नागरिकों से सीधे संपर्क कर उनकी संतुष्टि का आकलन करता है। यदि नागरिक समाधान से संतुष्ट नहीं होते हैं, तो वे अपील की व्यवस्था के माध्यम से मामले को आगे बढ़ा सकते हैं। ऐसी अपीलों का निपटारा संबंधित नोडल अपीलीय प्राधिकारी द्वारा किया जाता है, जिन्हें 30 दिनों के भीतर अपील का समाधान सुनिश्चित करना होता है।
निम्नलिखित विषयों से संबंधित शिकायतों पर समाधान के लिए विचार नहीं किया जाता हैः
- सूचना का अधिकार (आरटीआई) से संबंधित मामले
- न्यायालय से संबंधित अथवा विचाराधीन मामले
- धार्मिक मामलों से संबंधित विषय
- सरकारी कर्मचारियों की सेवा संबंधी शिकायतें,जिनमें अनुशासनात्मक कार्रवाई से जुड़े मामले भी शामिल हैं।

सीपीग्राम का प्रभावः गुजरात में सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाना

श्री हर्ष ने गुजरात के राजकोट स्थित आशापुरी चौकड़ी पुल के निकट एक व्यस्त राजमार्ग पर सड़क की असुरक्षित स्थिति, खराब रखरखाव तथा अपर्याप्त सुरक्षा उपायों से संबंधित शिकायत दर्ज कराई। इस मामले को सीपीग्राम के माध्यम से संबंधित प्राधिकरण तक पहुंचाया गया। समीक्षा के उपरांत निर्माण कार्यों को व्यवस्थित किया गया, अंडरपास को आम जनता के लिए खोल दिया गया तथा लंबित कार्यों में तेजी लाई गई। इसके अतिरिक्त, बैरिकेड, परावर्तक संकेतक, चेतावनी संकेतक और यातायात मार्शल जैसी सुरक्षा व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ किया गया। शिकायत का पूर्ण समाधान मात्र 4 दिनों के भीतर सुनिश्चित कर दिया गया।

प्रमुख उपलब्धियों का अवलोकन

सूचक और आंकड़ा
शिकायतों का समाधान (जून 2026) 1,99,968
लगातार कई महीनों से प्रत्येक माह 1 लाख से अधिक मामलों का निपटारा 46 महीने
निपटारे में लगने वाला औसत समय (2026) 14 दिन
नागरिक संतुष्टि दर (जनवरीझ्रजून 2026) 76%
नए उपयोगकर्ता पंजीकरण (जून 2026) 83,544
सीपीग्राम पर मैप किए गए शिकायत निवारण अधिकारी (जून 2026 तक) 1,09,125

जन शिकायतों के निवारण में बदलावः 10-चरणीय सुधार कार्यक्रम

सीपीग्राम के विकास में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन तब आया, जब प्रधानमंत्री की समीक्षा के बाद वर्ष 2022 में 10-चरणीय सुधार कार्यक्रम शुरू किया गया। इसके बाद से निरंतर निगरानी और लक्षित सुधारों के माध्यम से शिकायत निवारण प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाया गया है। इन गतिविधियों ने प्रणाली को अधिक कुशल, सुलभ और नागरिक-केंद्रित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सुधार के ढांचे में दस मुख्य उपाय शामिल हैं:

सीपीग्राम 7.0 का व्यापक विस्तार

सीपीग्राम 7.0 के व्यापक विस्तार से शिकायतों को संबंधित अधिकारी तक स्वचालित रूप से पहुंचाने की सुविधा उपलब्ध हुई, जिससे पहले अपनाई जाने वाली मैन्युअल प्रक्रिया की आवश्यकता कम हो गई। वर्ष 2022 तक सभी केंद्रीय मंत्रालयों व विभागों को इस मंच से जोड़ दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप शिकायतों का निपटारा अधिक तेज, प्रभावी और सुव्यवस्थित तरीके से होने लगा।

तकनीकी सुधार

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग को शामिल करने से वास्तविक समय में विश्लेषण, पैटर्न की पहचान व प्रणालीगत समस्याओं का पता लगाने की क्षमता में वृद्धि हुई है, जिससे शिकायतों के निवारण की प्रक्रिया और अधिक प्रभावी बनी है। उन्नत डैशबोर्ड और डेटा विश्लेषण आधारित प्रणालियां साक्ष्य-आधारित निर्णय लेने तथा सार्वजनिक सेवा वितरण में निरंतर सुधार करने में सहायक हैं। समस्याओं के मूल कारणों की पहचान और नीतिगत सुधारों के माध्यम से यह प्रणाली शिकायतों के प्रभावी समाधान के साथ-साथ शासन व्यवस्था में निरंतर सुधार सुनिश्चित करती है।

भाषाई समावेशिता

शिकायत निवारण प्रक्रिया को अधिक सुलभ और समावेशी बनाने के लिए सीपीग्राम अंग्रेजी के अतिरिक्त 22 अनुसूचित भाषाओं में भी शिकायतें दर्ज करने की सुविधा प्रदान करता है। भाषिणी के साथ एकीकरण के माध्यम से शिकायत निवारण अधिकारी नागरिकों द्वारा उपयोग की गई भाषा में ही उत्तर प्रदान करने में सक्षम होते हैं, जिससे संवाद अधिक प्रभावी और सुविधाजनक बनता है।

शिकायत निवारण मूल्यांकन और सूचकांक (जीआरएआई)

प्रदर्शन मूल्यांकन ढांचे के रूप में शुरू किया गया जीआरएआई मंत्रालयों और विभागों में शिकायत निवारण व्यवस्था की प्रभावशीलता का आकलन करता है। यह बेहतर कार्यकुशलता, जवाबदेही और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देते हुए शिकायत निवारण प्रणाली को और अधिक प्रभावी एवं नागरिक-केंद्रित बनाने में सहायक है।

प्रतिपुष्टि कॉल सेंटर

प्रतिपुष्टि कॉल सेंटर समाधान की गई शिकायतों के संबंध में नागरिकों से प्रतिक्रिया प्राप्त करता है। इससे सेवा की गुणवत्ता का मूल्यांकन करने, नागरिक संतुष्टि का आकलन करने तथा शिकायत निवारण प्रक्रिया में सुधार के संभावित क्षेत्रों की पहचान करने में सहायता मिलती है।

एक राष्ट्र-एक पोर्टल

सीपीग्राम के साथ राज्यों के शिकायत पोर्टलों और अन्य सरकारी मंचों के एकीकरण से देशभर में शिकायत निवारण के लिए एक एकीकृत, सुव्यवस्थित और प्रभावी प्रणाली विकसित हुई है। यह पहल नागरिकों को एक ही मंच के माध्यम से शिकायत दर्ज कराने और उनके समाधान की प्रक्रिया को अधिक सरल एवं पारदर्शी बनाने में सहायक है।

समावेशिता और पहुंच

सीपीग्राम ने सामान्य सेवा केंद्रों (सीएससी) के साथ जुड़कर अपनी शिकायत निवारण सेवाओं की पहुंच का विस्तार किया है। इसके माध्यम से ग्रामीण एवं दूर-दराज क्षेत्रों में रहने वाले नागरिक भी आसानी से अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं और सरकारी सेवाओं से संबंधित समस्याओं के समाधान तक पहुंच प्राप्त कर सकते हैं।

प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण

सेवोत्तम ढांचे के अंतर्गत आयोजित नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम शिकायत निवारण अधिकारियों की क्षमताओं को सुदृढ़ करते हैं तथा शिकायतों के प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण और नागरिक-केंद्रित समाधान को सुनिश्चित करने में सहायता प्रदान करते हैं।

निगरानी और समीक्षा

मासिक प्रदर्शन रिपोर्ट, समीक्षा बैठकों तथा नोडल शिकायत अधिकारियों और अपीलीय अधिकारियों के साथ निरंतर संवाद के माध्यम से पारदर्शिता और जवाबदेही को सुदृढ़ किया जाता है। यह प्रक्रिया शिकायतों के समयबद्ध एवं प्रभावी निवारण को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

डेटा रणनीति इकाई

डीएआरपीजी के अंतर्गत एक समर्पित डेटा रणनीति इकाई उन्नत विश्लेषण तकनीकों का उपयोग करते हुए रुझानों की पहचान करती है, नीतिगत सुधारों के लिए आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराती है तथा शिकायत निवारण प्रक्रियाओं को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने में सहायता प्रदान करती है।
समाधान दीदीः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से शिकायत निवारण को जन-जन तक पहुंचाना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण प्रगति के रूप में, सरकार ने 30 मई 2026 को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सीपीग्राम वॉयस चैटबॉट ॅसमाधान दीदीॅ का शुभारंभ किया। यह पहल शिकायत निवारण प्रणाली को अधिक सुलभ, समावेशी और नागरिक-केंद्रित बनाते हुए जन शिकायतों के समाधान को सरल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। नागरिक अब जटिल प्रपत्रों या प्रशासनिक श्रेणियों की प्रक्रिया में उलझे बिना, अपनी पसंदीदा भाषा में बोलकर आसानी से अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं।
यह चैटबॉट उन्नत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को भाषिणी की वाक्-से-पाठ, पाठ-से-वाक्, अनुवाद और लिप्यंतरण क्षमताओं के साथ एकीकृत करता है। नागरिकों की समस्याओं का विश्लेषण करके यह प्रणाली स्वतः संबंधित मंत्रालय, विभाग, श्रेणी व उप-श्रेणी की पहचान करती है और आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त जानकारी भी प्राप्त करती है।
भाषिणी के माध्यम से वर्तमान में उपलब्ध 22 भाषाओं की सहायता के अतिरिक्त, अन्य क्षेत्रीय और स्थानीय भाषाओं को शामिल करने के लिए भी निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इससे यह सुनिश्चित होता है कि सरकारी सेवाओं तक नागरिकों की पहुंच में भाषा कोई बाधा न बने और प्रत्येक व्यक्ति अपनी भाषा में आसानी से शिकायत दर्ज करा सके।

अगली पीढ़ी के सीपीग्राम का विकास

डीएआरपीजी नेक्स्ट जेनरेशन सीपीग्राम पहल को आगे बढ़ा रहा है। यह एक प्रमुख परियोजना है, जिसका उद्देश्य अत्याधुनिक डिजिटल प्रौद्योगिकी के माध्यम से भारत की जन शिकायत निवारण प्रणाली को आधुनिक और अधिक प्रभावी बनाना है।
पहुंच, दक्षता और पारदर्शिता को बेहतर बनाने के लिए विकसित किया जा रहा यह मंच नागरिकों को शिकायत निवारण का अधिक सरल, सुगम व नागरिक-केंद्रित अनुभव प्रदान करने की दिशा में कार्य कर रहा है।
विकास प्रक्रिया में पहले ही महत्वपूर्ण प्रगति हासिल की जा चुकी है। इसके संचालन में आने के बाद, अगली पीढ़ी के सीपीग्राम में कई उन्नत सुविधाएं शामिल होंगी, जिनमें निम्नलिखित प्रमुख हैं:
- आवाज के माध्यम से शिकायत दर्ज करने और चैटबॉट सहायता की सुविधा
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-आधारित शिकायत वर्गीकरण और इंटेलिजेंट राउटिंग
- राज्य स्तरीय शिकायत श्रेणियों का एकीकृत मंच पर समावेशन
- अंग्रेजी के अतिरिक्त 22 अनुसूचित भाषाओं में सहायता
- ईमेल, सोशल मीडिया और मोबाइल ऐप के माध्यम से बहु-माध्यमीय शिकायत दर्ज करने की सुविधा
- शिकायतों के समयबद्ध निवारण के लिए स्वचालित उन्नयन (एस्केलेशन) प्रणाली
- दिव्यांग नागरिकों के लिए सुलभता सुविधा
- वास्तविक समय विश्लेषण और रिपोर्टिंग डैशबोर्ड
- समाधान की गुणवत्ता का मूल्यांकन करने तथा बिना प्रभावी समाधान के स्थानांतरित या बंद किए गए मामलों की पहचान के लिए एआई-आधारित शिकायत समाधान सत्यापन प्रणाली

ऐसी आशा है कि अगली पीढ़ी का सीपीग्राम नागरिक-केंद्रित शासन व्यवस्था को और सशक्त करेगा तथा शिकायत निवारण प्रक्रिया को अधिक सुलभ, त्वरित प्रतिक्रिया देने वाली एवं पारदर्शी बनाएगा।

नागरिक-केंद्रित शासन को सशक्त बनाना

पिछले दशक में सीपीग्राम दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल जन शिकायत निवारण मंचों में से एक के रूप में उभरा है। निरंतर सुधारों, तकनीकी नवाचारों और नागरिक संतुष्टि पर विशेष ध्यान के माध्यम से इस मंच ने नागरिकों के सरकारी संस्थानों के साथ जुड़ने के तरीके में महत्वपूर्ण परिवर्तन किया है। समयबद्ध शिकायत निवारण, जवाबदेही को बढ़ावा देने तथा नागरिकों की प्रतिक्रिया के आधार पर सेवा वितरण में निरंतर सुधार के माध्यम से सीपीग्राम ने उत्तरदायी और नागरिक-केंद्रित शासन व्यवस्था की नींव को सुदृढ़ किया है। जैसे-जैसे भारत विकसित भारत@2047 के विजन की ओर आगे बढ़ रहा है, सीपीग्राम यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है कि एक कुशल, पारदर्शी व सुलभ शिकायत निवारण प्रणाली के माध्यम से प्रत्येक नागरिक की बात सुनी जाए और उस पर प्रभावी कार्रवाई की जाए।

जब तक किरोड़ी लाल के शरीर में जान है, कोई आरक्षण को छू भी नहीं सकता

–राजस्थान के कृषि मंत्री ने आदिवासी महोत्सव में आरक्षण का किया समर्थन

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने एक आदिवासी महोत्सव में आरक्षण का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि जब तक मैं जीवित हूं तब तक आरक्षण को खत्म नहीं किया जा सकता है। मीणा ने आरक्षण खत्म करने की अटकलों को खारिज कर दिया और कहा कि जब तक किरोड़ी लाल के शरीर में जान है, कोई आरक्षण को छू भी नहीं सकता। मंत्री ने आदिवासी युवाओं से नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रहने और सामाजिक बुराइयों से लड़ने के लिए मिलकर काम करने की अपील भी की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कार्यक्रम के दौरान मीणा के राजनीतिक जीवन और संघर्षों पर आधारित एक किताब भी लॉन्च की गई। किरोड़ी लाल मीणा ने अपने राजनीतिक सफर के बारे में बात करते हुए बताया कि उन्होंने करीब 600 आंदोलनों में हिस्सा लिया है, 17 बार जेल गए हैं और 138 कानूनी मामलों का सामना किया है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ उनकी लड़ाई जारी रहेगी। मीणा ने उन हालात का भी जिक्र किया जिनकी वजह से पंच अठाई को मीणा हाई कोर्ट के नाम से जाना जाने लगा। उन्होंने पंचायत से जुड़े एक विवाद का जिक्र किया, जब लगभग 50,000 लोगों की भीड़ दौसा की ओर मार्च कर रही थी, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल थीं।

मीणा के मुताबिक जब भीड़ कई किलोमीटर आगे बढ़ गई, तो प्रशासन ने 14 गांव के बुजुर्गों या पंचों को बुलाया और उन्हें भीड़ के हवाले कर दिया। उन्हें आज भी समझ नहीं आता कि प्रशासन ने ऐसा फैसला क्यों किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि जनता की शक्ति ही सर्वोपरि है और बताया कि इसी संघर्ष ने पंच अठाई को मीणा हाई कोर्ट की पहचान दिलाई। पंचना बांध से पानी का मुद्दा उठाते हुए मीणा ने लंबे संघर्ष के बाद पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के अपने प्रयासों का जिक्र किया। उन्होंने यह भी बताया कि चंबल नदी का पानी दौसा लाने का काम चल रहा है।

पुरानी घटना को याद करते हुए उन्होंने कहा कि 1985 में उनकी जान जा सकती थी, लेकिन ईश्वर की कृपा से वे बच गए। इस दौरान छात्राओं ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए, जबकि सरकारी कॉलेज के छात्रों ने मीणा संस्कृति को दर्शाने वाले कार्यक्रम पेश किए। मध्य प्रदेश के आदिवासी बच्चों ने भी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, और स्टंट प्रदर्शन कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण रहे।

एफसीआरए बिल पर कांग्रेस का कड़ा रुख : बताया ईसाई विरोधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र में सरकार द्वारा विदेशी अंशदान नियमन अधिनियम (एफसीआरए) में संशोधन के लिए नया बिल लाने की चर्चा के बीच, कांग्रेस ने इसका पुरजोर विरोध कर रही है। कांग्रेस ने प्रस्तावित एफसीआरए बिल को ईसाई विरोधी बताया है। कांग्रेस पार्टी का कहना है कि यह विधेयक देश में काम कर रहे अल्पसंख्यक संगठनों, विशेषकर ईसाई समुदायों द्वारा संचालित दूर-दराज के ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में चल रहे स्कूलों और अस्पतालों को बुरी तरह प्रभावित करेगा। कांग्रेस सांसद हिबी ईडन ने चिंता जाहिर की है कि नए नियमों के तहत जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) या उप-जिला मजिस्ट्रेट (एसडीएम) को उल्लंघन के आरोप में किसी भी संस्था की संपत्ति पर कब्जा करने का अधिकार मिल जाएगा, जिसमें पुराने मामले भी शामिल है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने स्पष्ट रूप से कहा है कि अगर मोदी सरकार जल्दबाजी में बिल लाती है, तब उनका यह सपना पूरा नहीं होने दिया जाएगा। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस केवल एक विधायी मुद्दा नहीं, बल्कि अल्पसंख्यक वोटर्स को अपने पाले में लाने का एक बड़ा मौका मान रही है। केरल और पूर्वोत्तर के राज्यों के अलावा आंध्र प्रदेश और पंजाब जैसे राज्यों में भी ईसाई आबादी का एक बड़ा हिस्सा है, कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे पर एकजुट करने की उम्मीद कर रही है। इससे पहले बजट सत्र के दौरान भी कांग्रेस ने इसी मुद्दे पर हंगामा किया था। समाजवादी पार्टी ने भी बिल का विरोध करने का मन बनाया है और अपने सांसदों को संसद में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के लिए पत्र जारी किया है, जिससे यह साफ है कि विपक्ष इस मुद्दे पर एकजुट होकर एनडीए की घेराबंदी करेगा। दरअसल एफसीआरए एक ऐसा कानून है जो भारत में गैर-सरकारी संगठनों और धार्मिक निकायों द्वारा विदेशी फंडिंग के उपयोग को नियंत्रित करता है।

मुजफ्फरपुर में पहली बार कांवड़ियों पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा, भक्तिमय हुआ माहौल

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। जिले में पहली बार कांवड़ियों पर हेलीकाप्टर से पुष्पवर्षा की गई। पहले सोमवार को सुबह सात बजे का समय तय किया था, लेकिन मौसम खराब होने और आसमान में बादल छाए रहने के कारण इसमें देरी हुई। करीब साढ़े आठ बजे हरिसभा चौक, रामदयालु, बाबा गरीबनाथ मंदिर, साहू पोखर और जिला स्कूल के समीप कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की गई। भक्ति में उत्साह का माहौल रहा। हर-हर महादेव के नारे से पूरा शहर गुंजायमान हो उठा। चारों तरफ भगवान शिव के जयकारे और बाबा गरीबनाथ की जय का उद्घोष सुनाई दे रहा था। बाबा गरीबनाथ धाम पर जलाभिषेक करने वाले कांवड़ियों के लिए ही नहीं बल्कि पूरे शहर के लिए यह एक अलौकिक अनुभूति थी। सड़कों पर असंख्य कांवड़ियों के साथ लोग अपने घरों के छत पर भी खड़े होकर इस ऐतिहासिक पल के गवाह बने। विदित हो कि पहलेजा घाट से जलबोझी कर बाबा गरीबनाथ मंदिर में जलाभिषेक करने की परंपरा दशकों पुरानी है। कांवड़ियों की सेवा कई प्रकार से जिला प्रशासन से लेकर अलग-अलग विभाग और सेवा दलों के द्वारा की जाती रही है, लेकिन यह पहला अवसर था जब पुष्पवर्षा की गई। कांवड़िया मार्ग में जिला प्रशासन की ओर से माइकिंग कर भी इसकी जानकारी दी गई थी। इससे कांवड़ियों में उत्साह का माहौल था। विदित हो कि उत्तराखंड और युपी समेत अन्य राज्यों में कांवड़ यात्रा के दौरान हेलीकाप्टर से भक्तों पर पुष्पवर्ष कराए जाने की परंपरा सालों से चली आ रही है, लेकिन बिहार में यह पहला मामला है जब कांवड़ियों पर आसमान से पुष्पवर्षा कराई गई।

मुंबई में अवैध रूप से रह रहे 44 संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों का पता चला

मुंबई (एजेंसी)। भारत में अवैध रूप से प्रवेश कर मुंबई के अलग-अलग इलाकों में रह रहे 44 बांग्लादेशी नागरिकों का वर्सोवा पुलिस ने पता लगाया है। पुलिस के अनुसार, चालू वर्ष में वर्सोवा और मुंबई के विभिन्न हिस्सों में की गई कार्रवाई के दौरान इन लोगों की पहचान की गई। यह कार्रवाई उत्तर प्रादेशिक विभाग के उत्तर परिमंडल-1 के अंतर्गत आने वाले वर्सोवा पुलिस थाने की आतंकवाद विरोधी टीम ने की। पुलिस के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में सामने आया कि संबंधित लोगों ने वैध अनुमति या आवश्यक दस्तावेजों के बिना सीमा पार कर भारत में प्रवेश किया और इसके बाद मुंबई के विभिन्न इलाकों में रह रहे थे। पुलिस अब इनके भारत में प्रवेश और यहां रहने से संबंधित दस्तावेजों की जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अवैध घुसपैठ से जुड़ी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए वर्सोवा पुलिस की आतंकवाद विरोधी टीम ने जानकारी जुटाई। इसके बाद मुंबई के अलग-अलग इलाकों में जांच और दस्तावेज सत्यापन अभियान चलाया गया। इस कार्रवाई के दौरान 44 संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों का पता लगाया गया। पुलिस ने उनके पहचान दस्तावेजों, भारत में रहने की अनुमति और देश में प्रवेश से संबंधित कागजात की जांच शुरू की है। जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

छात्र प्रदर्शन पर सियासत गर्म : सीजेपी प्रवक्ता को पाखंडी कहने पर बवाल

रांची (एजेंसी)। झारखंड की राजधानी रांची में छात्र अपनी परीक्षाओं में धांधली के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन कर रहे हैं। दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शनों को सफल बनाने वाली कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के बड़े नेता अभी तक रांची नहीं पहुंचे हैं, हालांकि एआईएसए की नेहा बोरा वहां मौजूद हैं। इस बीच, सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने छात्रों के समर्थन में वीडियो साझा किया, जिसमें रांची में मार्च निकालते हजारों छात्र दिख रहे हैं। इस पोस्ट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कट्टर समर्थक और बीजेपी के पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने तीखा तंज कसा। पूनावाला ने सौरव दास को दोमुंहे, सुविधा-संपन्न पाखंडी कहकर सवाल किया कि क्या वे जीके1 से ही समर्थन कर रहे हैं?। यह बयान तब आया है जब रांची में छात्र विधानसभा का घेराव करने के लिए सड़कों पर उतरे हैं। शहजाद पूनावाला बीजेपी छोड़ने के बाद भी लगातार पीएम मोदी के पक्ष में सोशल मीडिया पर पोस्ट करते रहते हैं। सौरव दास ने अपने वीडियो में शाम के समय छात्रों के शांतिपूर्ण मार्च को दर्शाया था, जिस पर यह विवाद छिड़ा है।

पीएम मोदी-सीएम योगी की तस्वीरों से सजाई कांवड़ बनी आकर्षण का केंद्र

-हापुड़ में लोगों ने किया फूल-मालाओं से शिवभक्तों का स्वागत, बरसाए फूल

हापुड़ (एजेंसी)। श्रावण मास में हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रहे कावड़ियों की आस्था के अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे हैं। बुलंदशहर जिले के आवास विकास क्षेत्र के रहने वाले शिवभक्तों की एक भव्य कांवड़ आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। कांवड़ को पीएम मोदी और उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ की तस्वीरों और कटआउट से विशेष रूप से सजाया गया है। हरिद्वार से गंगाजल लेकर

बुलंदशहर लौट रहे शिवभक्तों का जत्था रविवार को हापुड़ शहर में पहुंचा। कांवड़ पर सजी तस्वीरों को देखने लोगों की भीड़ जुट गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांवड़ की सजावट और श्रद्धालुओं के उत्साह ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। हापुड़ में प्रवेश करते ही लोगों ने फूल-मालाओं से स्वागत किया। लोगों ने कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की। बुलंदशहर के रहने वाले शिवभक्तों ने कहा कि कांवड़ यात्रा केवल गंगाजल लाने की धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि आस्था और संस्कारों से जुड़ी यात्रा है। कांवड़ पर पीएम मोदी और सीएम योगी की तस्वीरें लगाने का उद्देश्य आध्यात्म के साथ देश और प्रदेश के प्रति सम्मान की भावना को प्रदर्शित करना है। शिवभक्तों ने कहा कि उनके लिए आध्यात्म और देशभक्ति अलग-अलग नहीं, बल्कि एक-दूसरे से जुड़ी भावनाएं हैं।

कश्मीर में हर घर तिरंगा अभियान शुरु, 17 तक चलेगा, तिरंगे में रंगी घाटी

-देशभक्ति गीत, सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों में छात्र-छात्राओं ने लिखा भाग

श्रीनगर (एजेंसी)। कश्मीर संभाग क्षेत्र में हर घर तिरंगा अभियान-2026 और राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के जश्न की शुरुआत हुई। देशभक्ति, सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों से भरपूर यह अभियान 17 अगस्त तक चलेगा। अनंतनाग में आयोजित समारोह में डिप्टी कमिश्नर डा. बिलाल मोहिउद्दीन भट मुख्य अतिथि के रुप में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में ज़िला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, विभागों के अधिकारी, नागरिक, युवा स्वयंसेवक और बड़ी संख्या में आम नागरिक शामिल हुए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शोपियां में गवर्नमेंट गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल में एक बड़ा कार्यक्रम हुआ। इस अभियान में लोगों की भारी भागीदारी देखी गई। अलग-अलग क्षेत्रों के लोग तिरंगे के प्रति सम्मान व्यक्त करने और देश के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराने के लिए एक साथ आए।

स्कूलों और संस्थानों ने भी इस अभियान के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने में अहम भूमिका निभाई। इस मौके पर शोपियां के एडिशनल डिप्टी कमिश्नर डा. ज़ाकिर हुसैन नागरिकों व देश के बीच के रिश्ते को मजबूत करने में हर घर तिरंगा पहल के महत्व पर ज़ोर दिया।

कुपवाड़ा में अलग-अलग जगहों पर बड़ी रैलियां निकाली गईं जिनमें स्कूलों और कालेजों के छात्र, यूथ सर्विसेज़ एंड स्पोर्ट्स और सोशल वेलफेयर विभागों के अधिकारी, सुरक्षा बल के जवान और आम लोगों ने पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया। त्राल में एक बड़ी तिरंगा रैली हुई। इस रैली में तिरंगे के नीचे एकता, देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव का शानदार नज़ारा देखने को मिला जिसमें समाज के हर वर्ग के लोग शामिल हुए।

पुलवामा के डिप्टी कमिश्नर डा. बशारत कय्यूम की अगुवाई में हुई इस रैली में त्राल के विधायक रफीक अहमद नाइक, अवंतीपोरा के एसएसपी सज्जाद अहमद शाह, त्राल के एडीसी साजिद शामिल हुए। इसमें नागरिकों ने भी पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया। गांदरबल ज़िले में आयोजित कार्यक्रमों में छात्रों, युवाओं, सरकारी कर्मचारियों और आम लोगों ने पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया। छात्रों ने देशभक्ति गीत पेश किए। जिससे राष्ट्रीय गर्व और सामूहिक भागीदारी का माहौल बना। ज़िले में अलग-अलग जगहों पर तिरंगा रैलियां भी निकाली गईं।

–ममता बनर्जी के काफिले पर हमले पर सियासत तेज

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी बोले- जनता के गुस्से का नतीजा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के हलीशहर में तृणमूल कांग्रेस के मृत कार्यकर्ता के परिजन से मिलने जा रहीं ममता बनर्जी के काफिले के विरोध को लेकर सियासत तेज हो गई है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को दावा किया कि विरोध प्रदर्शन भारतीय जनता पार्टी के किसी कार्यकर्ता ने नहीं किया, बल्कि यह जनता के भारी गुस्से का नतीजा था। उन्होंने कहा कि मौके पर न तो भाजपा का कोई कार्यकर्ता मौजूद था और न ही पार्टी का झंडा दिखाई दिया। हलीशहर जाते समय प्रदर्शनकारियों ने ममता बनर्जी के वाहन को घेर लिया और उनके खिलाफ नारेबाजी की। आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने उनकी कार पर कीचड़, जूते और पत्थर भी फेंके। ममता बनर्जी उस तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ता के परिवार से मिलने जा रही थीं, जिसकी कथित तौर पर पुलिस हिरासत में मौत हुई थी।

शुभेंदु अधिकारी ने घटना में भाजपा की किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार करते हुए ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के खिलाफ लोगों में नाराजगी है और इसी वजह से उन्हें विरोध का सामना करना पड़ा। अधिकारी ने आरजी कर मामले की पीड़िता को लेकर भी ममता पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि ममता को पीड़िता के परिवार से मिलकर माफी मांगनी चाहिए थी। अधिकारी ने कहा कि पीड़िता की मां हालिया विधानसभा चुनाव में भाजपा विधायक चुनी गई हैं। उन्होंने ममता बनर्जी से सवाल किया कि वह पीड़िता की दूसरी बरसी पर उसके परिवार से मिलने क्यों नहीं गईं। ममता बनर्जी ने अपने काफिले पर हुए विरोध के लिए भाजपा समर्थकों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि दिवंगत तृणमूल कार्यकर्ता के परिवार को भाजपा समर्थकों की ओर से धमकाया जा रहा था। ममता ने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि राज्य सरकार के इशारे पर पुलिस बल का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने ममता बनर्जी के काफिले पर कथित हमले की निंदा की। उन्होंने भाजपा पर राज्य में अराजकता और भय का माहौल पैदा करने का आरोप लगाया और इसे बदले की राजनीति का गंभीर उदाहरण बताया। घटना के बाद पश्चिम बंगाल की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। जहां भाजपा इसे जनता के आक्रोश से जोड़ रही है, वहीं ममता बनर्जी और विपक्षी दल इसे राजनीतिक हिंसा और बदले की कार्रवाई बता रहे हैं।

अरुणाचल पर चीन का 'नक्शा विस्तारवाद' : पूर्व विदेश सचिव भड़के

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व विदेश सचिव कंवल सिबल ने अरुणाचल प्रदेश पर चीन के निरंतर दावों और भारतीय स्थानों को बार-बार काल्पनिक नाम देने की उसकी रणनीति पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। सिबल ने चीन की इस हरकत को 'कार्टोग्राफिक टेरिटोरियल एक्सपैंशनिज्म' यानी नक्शों के जरिए क्षेत्रीय विस्तारवाद बताया है। उन्होंने कहा कि चीन मनगढ़ंत नाम देकर अपने दावों को मजबूत करने की कोशिश करता है। पूर्व विदेश सचिव सिबल ने भारत द्वारा अरुणाचल प्रदेश के 27 स्थानों और भौगोलिक विशेषताओं के नाम आधिकारिक तौर पर तय करने को चीन की इस विस्तारवादी नीति का करारा जवाब बताया। उन्होंने भारत के सर्वे ऑफ इंडिया के आधिकारिक नक्शों को अपडेट करने और स्थानों को मानकीकृत करने का सीधा परिणाम बताया।

पूर्व विदेश सचिव सिबल ने तिब्बत का जिक्र किया। उन्होंने याद दिलाया कि भारत ने चीनी सेना के तिब्बत पर कब्जे को स्वीकार किया था, लेकिन इसके बावजूद चीन संतुष्ट नहीं है और अब वह भारत के साथ लगते अतिरिक्त इलाकों पर दावा कर रहा है। पूर्व विदेश सचिव सिबल ने कहा कि तिब्बत पर नियंत्रण के बाद चीन पहली बार सीधे भारत के साथ सटा और तभी से वह भारतीय क्षेत्र पर अपनी नज़र गड़ाए हुए है। उन्होंने चीन की क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं को केवल भारत तक सीमित न मानते हुए छोटे देश भूटान का भी उल्लेख किया, जिसे चीन ने अपने क्षेत्रीय दावों से नहीं बख्शा है।

यह बयान तब आया है जब चीनी विशेषज्ञों ने अरुणाचल प्रदेश के 27 स्थानों के नाम तय करने के भारत के फैसले पर आपत्ति जताई है। चीनी पक्ष ने भारत के इस कदम को 'खुद को भ्रम में रखने वाला' बताया है और चेतावनी दी है कि इससे दोनों देशों के संबंधों में सुधार की कोशिशें बाधित हो सकती हैं, साथ ही सीमा विवाद सुलझाने की प्रक्रिया भी मुश्किल हो सकती है। हालांकि, सिबल का मानना है कि भारत का यह कदम चीन की विस्तारवादी नीति के विरुद्ध एक ठोस और आवश्यक प्रतिक्रिया है।

2 सितंबर को राम मंदिर ट्रस्ट की बैठक में नए सीईओ की होगी नियुक्ति

पूर्णकालिक महासचिव पर भी बनेगी सहमति, फिर होगी छंटनी और नई नियुक्ति

अयोध्या (एजेंसी)। राम मंदिर में अब श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सीईओ की प्रतीक्षा होने लगी है। 2 सितंबर को प्रस्तावित ट्रस्ट की बैठक में नए सीईओ की नियुक्ति हो सकती है। इसी बैठक में ट्रस्ट को पूर्णकालिक महासचिव का भी चयन किया जाएगा। यही कारण है कि अंतरिम महासचिव कृष्ण मोहन ट्रस्ट कर्मियों का आंतरिक स्थानांतरण करके और लगातार निगरानी बढ़ाकर मंदिर की कई व्यवस्थाओं का संचालन तो करा रहे हैं, लेकिन अभी किसी की नई नियुक्ति या छंटनी नहीं की है।

हालांकि यह अवश्य है कि अंदरखाने पूर्व पदाधिकारियों के करीबियों व रिश्तेदारों को चिह्नित कर लिया गया है। चढ़ावे की धनराशि में चोरी सामने आने और दो ट्रस्टियों के त्यागपत्र के बाद ट्रस्ट कर्मियों और सेवादारों में बड़ी हलचल है। एसआइटी और पुलिस जांच जारी रहने से कई कर्मचारी काम तो कर रहे हैं, लेकिन उनमें भय है। इनमें अधिकांश ऐसे कर्मी हैं, जिनकी नियुक्तियां पूर्व पदाधिकारियों ने ही की थी। सूत्रों का कहना है कि ज्यादातर नियुक्तियां पूर्व पदाधिकारियों की ही सिफारिश पर होने के कारण अभी किसी को निकाला नहीं जाएगा।

माना जा रहा कि अचानक बड़ी संख्या में कर्मियों की छंटनी से मंदिर की व्यवस्थाओं के संचालन की मुश्किल खड़ी हो जाएगी। यही वजह है कि 2 सितंबर की बैठक का इंतजार किया जा रहा है। बैठक में सीईओ और पूर्णकालिक महासचिव के नाम पर सहमति बन जाएगी, तो महासचिव के निर्देशन में नए सीईओ अपने मुताबिक कई पदों पर नियुक्तियां करेंगे। सहयोगी के रूप में अपना अलग स्टाफ रखेंगे, जिससे मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को पर्याप्त सुविधाएं प्रदान की जा सकें और व्यवस्थाओं का सुचारू ढंग से संचालन हो सके। एक पदाधिकारी ने बताया कि आगामी बैठक में ही ट्रस्ट के प्रवक्ता और सचिव की भी नियुक्ति होगी। इसके साथ चयन समिति की ओर से प्रस्तुत तीन नामों के पैनल पर विचार-विमर्श कर मुख्य कार्यकारी अधिकारी और किसी ट्रस्टी को पूर्णकालिक महासचिव का पद भी दिया जाएगा।

पहले रविदासजी के गुरुघर पर बुलडोलर चलाया अब उनके नाम पर कर रहे राजनीति

-मायावती ने समाज को बीजेपी और आप की राजनीति से सतर्क रहने की अपील की

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती ने संतगुरु श्री रविदास के तुगलकाबाद स्थित गुरुघर को 2019 में ढहाए जाने और इसके विरोध में हुए आंदोलन का मुद्दा उठाते हुए बीजेपी और आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पंजाब चुनाव नजदीक आते ही बीजेपी संतगुरु श्री रविदासजी के नाम पर कलश यात्रा निकालकर समाज को उनके बेगमपुरा के लक्ष्य से भटकाने की कोशिश कर रही है। मायावती ने समाज को बीजेपी और आप की राजनीति से सतर्क रहने की अपील करते हुए संत रविदासजी के सम्मान, समानता और न्याय के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। मायावती ने एक्स पर लिखा- जैसा कि विदित है कि 10 अगस्त 2019 को दिल्ली के तुगलकाबाद में संतगुरु श्री रविदासजी के पवित्र गुरुघर को बुलडोजर और भारी पुलिस बल की मौजूदगी में ढहा दिया गया। इसके विरोध में देशभर की संगत जब लोकतांत्रिक ढंग से सड़कों पर उतरी तो तब उन्हें लाठीचार्ज, आंसू गैस, गिरफ्तारियां और मुकदमों आदि का सामना करना पड़ा। काफी लोगों को जेल भी जाना पड़ा। मायावती ने कहा कि गुरुघर की भूमि भी छीन ली गई और आज भी संगत को लोहे के अस्थायी टीन शेड में अपने गुरुजी को माथा टेकने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। यह स्थिति करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं को आहत करती है और आज भी समाज की स्मृति में अंकित है। उन्होंने लिखा- अब पंजाब चुनाव नजदीक आते ही वही बीजेपी रविदासजी के नाम पर कलश यात्रा निकालकर गुरुजी के बेगमपुर शहर के लक्ष्य से समाज को भटाकने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे में समाज बीजेपी और आम आदमी पार्टी की राजनीति से सतर्क रहें। पराधीनता का अंत और बेगमपुरा का संकल्प संतगुरु श्री रविदासजी सम्मान यात्रा जो तुगलकाबाद से धलेता गांव तक पहुंच रही है, जिसमें समूह संगत सादर आमंत्रित हैं।

भारत ने 4,800 बांग्लादेशियों को किया डिपोर्ट, ढाका कह रहा- सिर्फ 73 ही आए

- सीमा पर अवैध घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई के आंकड़ों में बड़ा अंतर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-बांग्लादेश सीमा पर अवैध घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर भारत-बांग्लादेश के आंकड़ों में बड़ा अंतर सामने आया है। भारत की ओर से जहां पश्चिम बंगाल में बीजेपी सरकार बनने के बाद करीब 4,800 लोगों को डिपोर्ट किए जाने का दावा किया गया है, वहीं बांग्लादेश का कहना है कि 2026 में अब तक उसने केवल 73 लोगों को ही स्वीकार किया है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि दोनों देशों के आंकड़ों में इतना अंतर क्यों और बाकी लोगों को कहां रखा गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोलकाता से करीब 90 किलोमीटर दूर हाकिमपुर चेकपोस्ट पर सीमा सुरक्षा बल द्वारा वाहनों को रोककर दस्तावेज और पहचान पत्रों की जांच की जा रही है। हालांकि, सीमा पर बांग्लादेश जाने वाले लोगों की कोई बड़ी भीड़ दिखाई नहीं दे रही है। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक पकड़े गए संदिग्ध लोगों को सीधे सीमा पर नहीं लाया जाता, बल्कि पहले होल्डिंग सेंटर भेजा जाता है। हाकिमपुर चेकपोस्ट पर तैनात एक बीएसएफ अधिकारी ने बताया कि कार्रवाई शुरू होने के शुरुआती दौर में सीमा पर काफी भीड़ थी। उस समय सप्ताह में करीब 10-15 बांग्लादेशियों को वापस भेजे जाने की बात कही गई, लेकिन अब कई-कई सप्ताह तक कोई व्यक्ति डिपोर्टेशन के लिए सीमा पर नहीं पहुंचता है।

अधिकारी के मुताबिक सरकार बदलने के बाद एक समय करीब 200 लोगों को सीमा के रास्ते वापस भेजा गया था। वहीं अन्य लोगों को उत्तर 24 परगना जिले में बनाए गए तीन अस्थायी होल्डिंग सेंटरों में भेज दिया गया। हाकिमपुर के अलावा पेट्रापोल और महदीपुर चेकपोस्ट पर भी इसी तरह की स्थिति नजर आई। वहां बांग्लादेश जाने वाले लोगों की कतारें या बड़ी भीड़ नहीं मिली। अधिकारियों के मुताबिक इसका एक प्रमुख कारण प्रक्रिया में बदलाव है। अब कार्रवाई के बाद लोगों को सीधे बॉर्डर पर लाने के बजाय पहले होल्डिंग सेंटर में रखा जाता है। वहां उनकी पहचान और अन्य कानूनी प्रक्रिया पूरी की जाती है। इसके बाद ही उन्हें सीमा तक ले जाकर डिपोर्टेशन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाती है। जानकारी के मुताबिक राज्य में बनाए गए 11 होल्डिंग सेंटरों में 300 से ज्यादा लोग रखे गए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक आंकड़ों को लेकर विवाद तब और बढ़ा जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 28 मई को दावा किया था कि सरकार बनने के बाद रोजाना 5,000 से 10,000 बांग्लादेशी वापस जा रहे हैं। इसके बाद 8 जून को सीएम सुवेंदु अधिकारी ने करीब 4,800 लोगों के डिपोर्ट किए जाने की बात कही थी। इसके विपरीत बांग्लादेशी अधिकारियों के आंकड़े इन दावों से काफी

अलग हैं। ढाका का कहना है कि 2026 में अब तक केवल 73 लोगों को ही स्वीकार किया गया है। 4,096 किलोमीटर लंबी भारत-बांग्लादेश सीमा पर दोनों देशों के आंकड़ों में यह अंतर अब जांच और राजनीतिक बहस का विषय बन गया है।

हर-हर महादेव और बोल बम से गूंजा मोतीझरना, दूसरी सोमवारी पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

बिभा संवाददाता

तालझारी । श्रावण मास की दूसरी सोमवारी पर बाबा मोतीनाथ धाम मोतीझरना में श्रद्धालुओं की आपार भीड़ जुटी है। सुबह से लेकर देर शाम तक मोतीझरना में बोल बम के नारों से गुंजायमान होते रहे। शिवभक्त पूजा-अर्चना के लिए हाथों में थाली लिए शिवालय की ओर जाते दिखे। बहरहाल गांव से लेकर शहर तक का वातावरण पूरे दिन भक्तिमय बना रहा। भगवान शिव की भक्ति में लोग लीन रहे। श्रद्धालु स्नान ध्यान कर हाथों में पूजा की थाली लिए शिवालयों की ओर रूख करते दिखे। जहां भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया और पूजा-अर्चना की। इस दौरान हर हर महादेव व बोलबम के जयघोष पूरे दिन शिवालयों में होते रहा। सावन माह में सोमवार के दिन भगवान शिव के जलाभिषेक का अलग महत्व है। बताते चलें कि बाबा मोतीनाथ धाम मोतीझरना प्रकृति के गोद में बसा हुआ है, यहां कभी नहीं सूखने वाला ऊची पहाड़ पर से तीव्र गति से गिरता हुआ वाटर फॉल और इसके गुफा के अंदर शिवलिंग प्राचीन शिवालयों में से एक है। यहां भगवान शिव पूरे परिवार के साथ विराजमान हैं। मंदिर में भगवान शिव के अलावा माता पर्वती, पुत्र गणेश व कार्तिकेय की भी प्रतिमा है। वही पंडित चंदन ने बताया कि राजा मानसिंह के समय से हमारे पूर्वज के द्वारा यहां पूजा अर्चना करते आ रहा है। कहा यहां सच्चे मन से जो भी श्रद्धालु जो भी मनोकामनाएं मांगती है, वह अवश्य पूरा होती है। वही मोतीझरना विकास ने बताया कि दूसरी सोमवारी को लगभग 60 से 70 हजार श्रद्धालुओं ने जल चढ़ाया है। वहीं मोतीझरना विकास समिति ने बताया कि झारखंड के अलावे पश्चिम बंगाल से काफी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं उन्होंने कहा कि तीसरी व चौथ अंतिम सोमवारी को इससे भी अधिक श्रद्धालुओं की भीड़ होने की अनुमान है। इधर श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर तालझारी थाना प्रभारी नितेश पांडे खुद मोर्चा संभालते हुए मुख्य सडक से लेकर मंदिर परिसर तक भारी संख्या में पुलिस पदाधिकारी चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात की है। वहीं पुलिस पदाधिकारी व जवान के अलावे समिति के लडके भी तैनात थे।

दुसरी सोमवार को दुधनाथ धाम में कावरियों की उमडी भीड़

तालझारी । सावन माह की दुसरी सोमवार को बाबा दुधनाथ धाम दुधकोल में हजारों कावरिया एवं श्रद्धालुओं के द्वारा पूजा-अर्चना किया गया। सावन माह की दुसरी सोमवारी होने के कारण सोमवार को दुधनाथ धाम में कावरिया एवं श्रद्धालुओं की भीड़ सुबह से ही देखने को मिल रही थी। दुधनाथ कावरिया एवं श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती जा रही थी। कावरियों की सेवा के लिए दुधनाथ समिति के द्वारा भी श्रद्धालुओं की पूजा-अर्चना कराने के लिए निरंतर मंदिर के अंदर प्रवेश के लिए कतारबद्ध तरीके से कराए जा रहे थे जिससे श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना में कोई दिक्कत न हो इस दौरान समिति के पदाधिकारी व सदस्य मौजूद थे।

धाम में पूजा-अर्चना करने के लिए

हर-हर महादेव के जयघोष के साथ

गंगा भवन को हेरिटेज स्थल घोषित कर विकसित करने की मांग, राजमहल में म्यूजियम स्थापित करने का मुद्दा विधानसभा में उठा

बिभा संवाददाता

राजमहल । राजमहल विधायक मो. ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने विधानसभा सत्र के शून्यकाल में राजमहल स्थित ऐतिहासिक गंगा भवन के संरक्षण और विकास का मुद्दा उठाया। विधायक ने सरकार से गंगा भवन को हेरिटेज स्थल घोषित कर उसका सौंदर्यीकरण एवं जीर्णोद्धार कराने तथा यहां राजमहल म्यूजियम स्थापित करने की मांग की। वहीं विधायक ने कहा कि गंगा भवन वर्तमान में पूरी तरह जर्जर स्थिति में है और परिसर में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा भी रहता है। ऐतिहासिक महत्व वाले इस स्थल को गंगा हेरिटेज स्थल के रूप में विकसित करने से राजमहल की ऐतिहासिक पहचान को संरक्षित किया जा सकेगा। साथ ही, म्यूजियम की स्थापना होने से क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि राजमहल में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। गंगा नदी के माध्यम से भी पर्यटकों का आवागमन होता रहता है। ऐसे में ऐतिहासिक राजमहल को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की दिशा में ठोस पहल की जरूरत है। विधायक के अनुसार, सरकार की ओर से मामले में सकारात्मक आश्वासन भी प्राप्त हुआ है। इधर, राजमहल शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र के लोगों ने विधायक की पहल का स्वागत करते हुए उनके प्रति आभार जताया। लोगों का कहना है कि गंगा भवन के विकास, म्यूजियम की स्थापना तथा पर्यटकों के ठहरने एवं अन्य सुविधाओं की व्यवस्था होने से राजमहल में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

उधवा से लापता दो नाबालिग छात्रा कोलकाता से बरामद

उधवा (बिभा) । राधानगर थाना क्षेत्र के पूर्वी उधवा पंचायत अंतर्गत जंगलपाड़ा गांव से बीते शनिवार को लापता हुई दो नाबालिग छात्रा पश्चिम बंगाल के कोलकाता से पुलिस ने बरामद कर लिया है। फिलहाल दोनों नाबालिग छात्रा कोलकाता के एक पुलिस स्टेशन में सुरक्षित है। मिली जानकारी के अनुसार दोनों छात्रा शनिवार की सुबह घर से विद्यालय जाने के लिए निकली थी। लेकिन छुट्टी होने के बाद घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उनकी खोजबीन शुरू की। काफी खोजबीन के बाद जब कोई अता-पता नहीं चला तब परिजनों ने राधानगर थाना पहुंचकर पुलिस को सूचना दी और छात्राओं को बरामद करने की गुहार लगाई। मामले को गंभीरता से लेते हुए राधानगर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ-साथ तकनीकी माध्यम से छात्राओं के संभावित लोकेशन का पता लगाने का प्रयास शुरू किया था। पुलिस सूत्रों के अनुसार दोनों छात्राएं पश्चिम बंगाल के कोलकाता पहुंचकर भटक रही थी। वहीं कोलकाता पुलिस ने शक के आधार पर रविवार शाम को दोनों छात्राओं को सत्यापन के लिए उनके परिजनों को इसकी सूचना दी। फिलहाल दोनों छात्राएं कोलकाता के एक पुलिस स्टेशन में है। इसकी सूचना मिलते ही राधानगर पुलिस दोनों छात्राओं की सकुशल लाने को लेकर तैयारी में जुट गए है। इस संदर्भ में राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने बताया कि कोलकाता पुलिस से सूचना मिलने के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जल्द ही दोनों छात्राओं को परिजनों के पास सुपूर्द किया जाएगा। समाचार लिखें जाने तक राधानगर पुलिस कोलकाता के लिए रवाना हो गया था।

पूर्व रेलवे

सं. ओ/एसी/टी/114/26-27 (खुली), दिनांक 06.08.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएँ (खुली) आमंत्रित की जाती हैं: **केस सं. ओ/एसी/टी/114/26-27, कार्य का नाम:** आसनसोल मंडल में ठेकेदार के मोबाइल फ़्लैश बट वेल्डिंग प्लांट के साथ साइट पर 60केजी/52केजी (90/72 यूटीएस, आर-260, (नया/एसएच/एसआर/एसडब्ल्यूआर/एलडब्ल्यूआर) रेल की फ़्लैश बट वेल्डिंग के लिए खुली निविदा। **निविदा मूल्य :** रु. 1,01,34,733.77, **बयाना राशि :** रु. 2,02,700/-, **कार्य की समापन अवधि:** 12 माह । **बंद होने की तिथि और समय:** दिनांक 03.09.2026 को 12.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** में देखा जा सकता है। ASN-208/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त खबरें

आमसभा की सहमति से शबाना आजमी बनी आंगनबाड़ी सहायिका

उधवा(बिभा) । उधवा प्रखंड क्षेत्र के अमानत दियारा पंचायत अंतर्गत नुरुल टोला में सोमवार को आंगनबाड़ी केंद्र में सहायिका पद के चयन को लेकर आमसभा का आयोजन किया गया। जानकारी के अनुसार आमसभा की अध्यक्षता बाल विकास परियोजना पदाधिकारी उधवा भारती ने किया। आमसभा में गांव के गणमान्य लोग,अभिभावक और बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रही। आमसभा में उपस्थित लोगों की सहमति से शबाना आजमी को आंगनबाड़ी सहायिका पद के लिए निर्विरोध चुन लिया गया। चयन प्रक्रिया शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। इस दौरान सीडीपीओ भारती ने बताया कि चयन सरकारी नियमों के अनुसार पूरी पारदर्शिता के साथ किया गया है। मौके पर महिला पर्यवेक्षिका सुशीला हेंब्रोम सहित अन्य मौजूद थे।

अंचल कार्यालय उधवा में 3 खवाड़ों की नीलामी संपन्न

उधवा(बिभा) । अंचल कार्यालय उधवा में सोमवार को अंचलाधिकारी आशीष कुमार मंडल की अध्यक्षता में खवाड़ की नीलामी की गई। डाक प्रक्रिया में कई लोग मौजूद रहें। डाक के दौरान कुल 6 खवाड़ों को नीलामी के लिए रखा गया था। जिसमें से 3 खवाड़ों की नीलामी सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस दौरान प्रखंड के फुदकीपुर खवाड़ के लिए अधिकतम बोली बहत्तर हजार एक सौ रुपये में डाक हुआ। वहीं आतापुर खवाड़ के लिए अधिकतम बोली 15 हजार दो सौ तथा असमत टोला खासमहल खवाड़ के लिए अधिकतम बोली 9 हजार पांच सौ रुपए में डाक हुआ। वहीं अन्य 3 खवाड़ों के लिए कोई बोलीदाता उपस्थित नहीं होने के कारण डाक नहीं हो सका?। इस संबंध में अंचलाधिकारी आशीष कुमार मंडल ने बताया कि जिन खवाड़ों का डाक नहीं हो सका है। उनके लिए अगले आदेश तक पुनः डाक की तिथि घोषित की जाएगी। मौके पर अंचल निरीक्षक हैदर अली,राजस्व कर्मचारी लक्ष्मी कुमार साहा,लिपिक मो. सेराजुल हक सहित अन्य मौजूद थे।

झामुमो कार्यकर्ताओं ने मनाया मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का जन्मदिन

राजमहल(बिभा) । मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के जन्मदिन के अवसर पर सोमवार को राजमहल निरीक्षण भवन में झामुमो कार्यकताओं ने कार्यक्रम आयोजित कर जन्मदिन मनाया । वहीं कार्यक्रम का नेतृत्व विधायक प्रतिनिधि सह नगर पंचायत उपाध्यक्ष मोहम्मद मारूफ उर्फ गुड्डू ने किया। इस दौरान प्रखंड एवं नगर क्षेत्र के झामुमो कार्यकर्ता मौजूद रहे। वहीं कार्यकताओं ने केक काटकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का जन्मदिन मनाया और एक- दूसरे को केक खिलाकर खुशी का इजहार किया। मौके पर कार्यकताओं ने मुख्यमंत्री के स्वस्थ एवं दीघार्यु जीवन की कामना की। कार्यकताओं ने कहा कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड सरकार जनहित एवं विकास के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रही है। विधायक प्रतिनिधि मोहम्मद मारूफ उर्फ गुड्डू ने मुख्यमंत्री को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ एवं दीघार्यु जीवन की कामना की।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य के विकास और आम लोगों के हित में लगातार कार्य किया जा रहा है। मौके पर प्रखंड एवं नगर क्षेत्र के झामुमो कार्यकताओं ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष अनिसुर रहमान, प्रखंड सचिव दुर्गा मंडल, नगर सचिव स्मित चौरसिया, विजय यादव, अजय दास, मोहम्मद मुनाजिर, बासुदेव मंडल सहित मौजूद थे।

किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक से जोड़ने पर जोर, आत्मा शासकीय निकाय की बैठक में बनी कार्ययोजना

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में सोमवार को उपायुक्त दीपक कुमार दुबे की अध्यक्षता में आत्मा शासकीय निकाय की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में संचालित योजनाओं की समीक्षा करते हुए किसानों को आधुनिक एवं उन्नत कृषि तकनीकों से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया। वहीं बैठक में वर्ष 25-26 के दौरान आत्मा के माध्यम से आयोजित प्रशिक्षण, अंतर्राज्यीय, राज्यस्तरीय एवं जिलास्तरीय कृषक परिभ्रमण तथा कृषि से संबंधित प्रत्यक्षण कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। साथ ही वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना और प्रस्तावित गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा हुई। साथ ही उपायुक्त ने निर्देश दिया कि अंतर्राज्यीय प्रशिक्षण एवं परिभ्रमण के लिए ऐसे संस्थानों और राज्यों का चयन किया जाए, जहां किसानों को नई एवं उन्नत कृषि तकनीकों तथा नवाचारों की जानकारी मिल सके। उन्होंने उपलब्ध वित्तीय संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए किसानों को प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रशिक्षण दिलाने पर जोर दिया। वहीं बैठक में 25 किसानों के दल को आईआईवीआर वाराणसी में सब्जी उत्पादन, पूसा समस्तीपुर में मधुमक्खी पालन तथा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मशरूम रिसर्च, सोलन में मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण दिलाने के प्रस्ताव पर चर्चा हुई। वहीं पलांडू रांची, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय रांची और दिव्यायन कृषि विज्ञान केंद्र रांची में राज्यस्तरीय प्रशिक्षण के प्रस्ताव पर भी विचार किया गया। वहीं कृषि प्रत्यक्षण के लिए जिले को कुल 45 इकाइयों का लक्ष्य मिला है। प्रत्येक प्रखंड में मड़ुवा, सब्जी, चना, राजमा और मटर की पांच-पांच इकाइयां स्थापित कर लक्ष्य पूरा करने की योजना है। वहीं कृषक परिभ्रमण के तहत आईआईएचआर बेंगलुरु, आईआईपीआर कानपुर अथवा माउंट आबू स्थित प्रजापिता ईश्वरीय ब्रह्मकुमारी विश्वविद्यालय सहित विभिन्न संस्थानों के भ्रमण का प्रस्ताव रखा गया। राज्यस्तरीय भ्रमण के लिए देवघर के साईं इंटीग्रेटेड एग्रोफार्म, कृषक पाठशाला करों और एग्रोटेक किसान मेला रांची को प्रस्तावित किया गया। जिले के अंदर किसानों के भ्रमण के लिए कृषि विज्ञान केंद्र साहिबगंज, तालझारी एवं मंडरो में मछली उत्पादन केज कल्चर, तथा साहिबगंज, राजमहल और बरहरवा में संचालित कृषक पाठशालाओं का चयन किया गया। इसके अलावा विभिन्न मशरूम उत्पादन केंद्रों और बीज वितरण से संबंधित संकुलों के भ्रमण पर भी चर्चा हुई। बैठक में खाद्य सुरक्षा समूह, सीड मनी तथा सीआईजी/एफआईजी मोबिलाइजेशन कार्यक्रम के तहत जेएसएलपीएस के महिला समूहों के माध्यम से वर्षभर कृषि संबंधी प्रशिक्षण आयोजित करने की बात कही गई। कृषक पाठशाला के माध्यम से मड़ुवा, राजमा, चना, मटर, सब्जी और मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण देने का निर्णय लिया गया। साथ ही उपायुक्त ने कहा कि कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक पद्धति और नवाचार को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। प्रशिक्षण एवं अध्ययन भ्रमण से प्राप्त ज्ञान को अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाकर उनकी आय बढ़ाने और कृषि को लाभकारी एवं टिकाऊ बनाने की दिशा में कार्य किया जाए। मौके पर परियोजना निदेशक आईटीडीए, जिला कृषि पदाधिकारी, कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक, अग्रणी बैंक प्रबंधक, डीडीएम नाबार्ड, भूमि संरक्षण पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र, जिला कार्यक्रम प्रबंधक जेएसएलपीएस, उप परियोजना निदेशक आत्मा सहित समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर बैंक अधिकारियों संग बैठक

साहेबगंज । आगामी 12 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहेबगंज की ओर से जिले के विभिन्न बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत ने की। कहा झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देश एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित बैठक में अधिक से अधिक बैंकिंग एवं वित्तीय मामलों का आपसी समझौते के आधार पर त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने पर चर्चा हुई। वहीं सचिव ने बैंक अधिकारियों को लंबित मामलों को चिह्नित कर संबंधित पक्षकारों को लोक अदालत के माध्यम से मामलों के निपटारे के लिए प्रेरित करने तथा आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

नेटवर्क विहीन व कमजोर नेटवर्क वाले क्षेत्रों में मोबाइल सेवा होगी सुदृढ़

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । साहेबगंज जिले के नेटवर्क विहीन एवं कमजोर नेटवर्क वाले क्षेत्रों में मोबाइल कनेक्टिविटी मजबूत करने को लेकर सोमवार को उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दुबे की अध्यक्षता में जिला दूरसंचार समिति की बैठक हुई। बैठक में मोबाइल नेटवर्क से वंचित क्षेत्रों में नेटवर्क अधिष्ठापन से संबंधित ऑनलाइन प्राप्त आवेदनों की समीक्षा की गई। वहीं समीक्षा के दौरान जिन आवेदनों में आवश्यक दस्तावेजों की कमी पाई गई, उन्हें संबंधित आवेदकों को ऑनलाइन माध्यम से वापस करने का निर्देश दिया गया, ताकि दस्तावेजों की पूर्ति के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा सके। साथ ही बैठक में जिले के दियारा एवं पहाड़ी क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क की स्थिति पर विशेष चर्चा हुई। दियारा क्षेत्र के पलाशगाछी एवं मशना तथा पहाड़ी क्षेत्र के दुर्गा टोला, तेतरिया एवं पहाड़पुर सहित अन्य नेटवर्क विहीन एवं कमजोर नेटवर्क वाले इलाकों में मोबाइल नेटवर्क स्थापित करने और कनेक्टिविटी मजबूत करने के लिए बीएसएनएल को आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया गया। वहीं उपायुक्त ने दूरसंचार कंपनियों के प्रतिनिधियों को नेटवर्क से वंचित क्षेत्रों का सर्वेक्षण कर प्राथमिकता के आधार पर मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों के लोगों को बेहतर संचार सुविधा उपलब्ध कराने के लिए नेटवर्क विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जाए। मौके पर कार्यपालक दंडाधिकारी सह प्रभारी जिला सामान्य शाखा प्रमोद आनंद, नगर प्रशासक साहेबगंज अभिषेक कुमार सिंह, नगर प्रशासक राजमहल दानिश हुसैन, नगर प्रशासक बरहरवा दीपक कुमार, डीपीएम यूआईडीएआई संदीप कुमार सहित बीएसएनएल, जियो एवं एयरटेल के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना की जिला स्तरीय अनुमोदन एवं अनुश्रवण समिति की हुई बैठक

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के अंतर्गत जिला स्तरीय अनुमोदन एवं अनुश्रवण समिति की बैठक उपायुक्त दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित की गई। वहीं बैठक के दौरान मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत प्राप्त आवेदनों एवं पात्र लाभुकों को उपलब्ध कराई जाने वाली स्वास्थ्य सहायता से संबंधित मामलों की समीक्षा की गई। समिति के समक्ष कुल 211 लाभुकों के मामलों को सहायता हेतु अनुशंसा के लिए प्रस्तुत किया गया। समीक्षा के उपरांत उपायुक्त द्वारा 167 लाभुकों के मामलों को स्वास्थ्य सहायता हेतु अनुमोदित किया गया। इनमें अनुसूचित जनजाति के 34, अनुसूचित जाति के 19 तथा पिछड़ा वर्ग के 114 लाभुकों के मामले शामिल हैं। वहीं, आवश्यक दस्तावेजों की कमी के कारण 44 लाभुकों के मामलों पर वर्तमान बैठक में अनुमोदन नहीं किया जा सका। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि इन मामलों में नियमानुसार आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ति कराते हुए आगामी बैठक से पूर्व सभी अभिलेख उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। ज्ञात हो कि झारखंड सरकार के अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत पात्र लाभुकों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। साथ ही बीमारी के दौरान आजीविका के नुकसान की भरपाई करना और इलाज के बाद पौष्टिक आहार के लिए आर्थिक संबल प्रदान करना। वयस्क मरीजों के लिए, अस्पताल में इलाज की अवधि 7 दिनों से कम होने पर 3 हजार रुपये, जबकि 7 दिनों से अधिक इलाज या गंभीर सर्जरी/बीमारी की स्थिति में 5 हजार रुपये तक की सहायता दी जाती है। वहीं, कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के लिए 25 हजार रुपये तक की विशेष सहायता का प्रावधान है। बच्चों यानी अवयस्क मरीजों के लिए बीमारी या उपचार की स्थिति के अनुसार 1 हजार 500 रुपये से 5 हजार रुपये तक की सहायता दी जाती है। वहीं कोविड-19 संक्रमण की स्थिति में होम आइसोलेशन के लिए 5 हजार रुपये, जबकि अस्पताल में भर्ती होकर इलाज कराने पर 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता का प्रावधान है। वहीं योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए आवश्यक दस्तावेजों में राशन कार्ड, ऑनलाइन निर्गत जाति प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र या आधार कार्ड, सिविल सर्जन अथवा मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी द्वारा जारी बीमारी का प्रमाण पत्र तथा बैंक पासबुक की प्रति शामिल है। मौके पर परियोजना निदेशक, आईटीडीए संजय कुमार दास, सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान सहित संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी सूचना

सं. सीओएम/एनएफआर/सीपीआरओ/मालदा/2026 **दिनांक 06.08.2026**

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, मालदा (नीलामी संचालन अधिकारी), मालदा टाउन, ऑफिस बिल्डिंग, डाकघर: झलझलिया, जिला मालदा, पिन:732102 (पश्चिम बंगाल) ने मालदा मंडल के तहत विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर एटीएम, ऑन-डिमांड बेडरोल सर्विस, स्लीपिंग पॉड्स, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, टू-व्हीलर और अन्य पार्सल पैकिंग सर्विस, बैटरी ऑपरेटेड सर्विस, इमरजेंसी मेडिकल रूम, सैलून, मोबाइल स्टोर, रिटेल स्टोर, विज्ञापन बोर्ड (ओओएच, आरडीएन-नॉन-डिजिटल), आईपीआईएस, क्लॉक रूम, एसी वेटिंग रूम, मल्टी-फंक्शनल कॉम्प्लेक्स और मेडिकल स्टोर के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है, जिसके लिए ई-ऑक्शन कैटलॉग **www.ireps.gov.in** पर प्रकाशित किया गया है। **(1) ऑक्शन कैटलॉग नं.**: एनएफआर-एमआईएससी-एमएलडीटी, **नीलामी शुरू होने की तिथि** : 21.08.2026 को 11.00 बजे। **मालदा मंडल के तहत मल्टी-फंक्शनल कॉम्प्लेक्स, सैलून और मेडिकल स्टोर । क्रम सं., लॉट सं., कैटेगरी, स्टेशन** निम्नानुसार हैं: **एए/1,** एमएसएस-एमएलडीटी-बीएचडब्ल्यू-एमईडीएसटीएन-106-26-1, मेडिकल स्टोर, बड़हरवा। **एबी/1,** एमएसएस-एमएलडीटी-बीएचडब्ल्यू-एसएस-105-26-1, सैलून सेवा, बड़हरवा। **एसी/1,** एमएसएस-एमएलडीटी-एनएफके-एमएफसी-104-26-1, मल्टी-फंक्शनल कॉम्प्लेक्स, न्यू फरक्का। **एसी/2,** एमएसएस-एमएलडीटी-जेएमपी-एमएफसी-107-26-1, मल्टी-फंक्शनल कॉम्प्लेक्स, जमालपुर। **(2) ऑक्शन कैटलॉग नं.**: एटीएम-2026-16, **नीलामी शुरू होने की तिथि** : 17.08.2026 को 11.00 बजे। **गोड्डा स्टेशन पर एटीएम। क्रम सं., लॉट सं./कैटेगरी, स्टेशन** निम्नानुसार हैं : **एए/1,** एटीएम-एमएलडीटी-जीओडीए-जीईएन-49-26-1, गोड्डा। **(3) ऑक्शन कैटलॉग नं.**: एडीवीटी-एमएलडीटी-29, **नीलामी शुरू होने की तिथि** : 17.08.2026 को 11.00 बजे। **मालदा मंडल के तहत विज्ञापन (ओओएच, आरडीएन नॉन-डिजिटल) और आईपीआईएस । क्रम सं., लॉट सं./कैटेगरी, स्टेशन** निम्नानुसार हैं: **एए/1,** एडीवीटी-एमएलडीटी-बीजीपी-ओएच-214-24-1, सुल्तानगंज। **एबी/1,** एडीवीटी-एमएलडीटी-एमएलडीटी-ओएसडी-226-26-1, बड़हरवा। **एसी/1,** एडीवीटी-एमएलडीटी-एमएलडीटी-ओएसएन-194-23-1, सुल्तानगंज। **(4) ऑक्शन कैटलॉग नं.**: मोब-जेन-29, **नीलामी शुरू होने की तिथि** : 17.08.2026 को 11.00 बजे। **ट्रेन नं. 13433/13434/13435/13436 एमएलडीटी-एसएमवीबी-एमएलडीटी जीटीएनआर-एमएलडीटी अमृत भारत एक्सप्रेस की ट्रेनों के नॉन-एसी स्लीपर क्लास कोचों में ऑन डिमांड बेड रोल सर्विस। क्रम सं., लॉट सं., स्टेशन** निम्नानुसार हैं : **एए/1,** एमएमएस-मोबजेन-287447-1-26-1, मालदा टाउन। **(5) ऑक्शन कैटलॉग नं.**: एमआईएससी-एमएलडीटी-29, **नीलामी शुरू होने की तिथि** : 17.08.2026 को 11.00 बजे। **मालदा मंडल के तहत एमएसआईसी-स्टैटिक कैटेगरी। क्रम सं., लॉट सं., कैटेगरी, स्टेशन** निम्नानुसार हैं: **एए/1,** एमएसएस-एमएलडीटी-जेएमपी-एसएलपॉड-98-26-2, स्लीपिंग पॉड, जमालपुर। **एबी/1,** एमएसएस-एमएलडीटी-एमएलडीटी-डब्ल्यूएसटीएमजीटी-89-26-1, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, मालदा टाउन। **एसी/1,** एमएसएस-एमएलडीटी-एमएलडीटी-टीडब्ल्यूएनओपीएस-101-26-1, टू-व्हीलर और अन्य पार्सल पैकिंग सर्विस, मालदा टाउन। **एसी/2,** एमएसएस-एमएलडीटी-बीजीपी-टीडब्ल्यूएनओपीएस-102-26-1, टू-व्हीलर और अन्य पार्सल पैकिंग सर्विस, भागलपुर। **एडी/1,** एमएसएस-एमएलडीटी-एनएफके-बीसीए-88-26-1, बैटरी ऑपरेटेड कार्ट, न्यू फरक्का। **एई/1,** एमएसएस-एमएलडीटी-एमएलडीटी-एमईडीएसटीएन-82-26-1, इमर्जेंसी मेडिकल स्टोर, मालदा टाउन। **एएफ/1,** एमएसएस-एमएलडीटी-केटीजे-एसएस-59-25-1, सैलून सर्विस, खालतीपुर। **एएफ/2,** एमएसएस-एमएलडीटी-एमएलडीटी-एसएस-73-26-1, सैलून सर्विस, मालदा टाउन। **एजी/1,** एमएसएस-एमएलडीटी-जेएमपी-मोबस्टोर-44-25-1, मोबाइल स्टोर, जमालपुर। **एजी/2,** एमएसएस-एमएलडीटी-एमएलडीटी-मोबस्टोर-74-26-1, मोबाइल स्टोर, मालदा टाउन। **एजी/3,** एमएसएस-एमएलडीटी-केटीजे-मोबस्टोर-58-25-1, मोबाइल स्टोर, खालतीपुर। **एएच/1,** एमएसएस-एमएलडीटी-एमएलडीटी-एसटीजीईएन-76-26-2, रिटेल स्टोर, मालदा टाउन। **(6) ऑक्शन कैटलॉग नं.**: पीएनयू-एमएलडीटी-29, **नीलामी शुरू होने की तिथि** : 19.08.2026 को 11.15 बजे। **मालदा मंडल के तहत क्लॉक रूम और एसी वेटिंग लाउंज। क्रम सं., लॉट सं., कैटेगरी, स्टेशन** निम्नानुसार हैं: **एए/1,** पीएनयू-एमएलडीटी-एमएलडीटी-डब्ल्यूआरएल-48-25-1, क्लॉक रूम, मालदा टाउन। **एए/2,** पीएनयू-एमएलडीटी-एसवीआरपी-डब्ल्यूआरएल-59-26-2, एसी वेटिंग लाउंज, शिवनारायणपुर। प्रत्याशित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि विस्तृत जानकारी के लिए आईआरईपीएस ई-ऑक्शन मॉड्यूल देखें। MLD-159/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

बाबा आम्रेश्वर धाम में दूसरी सोमवारी को उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

बिभा संवाददाता

खूँटी। झारखंड में भोलेनाथ की दूसरी बड़ी नगरी खूँटी जिले के बाबा आम्रेश्वर धाम में श्रावणी माह के दूसरे सोमवार अस्सी हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने स्वयंभू महादेव को जलाभिषेक किया। इसके लिए ब्रम्हमुहूर्त से ही लोगों की भीड़ लगी रही। इसके पूर्व बनई नदी में आधीरात से ही स्नान करके बाबा आम्रेश्वर धाम के लिए पैदल निकल पड़े थे। जहाँ एक मेला का स्वरूप सा प्रतीत हो रहा था। सारे जगह बोल-बम का नारा लग रहा था। वहीं श्रद्धालु गर्भगृह में घुसने और स्वयंभू महादेव का दर्शन और उन्हें जल अर्पित करने के लिए उमड़ पड़े थे। रातभर नदी में स्नान करके एक बजे से ही जल उठाना शुरू किया और सी कॉंवर लेकर बाबा आम्रेश्वर धाम पहुंचे और जैसे ही गर्भगृह का पट्ट खुला बोल बम की जयकारों से धाम परिसर गुंजायमान हो उठा। महिला हो या पुरुष। सभी कतारबद्ध होकर पूजा अर्चना किया। बाबा आम्रेश्वर धाम में देर शाम तक 60 हजार से अधिक लोग हजार ने जलाभिषेक कर किया। जिनकी सुरक्षा और सुविधा के लिए इस प्रकार बाबा भोलेनाथ स्वयंभू महादेव को श्रद्धासुमन अर्पित करने की श्रद्धा व भक्ति का समावेश बाबा आम्रेश्वर धाम में देखने को मिला।

बाबा आम्रेश्वर भोलेनाथ का श्रद्धालुओं देखा स्वयंभू महादेव का रक्षार्थ चमत्कार

बाबा आम्रेश्वर भोलेनाथ का चमत्कार सोमवार की शाम श्रद्धालुओं ने अपने आँखों से देखा। जब शाम को बारिश के साथ हुई तो गर्भगृह के बाहर वज्रपात हो गयी। लेकिन किसी को खरोंच तक नहीं आयी। इसे श्रद्धालु भोलेनाथ का चमत्कार मान रहे हैं। सोमवार शाम को अचानक हुए वज्रपात को अपने आगोश में ले लिया। ये वाकया के बाद भोलेनाथ को लोगों ने नमन किया और कहा कि भोलेनाथ सभी के रक्षा कर्ता हैं। जो विषपान करके भी देवताओं की रक्षा किये थे। वहीं बाबा आम्रेश्वर धाम में भी भोलेनाथ स्वयंभू महादेव ने अपने भक्तों को खरोंच तक नहीं होने दिया। वहीं भक्तों का आवागमन जारी है।

राहे, सोनाहातु में देशव्यापी जेलभरो आन्दोलन, 163 किसानों ने दी गिरफ्तारी, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

बिभा संवाददाता

सिल्ली : संयुक्त किसान मोर्चा एवं ट्रेड यूनियन मोर्चा के देशव्यापी जेलभरो आन्दोलन के तत्वावधान में झारखंड राज्य किसान सभा द्वारा राजपथ राहे में ढाई घंटा एवं सोनाहातु में 3 घंटे रास्ता रोको के माध्यम से 163 किसानों ने दी गिरफ्तारी तथा राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू के नाम पर थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा गया। झारखंड राज्य किसान सभा के महासचिव सुफल महतो ने कहा किसान विरोधी भारत - अमेरिका व्यापार समझौता भारतीय किसानों के लिए मौत की घंटी है, अमेरिकी उत्पादों के लिए मुक्त भारतीय बाजार भारतीय किसानों को बबार्दी के कगार पर खड़ा कर देगा, एम-एस पी की कानूनी गारंटी देने में मोदी सरकार बिफल हैं, नतीजा के तौर पर देश में अन्नदाता किसान आत्महत्याएं लगातार बढ़ रही है, पेपर लीक एवं नौकरी बेचने के खिलाफ छात्र आंदोलन की मांगें पूरा करें सरकार। 17 अगस्त को देश के विधायक/ सांसदों/ मंत्रीओ तथा विपक्ष के नेता को ज्ञापन ,3 अक्टूबर लखिमपुर खीरी शहादत दिवस पर हर गांवों में किसान पंचायत तथा 26 नवंबर बड़े किसान आन्दोलन का शुरूआत होंगा।इस अवसर पर झारखंड राज्य किसान कौंसिल सदस्य उमेश महतो, जयपाल सिंह मुंडा,बिसमबर महतो, जनवादी महिला समिति के जिला अध्यक्ष सह पूर्व जिला परिषद सदस्य रंगोवती देवी,जिला सचिव रतन महतो,जिला किसान कोंसिल सदस्य शोभाराम महतो, प्रेम चंद पातर,घुरन पातर, पांडू राम मुंडा, हरिश्चंद्र प्रमाणिक,बसंत मुंडा,करमी देवी, उर्जला कुमारी,सोमा मुंडा,कनक मुंडा, जगन्नाथ मुंडा, राजेंद्र सिंह मुंडा,जीतू महतो, नारायण महतो, रामसिंह लोहरा, सांकरा महतो,,महरूम महतो, बलराम महली, हिन्दु पाहान, कृष्ण मुंडा, रूपचन्द्र महतो, विश्वनाथ कुम्हार, उपेन्द्र बडाईक,अशोक महतो, कलेवर मुंडा, सुनील महतो, भोंदू मुंडा, सुबोध महतो,दुर्गाचरण महतो सहित काफी संख्या में किसान उपस्थित थे। भारत - अमेरिका व्यापार समझौता रद्द करो,बीज और बिजली विधेयक रद्द करो,4 लेबर कोड रद्द करो, किसानों के फसलों के लिए एम-एस पी की कानूनी गारंटी करना होगा, झारखंड में हाथियों के आतंक से निजात दिलाओ,पेपर लीक एवं नौकरी बेचने पर रोक लगाओ, झारखंड में चल रहे छात्र आन्दोलन के मागे पूरा करो, दिल्ली छात्र आन्दोलन पर बर्बर लाठीचार्ज की न्यायिक जांच करो एवं झूठे मुकदमे वापस लो, मनरेगा पुनः बहाल करो, सर्वाधिक महंगाई, बेरोजगारी, नीजीकरण , पलायन - विस्थापन पर रोक लगाओ, जबरन जमीन अधिग्रहण पर रोक लगाओ,सभी के लिए खाद्य सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य की गारंटी करो, आदि नारे लग रहे थे।

संक्षिप्त खबरें

कसमार में सेवा भारती ने कराया सामूहिक जलाभिषेक, धर्म और संस्कृति के प्रति जागरूकता का दिया संदेश

तोरपा(बिभा)। सावन माह के अवसर पर सोमवार को खूंटी जिले के तोरपा प्रखंड अंतर्गत कसमार गांव में सेवा भारती की ओर से सामूहिक जलाभिषेक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं एवं ग्रामीणों ने श्रद्धा के साथ भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। इस अवसर पर जिला संयोजक मुसाफिर विश्वकर्मा ने कहा कि सावन का महीना भगवान भोलेनाथ की आराधना का पवित्र समय है। जलाभिषेक की परंपरा हमारी संस्कृति और धार्मिक पहचान का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं में धर्म और संस्कृति के प्रति विशेष श्रद्धा होती है। सामूहिक रूप से जलाभिषेक करने से धार्मिक आस्था मजबूत होती है और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। उन्होंने कहा कि नारी देश और समाज की पहचान है तथा उसमें अपार शक्ति है। महिलाओं में समाज को सही दिशा देने की भावना जागृत करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में सेवा भारती की जिला उपाध्यक्ष प्रतिमा देवी, सेवा सारथी, प्रखंड संयोजक जगदीश मांझी, निर्मला कुमारी, प्रांत श्रद्धा जागरण प्रमुख सुमन उरांव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

जेल भरो अभियान के तहत किसानों ने किया सड़क जाम, एक घंटे ठप रहा आवागमन

तोरपा (बिभा)। झारखंड राज्य किसान सभा एवं संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर सोमवार को जेल भरो अभियान के तहत तोरपा प्रखंड क्षेत्र के हुसिर पंचायत के हुसिर सहित 8 से 10 गांवों के करीब 200 महिला-पुरुष ग्रामीणों ने विभिन्न मांगों को लेकर खूंटी-कोलेबिरा राज्य उच्च पथ-3 को दियांकेल गांव के समीप करीब एक घंटे तक जाम कर दिया। किसान सभा के सदस्यों और ग्रामीणों के सड़क पर उतरते ही मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। सड़क जाम की सूचना मिलने पर तोरपा थाना प्रभारी मनीष कुमार एवं अंचल अधिकारी पूजा बिन्हा दलबल के साथ दियांकेल पहुंचे। अधिकारियों ने प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी मांगों की जानकारी ली। ग्रामीणों ने अपनी मांगों को विस्तारपूर्वक रखते हुए कहा कि जंगली हाथियों के आतंक से प्रभावित किसानों को अविलंब उचित मुआवजा दिया जाए। अंचल कार्यालय में जमीन की ऑनलाइन रसीद में हो रही गड़बड़ी को दूर किया जाए। इसके अलावा ग्रामीणों ने बिजली संशोधन अधिनियम 2025 को रद्द करने, सभी कृषि उत्पादों की वैधानिक न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद की गारंटी सुनिश्चित करने तथा भूमि बैंक को रद्द कर वर्ष 2018-19 का सामुदायिक वन पट्टा उपलब्ध कराने की मांग की। अधिकारियों से वार्ता के बाद सड़क जाम समाप्त हुआ और मार्ग पर वाहनों का परिचालन सामान्य हो सका।

लोटा के कोचाटोला में 63 केवीए ट्रांसफॉर्मर का उद्धघाटन वार्ड सदस्य सरला देवी ने किया

सिल्ली(बिभा) : रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष सह कांके प्रखंड प्रमुख सोमनाथ मुंडा के पहल पर एवं सिल्ली प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष कार्तिक चन्द्र महतो के अथक प्रयास से सिल्ली प्रखंड के पंचायत लोटा के गांव कोचाटोला में 63 केवीए के ट्रांसफॉर्मर मंगवाया गया। ट्रांसफॉर्मर का वार्ड सदस्य सरला देवी के द्वारा विधिवत पूजा अर्चना कर उद्धघाटन किया गया। गांव के बिपोतारण मुंडा ने बताया कि पिछले कई दिनों से 63 केवीए का विजली ट्रांसफॉर्मर खराब था। विजली उपभोक्ता एवं इस क्षेत्रों के लोगों को अंधेरे में रहना पड़ रहा था। लेकिन अब गांव कोचाटोला के ग्रामीणों को विजली मिल गयी है। इस मौके पर उमेश चंद्र महतो, अजय गोराई,दुःखी राम सिंह मुंडा,सुरेंद्र गोराई,दिवाकर मुंडा,महेश गोराई,शिबू मुंडा, बिना देवी, फूलोरेणु देवी,यशोदा देवी, विकास गोराई, ग्रामीण के साथ ही बिजली मिस्त्री चन्द्र मोहन महतो,गंगाधर महतो, जयप्रकाश महतो, सुफल वेदिया इत्यादि ग्रामीण उपस्थित हुए।

विकसित भारत जी राम जी योजना कार्य के लिए जिलास्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला

बिभा संवाददाता

खूँटी। विकसित भारत जी राम जी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं योजनाओं की बेहतर प्लानिंग को लेकर जिला स्तर पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ उप विकास आयुक्त, खूंटी श्री प्रवीण कुमार प्रकाश द्वारा किया गया।

कार्यशाला में विकसित भारत जी राम जी के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही योजना के अंतर्गत शामिल कुल 318 प्रकार की योजनाओं के संबंध में प्रतिभागियों को जानकारी प्रदान की गई। पंचायत स्तर पर विकसित ग्राम पंचायत प्लान (वीजीपीपी) तैयार करने तथा इसकी प्रक्रिया के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया।

वीजीपीपी तैयार करने में तकनीकी के उपयोग के साथ जीआईएस एवं एआई तकनीक तथा Yuktdhara पोर्टल के माध्यम से योजनाओं की प्लानिंग एवं चयन की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। इसके अलावा विकसित भारत जी राम जी योजना के अंतर्गत एसएनए-स्पर्श एवं डीबीटी स्पर्श के माध्यम से भुगतान प्रणाली के संबंध में भी विस्तार से बताया गया।

उप विकास आयुक्त ने निर्देश दिया कि 15 अगस्त से पूर्व प्रखंड स्तर के सभी कर्मियों एवं पंचायत स्तर के सभी कर्मियों को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करना सुनिश्चित किया जाए, ताकि योजना का प्रभावी एवं सुचारु क्रियान्वयन किया जा सके।

कार्यशाला में मुख्य रूप से श्री रजनीकांत, परियोजना पदाधिकारी, विकसित भारत जी राम जी, सभी प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, ग्राम रोजगार सेवक, कंप्यूटर ऑपरेटर एवं प्रदान संस्था के प्रतिनिधि सहित संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

स्वयं सहायता समूहों और आजीविका गतिविधियों को गति देने का निर्देश

बिभा संवाददाता

खूँटी। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त मो. जावेद हुसैन की अध्यक्षता में झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन सोसाइटी एवं सहकारिता विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक हुई। इसमें स्वयं सहायता समूहों के सशक्तीकरण, बैंक ऋण, कृषि एवं गैर-कृषि आधारित आजीविका गतिविधियों की समीक्षा की गई।

उपायुक्त ने मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ने तथा मुरहू और तोरपा में परिक्रामी निधि की प्रगति सुधारने का निर्देश दिया। बैंकों के समन्वय से ऋण मेला आयोजित कर 200 मुद्रा ऋण उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया। लंबित 31 बीमा दावों का शीघ्र निष्पादन कराने को कहा गया।

हल्दी, अदरक, टमाटर, पशु आहार एवं इमली आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया गया। प्रत्येक प्रखंड में एक पंचायत में कचरा प्रबंधन शुरू कराने तथा अफीम प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को वैकल्पिक आजीविका से जोड़ने पर जोर दिया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त प्रवीण कुमार प्रकाश सहित संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

सिल्ली में कुशवाहा जागरण मंच की विशाल कांवड़ यात्रा, स्वर्णरेखा नदी से जल लाकर शिव मंदिर में किया जलाभिषेक

बिभा संवाददाता

सिल्ली: सावन माह के पावन अवसर पर कुशवाहा जागरण मंच सिल्ली के तत्वावधान में सोमवार को विशाल कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में बड़ी संख्या में महिला और पुरुष श्रद्धालु भक्ति भाव के साथ शामिल हुए। ₹बोल बम₹ और ₹हर हर महादेव₹ के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। यात्रा की शुरूआत मुरी स्थित स्वर्णरेखा नदी के हिंडाल्को घाट से हुई। पंडित द्वारा विधि-विधान के साथ सभी कांवड़ियों का संकल्प कराया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने पवित्र जल लेकर पैदल यात्रा शुरू की। भक्ति गीतों के बीच कांवड़िये सिल्ली मंडप टोला स्थित शिव मंदिर पहुंचे। मंदिर पहुंचकर सभी ने बाबा भोलेनाथ को जल अर्पित कर जलाभिषेक किया। तत्पश्चात रुद्राभिषेक किया गया और क्षेत्र की सुख, शांति व समृद्धि की कामना की गई। पूजा संपन्न होने के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। संध्या में मंदिर परिसर में आरती का आयोजन हुआ, जिसमें सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कुशवाहा जागरण मंच के पदाधिकारियों ने बताया कि इस कांवड़ यात्रा का उद्देश्य समाज में धार्मिक एकता और सद्भाव का संदेश देना है। यात्रा को सफल बनाने में मंच के सभी सदस्यों और स्थानीय लोगों का सराहनीय सहयोग रहा।

महिलाओं के कलश यात्रा में गूंजा हर-हर महादेव की आवाज

खूँटी। जिले के कर्रा प्रखंड के बकसपुर पंचायत के किनू टोली में सोमवार को महिलाओं की शिव श्रद्धा भाव भक्ति प्रभावी रहा। जहाँ 101 महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली। पवित्र माह सावन के दूसरे सोमवार को सर्व प्रथम सुबह बक्सपुर पंचायत के महिलाओं ने किनू टोली स्थित बजरंग बली मंदिर में एकत्रित हुए और नंगे पाँव करीब दो किलोमीटर दूर कारो नदी पहुँचे और नदी में ही स्नान किये साथ ही सभी महिलाएँ गेरुआ साड़ी और वस्त्र पहनी। पंडित द्वारा विधि विधान के साथ पुजा और मंत्रोच्चारण करने के बाद सभी महिलाओं ने नदी से जल उठाई और हर हर महादेव, बम-बम भोले, जय बजरंगबली का उद्घोष लगाते हुए किनू टोली गांव पहुंच कर गांव का भ्रमण करने के बाद शिवालय में सभी महिलाएं ने जल अभिषेक किया। महिलाओं ने शिव शंकर भोलेनाथ से प्रार्थना किये की क्षेत्र में हरियाली और खुशीहाली बना रहे। सभी व्यक्ति के चहरे में हमेशा मुस्कान रहें साथ ही हमारे देश में कोरोना जैसे महामारी बिमारी कभी ना हो। सभी व्यक्ति एक दुसरे से आदर और प्रेम का भावना रखें।

आपत्तिजनक कार्य करते हुए लड़की का विडियो लड़के ने किया वायरल

लड़की का रिश्ता टूटा , पीड़िता द्वारा मामला दर्ज के बाद आरोपी को जेल

बिभा संवाददाता

खूँटी। जिले में प्रेम प्रसंग में विश्वास को तार-तार कर देने का मामला सामने आया है। घटना अड़की थाना क्षेत्र की है। जहाँ सिंदरी गाँव का लड़का 45 वर्षीय मोहन रविदास ने प्यार के विश्वास को तार तार कर दिया। जिसमें गांव के पास की एक टोला में रहनेवाली लड़की से प्यार किया और आपत्तिजनक विडियो बना लिया। पीड़िता के अनुसार, विगत 2020ई से आरोपी और पीड़िता के बीच प्रेम सम्बन्ध थे। लेकिन इसी बीच खूँटी के अड़की थाना क्षेत्र से एक युवती का आपत्तिजनक वीडियो वायरल किए जाने का मामला सामने आया। जिसमें पीड़िता ने आरोप लगाया है कि वर्ष 2020 से आरोपी युवक के साथ उसका प्रेम प्रसंग चल रहा था। इसी दौरान आरोपी ने कथित रूप से आपत्तिजनक वीडियो बना लिया था। पीड़िता के अनुसार, इसी बीच उसकी शादी तय हो गई और 7 अगस्त 2026 को शादी होनी थी। लेकिन शादी से कुछ दिन पहले, 3 अगस्त को आरोपी ने कथित आपत्तिजनक वीडियो लड़के पक्ष के लोगों को भेज दिया। इसके बाद वीडियो के वायरल होने से शादी टूट गई। मामले को लेकर पीड़िता ने 8 अगस्त को अड़की थाना में आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई। पुलिस ने अड़की थाना कांड संख्या 19/26 के तहत बीएनएस की धारा 64, 351(2)(3) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66(ई)/67 के तहत मामला दर्ज किया है। प्राथमिकी में सिंदरी निवासी 45 वर्षीय राम मोहन रविदास को आरोपी बनाया गया है। पुलिस के अनुसार, अनुसंधान के क्रम में पीड़िता का बीएनएसएस की धारा 183 के तहत बयान दर्ज कराया जाना है। इसके इसके तहत आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। साथ ही, पुलिस पूरे मामले की जाँच कर आगे की कार्रवाई रही है ।

जल संरक्षण के प्रति ग्रामीणों ने दिखाई सक्रिय भागीदारी, बिचना पंचायत में आयोजित हुआ जल अर्पण कार्यक्रम

बिभा संवाददाता

खूँटी। जल जीवन मिशन के अंतर्गत आज मुरहू प्रखंड के बिचना पंचायत अंतर्गत बिचना ग्राम में जल अर्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों में जल संरक्षण, जल स्त्रोतों के संवर्धन एवं जलापूर्ति योजनाओं के सतत संचालन के प्रति जागरूकता एवं सहभागिता को बढ़ावा देना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ उप विकास आयुक्त श्री प्रवीण कुमार प्रकाश द्वारा किया गया। इस अवसर पर बिचना ग्राम की ग्रामीण महिलाओं ने स्वागत गीत, पुष्पगुच्छ एवं पारंपरिक रूप से लोटा-पानी से अतिथियों का स्वागत किया।

कार्यक्रम के दौरान मुखिया द्वारा बिचना ग्राम में जल जीवन मिशन के तहत संचालित जलापूर्ति योजनाओं की सफलता एवं उपलब्धियों की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि ग्राम में हर घर नल से जल की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है तथा ग्रामीणों द्वारा नियमित रूप से जल शुल्क का भुगतान करते हुए योजना के संचालन एवं रख-रखाव में सक्रिय सहयोग किया जा रहा है।

इस अवसर पर कार्यपालक अभियंता द्वारा जलसहिया एवं ग्रामीणों के सहयोग की सराहना की गई। उन्होंने जल जीवन मिशन के महत्व, जल संरक्षण तथा जलापूर्ति योजनाओं के नियमित रख-रखाव के संबंध में आवश्यक जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान उप विकास आयुक्त, कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता, जिला समन्वयक, कनीय अभियंता, मुखिया, जलसहिया एवं ग्रामीणों की सहभागिता से जागरूकता रैली, जल अर्पण, जलबंधन एवं जल वंदना जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन गतिविधियों के माध्यम से जल संरक्षण एवं जल स्त्रोतों को सुरक्षित रखने का संदेश दिया गया। ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लेते हुए जल संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर उप विकास आयुक्त एवं कार्यपालक अभियंता ने बिचना पंचायत में जल जीवन मिशन के तहत किए गए कार्यों को सतत एवं प्रभावी रूप से संचालित रखने के लिए ग्रामीणों से निरंतर सहयोग एवं सहभागिता का आह्वान किया।

इस अवसर पर बिचना पंचायत को मॉडल ग्राम के रूप में विकसित करने की दिशा में ग्रामीणों द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की गई। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त, कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, सभी जिला समन्वयक, मुखिया, बिचना पंचायत की जलसहिया एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

बिना उपयोग के महज एक वर्ष में ही कबाड़ में तब्दील हो गया अड़की का मनोरंजन पार्क

बिभा संवाददाता

खूँटी। मनोरंजन पार्क जहाँ बच्चे बच्चियों के लिए शरीर और मन को स्वस्थ रखने के लिए खेलकूद करनेवाला होता है वहीं खूँटी जिले के अड़की प्रखंड में करोड़ों की लागत से बना मनोरंजन पार्क महज एक वर्ष में ही कबाड़ में तब्दील हो गया है। जहाँ बच्चे बच्चियों की खुशियों का आवाज गुंजना चाहिए था वहीं बकरियाँ चर रही है। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि यहाँ जैसे तैसे बना मनोरंजन पार्क बच्चों के लिए नहीं बल्कि ठीकेदारों को आर्थिकोन्नति के लिए बना हो। झाड़ियों से ढका पार्क अब जंगल में तब्दील होने लगा है। जो जब से बना है अबतक खुला ही नहीं । ग्रामीण बतलाते हैं कि अगर पार्क नियमित खुलता और देखरेख होता व गुणवत्तापूर्ण बना होता तो इसका सदुपयोग होता लेकिन बंद पड़े रहने से पार्क पार्क नहीं बल्कि सांप बिच्छू का अड्डा बन गया है। जबकि क्षेत्र के बच्चे बच्चियाँ खेलने और मनोरंजन करने के लिए इसे देख कर मन मसोस कर रह जा रहे हैं।

उपायुक्त ने डीएमएफटी, जिला अनाबद्ध निधि के तहत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की

बिभा संवाददाता

लातेहारः उपायुक्त संदीप कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में डीएमएफटी की राशि से जिले में किये जा रहे विकास कार्यों, जिला अनाबद्ध निधि मद अंतर्गत क्रियान्वित विभिन्न विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।बैठक में उपायुक्त को डीएमएफटी के माध्यम से संचालित विकास योजनाओं के भौतिक एवं वित्तीय स्थिति की जानकारी से अवगत कराया गया।समीक्षा बैठक में उपायुक्त ने कार्य की प्रगति के बारे में विस्तृत जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि प्राक्कलन के अनुरूप गुणवत्तायुक्त कार्य कराना सुनिश्चित करें। उपायुक्त ने डीएमएफटी की राशि से किये जा रहे विकासात्मक कार्यों की समीक्षा कर निर्माण कार्य को अविलम्ब पूर्ण करने का निर्देश दिया। इसके आलावे उपायुक्त ने प्राथमिकता के आधार पर सभी संचालित योजनाओं को तय समयवधि के अंदर पूर्ण करने का निर्देश दिया। बैठक में जिला योजना पदाधिकारी समीर कुल्लू के द्वारा उपायुक्त महोदय को जिला अनाबद्ध निधि अंतर्गत संचालित विकास योजनाओं के भौतिक एवं वित्तीय स्थिति की जानकारी से अवगत कराया गया। बैठक में उपायुक्त ने कार्य प्रगति, गुणवत्ता, भौतिक उपलब्धि तथा वित्तीय व्यय की वर्तमान स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि प्राक्कलन के अनुरूप गुणवत्तायुक्त कार्य कराना सुनिश्चित करें।

बैठक में उप निर्वाचन पदाधिकारी सह प्रभारी पदाधिकारी डीएमएफटी मेरी मड़की, सिविल सर्जन डॉ राजमोहन खलखो, जिला योजना पदाधिकारी समीर कुल्लू, संबंधित विभाग के कार्यपालक अभियंता, सबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

विधानसभा घेराव के बाद देवेंद्रनाथ महतो घायल, सदर अस्पताल में भर्ती

बिभा संवाददाता

रॉची। विधानसभा घेराव के बाद लौट रहे अभ्यर्थियों के बीच हुए हंगामे के दौरान खछब्ट के नेता देवेंद्रनाथ महतो घायल हो गए। उन्हें तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सोमवार शाम करीब 6:30 बजे अभ्यर्थियों और प्रशासन के बीच नोकझोंक के बाद धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई। इसी दौरान सड़क पर बैठे देवेंद्रनाथ महतो को चोट लग गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

झारखंड लोक सेवा आयोग और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ सोमवार को 24 जिलों से बड़ी संख्या में छात्र विधानसभा घेराव के लिए रांची पहुंचे थे। दिनभर चले प्रदर्शन के दौरान पुलिस और छात्रों के बीच कई जगह टकराव हुआ और लाठीचार्ज व आंसू गैस के इस्तेमाल की भी सूचना सामने आई।

सावन की दूसरी सोमवारी पर कुडू में हर-हर महादेव के जयकारों से गूंजे शिवालय

बिभा संवाददाता

कुडू। सावन की दूसरी सोमवारी को कुडू प्रखंड क्षेत्र में आस्?था का सैलाब दिखाई दिया। प्रशिद्ध महादेव मंडा धाम सलगी, टीको स्थित भोले बाबा मंदिर,बड़की चाँपि शिव मंदिर,टाटी शिव मंदिर,बड़की चाँपि दुर्गा मंदिर ,कुडू ब्लॉक परिसर स्थित शिव मंदिर ,तान पहाड़ी स्तिथ शिव धाम सहित प्रखंड के विभिन्न गांवो के मंदिरों और शिवालयों में महिला, पुरुष, बूढ़े, बच्चे, युवाओं ने भक्ति रस से भाव विभोर होकर भगवान भोले नाथ की पूजा बेलपत्र, गंगाजल, दूध, , धतुरा, पुष्प आदि अर्पित कर अपने लिए मनोकामनाएं मांगी। और पुरे दिन पूजा-अर्चना एवं भजन कीर्तन में तल्लीन रहे। इस दौरान शिवालयों में सुबह से शाम तक घंटे की आवाज और श्रद्धालुओं के बोलबम के नारे से वातारण गूंजायमान होता रहा। इस मौके पर महादेव मण्डा धाम में कीर्तन,भजन का आयोजन किया गया साथ ही प्रसाद वितरण किया गया। प्रसाद और फूलों की दुकानों पर श्रद्धालुओं की भीड़ दिखी। ईस मौके पर सुरक्षा व्यवस्था चुस्त दुरुस्त थी। इस मौके पर पुरोहित कुनु नाथ बैध,कल्याणी देवी, मुकेश चंद्र यादव,लाल राजेश्वर नाथ शाहदेव,जवाहर साहू, सहित काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

लातेहार में ब्राउन शुगर तस्करी का खुलासा, दो तस्कर गिरफ्तार

लातेहार(बिभा)। लातेहार थाना क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के आधार पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, लातेहार के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया था।गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कृष्णा होटल, लातेहार के समीप वाहन चेकिंग के दौरान गढ़वा से बस के माध्यम से ब्राउन शुगर लेकर आ रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उनके पास से 6.59 ग्राम ब्राउन शुगर, कागज तथा 1,860 नकद बरामद किया गया।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अभिनव अंकुर और शिवम कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, अभिनव अंकुर का पूर्व से आपराधिक इतिहास रहा है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर सोमवार, 10 अगस्त 2026 को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

श्रद्धालुओं के लिए व्यापक स्वास्थ्य व्यवस्था, अब तक 74 हजार से अधिक का इलाज, 5 स्वास्थ्यकर्मियों को शो-कॉज

देवघर(बिभा): राजकीय श्रावणी मेला 2026 के दौरान श्रद्धालुओं को त्वरित एवं बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा मेला क्षेत्र में व्यापक इंतजाम किए गए हैं। सिविल सर्जन डॉ. एस.पी. मिश्रा एवं श्रावणी मेला के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. के.के. सिंह ने बताया कि मेला क्षेत्र के विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों, अस्थायी अस्पतालों एवं स्वास्थ्य शिविरों में 24 घंटे लगातार चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। मेला अवधि में 9 अगस्त तक विभिन्न स्वास्थ्य शिविरों और केंद्रों में कुल 74,753 श्रद्धालुओं का बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) में उपचार किया गया। इसमें 50,675 पुरुष, 21,301 महिलाएं एवं 2,777 बच्चे शामिल हैं। इसके अलावा आवश्यकतानुसार 261 मरीजों को उच्चतर चिकित्सा संस्थानों के लिए रेफर किया गया। अकेले 9 अगस्त को 13,104 श्रद्धालुओं का इलाज किया गया और 38 मरीजों को रेफर किया गया। वहीं पल्स पोलियो अभियान के तहत अब तक 36,612 बच्चों को पोलियो की खुराक दी जा चुकी है। स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारू रखने के लिए पर्याप्त संख्या में मानवबल और वाहनों की तैनाती की गई है। देवघर जिले से 20 चिकित्सा पदाधिकारी, 145 पैरा-मेडिकल कर्मी और 10 एंबुलेंस कार्यरत हैं, जबकि अन्य जिलों से सहयोग के तौर पर 91 चिकित्सा पदाधिकारी, 325 पैरा-मेडिकल कर्मी तथा 108 सेवा की 27 एंबुलेंस सहित 12 अन्य वाहन उपलब्ध कराए गए हैं। दूसरी ओर, श्रद्धालुओं को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर विभाग सख्त रुख अपना रहा है। ड्यूटी के दौरान लापरवाही पाए जाने पर डॉ. ऋत्विक लोचन (नबाडीह शिविर), डॉ. पूजा सिंह (पुराना सदर अस्पताल), डॉ. ऋषिकेश चंद्र (क्यू कॉम्प्लेक्स), करण राम (एमपीडब्ल्यू) और जयकांत तांती (शिविर प्रभारी, सोमनाथ भवन) को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है। सिविल सर्जन ने स्पष्ट किया है कि श्रद्धालुओं को निर्बाध व गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवा देना सर्वोच्च प्राथमिकता है और लापरवाही बरतने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

झारखंड स्टेट बैडमिंटन चैंपियनशिप में रांची के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

रांची(बिभा) : झारखंड स्टेट चैंपियनशिप कम सेलेक्शन ट्रायल-2026 में रांची स्थित रेजिडेंशियल बैडमिंटन ट्रेनिंग सेंटर, मोरहाबादी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विभिन्न वर्गों में कई पदक और स्थान हासिल किए। चैंपियनशिप के ओपन पुरुष डबल्स वर्ग में युवराज कुमार और विनय सिंह की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया। वहीं आशु गोपाल और सैफी अकरम की जोड़ी उपविजेता रही। मिक्स्ड डबल्स वर्ग में प्रियंशु तिर्की और अनन्या सिंह की जोड़ी ने पहला स्थान हासिल कर खिताब जीता। वहीं पुरुष सिंगल्स में हर्षित राज ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। अंडर-19 बालक सिंगल्स में आशु गोपाल उपविजेता रहे। जबकि अंडर-19 बालक डबल्स में अनिकेत और जिमी की जोड़ी ने उपविजेता का स्थान हासिल किया। इसी तरह डे-बोर्डिंग बालक एवं बालिका सिंगल्स वर्ग में अनु सृष्टि ने उपविजेता का स्थान प्राप्त किया। राम रतन ने भी अंडर-19 बालक वर्ग में तीसरा स्थान हासिल कर केंद्र का नाम रोशन किया। रेजिडेंशियल बैडमिंटन ट्रेनिंग सेंटर, मोरहाबादी के खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर प्रशिक्षकों एवं खेलप्रेमियों ने खुशी जताई और सभी खिलाड़ियों को उनके बेहतर प्रदर्शन के लिए बधाई दी। खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से राज्य स्तर पर केंद्र की प्रतिभाओं की मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के जन्मदिन पर धीरज प्रसाद साहू ने दी शुभकामनाएं, स्वस्थ एवं दीघार्यु जीवन की कामना

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को उनके 51वें जन्मदिन के अवसर पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु एवं सफल नेतृत्व की कामना करते हुए कहा कि झारखंड के विकास और जनकल्याण के लिए उनका नेतृत्व महत्वपूर्ण है। पूर्व सांसद धीरज प्रसाद साहू ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य के सर्वांगीण विकास, सामाजिक न्याय और गरीब, आदिवासी, दलित, पिछड़े एवं वंचित वर्गों के उत्थान के लिए लगातार कार्य किया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में झारखंड विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा और राज्य की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में सरकार निरंतर आगे बढ़ती रहेगी। उन्होंने कहा कि झारखंड की पहचान उसकी समृद्ध संस्कृति, प्राकृतिक संसाधनों और आदिवासी परंपराओं से है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इन मूल्यों के संरक्षण के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आधारभूत संरचना के विकास को प्राथमिकता देते हुए राज्य को आगे ले जाने का कार्य कर रहे हैं। धीरज प्रसाद साहू ने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री को स्वस्थ, सुखी एवं दीघार्यु जीवन प्रदान करें, ताकि वे पूरी ऊर्जा और समर्पण के साथ झारखंड की जनता की सेवा करते रहें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का यह जन्मदिन उनके जीवन में नई ऊर्जा, नई उपलब्धियों और जनसेवा के नए संकल्प लेकर आए।

अंत में पूर्व सांसद ने एक बार फिर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य तथा झारखंड की निरंतर प्रगति की कामना की।

रांची बंद को सफल बनाएं रांचीवासी : संजय सेठ

बिभा संवाददाता

रांची। रांची के शांतिपूर्ण आंदोलनकारी युवाओं और छात्रों पर हुई पुलिसिया बर्बरता के विरोध में कल भाजपा द्वारा आहूत रांची बंद को केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री एवं रांची के सांसद श्री संजय सेठ ने सफल बनाने की अपील की है।

श्री सेठ ने कहा कि यह बंद किसी राजनीतिक स्वार्थ का हिस्सा नहीं, बल्कि राज्य के युवाओं और छात्रों के अधिकार, सम्मान और भविष्य की लड़ाई है। उन्होंने रांचीवासियों से अपील की कि पुलिसिया दमन और सरकार की संवेदनहीनता के खिलाफ एकजुट होकर इस बंद को अपना समर्थन दें।

उन्होंने कहा, हेमंत सोरेन सरकार को शर्म करनी चाहिए। युवाओं की आवाज लाठी के बल पर नहीं दबाई जा सकती।

विश्व आदिवासी दिवस पर विद्यालयों में आयोजित हुआ ख़्वेरी तेंगना कार्यक्रम

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर झारखंड शिक्षा परियोजना, लोहरदगा के तत्वावधान में जिले के विभिन्न विद्यालयों में ह्लख़्वेरी तेंगना झ कहानियों से जिंदा होगी आदिवासी संस्कृतिह्व कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके तहत जिले के सभी राजकीयकृत मध्य एवं उच्च विद्यालयों में विशेष ह्लसमुदाय सहभागिता कार्यक्रमह्व आयोजित कर आदिवासी समाज की समृद्ध मौखिक परंपरा, संस्कृति, लोककथाओं और पारंपरिक ज्ञान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास किया गया।

कार्यक्रम के तहत विद्यालयों में ह्लख़्वेरी तेंगनाह्व यानी पारंपरिक कहानी वाचन सत्र आयोजित किए गए। इस दौरान गांवों से आए आदिवासी समुदाय के बुजुर्गों ने विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए लोककथाएं, पारंपरिक मान्यताएं, जीवनशैली, रीति-रिवाज एवं लोकज्ञान से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं।

इस पहल की टैगलाइन ह्लहमारी संस्कृति, हमारी पहचान, हमारा अभिमानह्व रखी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों और युवाओं को अपनी जड़ों, सांस्कृतिक विरासत एवं परंपराओं से जोड़ना तथा मौखिक रूप से पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही ज्ञान परंपरा को संरक्षित करना है।

कार्यक्रम के दौरान समुदाय के बुजुर्गों की विशेष भागीदारी रही। विभिन्न गांवों से बुजुर्ग विद्यालयों में पहुंचे और विद्यार्थियों को लोककथाओं एवं अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराया। कहानियों के माध्यम से बच्चों को आदिवासी जीवनशैली, सामाजिक परंपराओं, रीति-रिवाजों, नैतिक मूल्यों एवं पारंपरिक ज्ञान की जानकारी दी गई।

साथ ही, आदिवासी कला, संगीत, सांस्कृतिक प्रतीकों एवं परंपरागत जीवन मूल्यों को भी कार्यक्रम में विशेष महत्व दिया गया। विद्यार्थियों ने कहानी वाचन सत्रों में उत्साहपूर्वक भाग लिया और बुजुर्गों से संवाद करते हुए अपनी संस्कृति से जुड़े अनेक पहलुओं को समझा।

मौखिक परंपरा के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल : जिला शिक्षा पदाधिकारी

जिला शिक्षा पदाधिकारी, लोहरदगा, दास सुनंदा चन्द्रमोलेश्वर ने कहा कि ह्लख़्वेरी तेंगनाह्व आदिवासी समाज की मौखिक परंपरा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके माध्यम से बुजुर्ग पीढ़ी से युवा पीढ़ी तक नैतिक मूल्यों, लोककथाओं, सांस्कृतिक परंपराओं एवं ऐतिहासिक ज्ञान का हस्तांतरण होता है। विद्यालयों में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित होने से बच्चों को अपनी संस्कृति और विरासत को करीब से जानने एवं समझने का अवसर मिलता है।

साझी संस्कृति और विरासत को संरक्षित करने की जरूरत : जिला शिक्षा अधीक्षक

जिला शिक्षा अधीक्षक, लोहरदगा अभिजीत कुमार ने कहा कि अपनी संस्कृति और विरासत का संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि हम सभी मिलकर अपनी साझी संस्कृति एवं विरासत को संरक्षित करते हुए उसे व्यापक पहचान दिला सकते हैं। विद्यालयों में समुदाय की सक्रिय सहभागिता से बच्चों में अपनी सांस्कृतिक जड़ों के प्रति सम्मान और जुड़ाव और मजबूत होगा।

जिले के सभी संबंधित विद्यालयों में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी करते हुए ख़्वेरी तेंगना कार्यक्रम को सफल बनाया। इस पहल के माध्यम से न केवल आदिवासी संस्कृति एवं लोकज्ञान को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का प्रयास किया गया, बल्कि विद्यालय और समुदाय के बीच सहभागिता को भी मजबूत किया गया।

हेमंत सोरेन के जन्मदिन पर सेवा का संदेश, सदर अस्पताल में मरीजों के बीच झामुमो ने बांटे फल व जूस

बिभा संवाददाता

लोहरदगाः झारखंड के मुख्यमंत्री एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन के जन्मदिन के अवसर पर सोमवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) लोहरदगा जिला समिति की ओर से सेवा और जनकल्याण की अनूठी पहल की गई। जिलाध्यक्ष मोजम्मिल अहमद के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने सदर अस्पताल पहुंचकर भर्ती मरीजों के बीच फल एवं जूस का वितरण किया। इस दौरान कार्यकताओं ने मरीजों और उनके परिजनों का हालचाल जानकर उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की तथा मुख्यमंत्री के दीघार्यु जीवन के लिए प्रार्थना की।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष मोजम्मिल अहमद ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का जन्मदिन केवल उत्सव मनाने का दिन नहीं, बल्कि जरूरतमंदों और पीड़ितों के बीच पहुंचकर सेवा का संकल्प दोहराने का अवसर है। उन्होंने कहा कि झामुमो की राजनीति का मूल आधार जनता की सेवा, सामाजिक न्याय और वंचितों के अधिकारों की रक्षा है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार गांव, गरीब, किसान, मजदूर, महिला, युवा और आदिवासी-मूलवासी समाज के हितों को ध्यान में रखकर कार्य कर रही है।

अहमद ने आगे कहा कि अस्पताल में भर्ती मरीजों की मदद कर उनके चेहरे पर मुस्कान लाना ही सच्ची मानव सेवा है। झामुमो केवल राजनीतिक गतिविधियों तक सीमित न रहकर सामाजिक सरोकारों और जनसेवा से जुड़ा एक आंदोलन है। पार्टी कार्यकर्ता समय-समय पर रक्तदान, स्वास्थ्य और सामाजिक सेवा जैसे कार्यों के माध्यम से अपनी जिम्मेदारी निभाते आए हैं और आगे भी जनहित के कार्य जारी रखेंगे। मरीजों और उनके परिजनों ने झामुमो कार्यकताओं की इस संवेदनशील पहल की सराहना की।

फल एवं जूस वितरण के इस कार्यक्रम में जेएमएम जिला सचिव अनिल उरांव, युवा जिलाध्यक्ष अजय उरांव, जयप्रकाश शर्मा, कुडू प्रखंड अध्यक्ष शंकर उरांव, कृष्णा भगत, हसनैन खलीफा, रोशन ठाकुर, लालू लोहरा और कैफ खान सहित पार्टी के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। सभी ने मुख्यमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीघार्यु जीवन की कामना करते हुए निरंतर जनसेवा का संकल्प लिया।

छात्र आंदोलन को राजनीतिक रंग देने की भाजपा की कोशिश विफल, छात्रों और पुलिस ने रखा संयमः झामुमो

रांचीः झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने कहा है कि छात्र हित से जुड़े मुद्दों को लेकर चल रहे आंदोलन के दौरान छात्र संगठनों और पुलिस-प्रशासन ने बेहद संयम और संवेदनशीलता का परिचय दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी ने छात्रों के इस शांतिपूर्ण आंदोलन को राजनीतिक हथियार बनाकर राज्य में अशांति और अराजकता फैलाने की पूरी कोशिश की, लेकिन छात्रों की समझदारी के कारण भाजपा के मंसूबे नाकाम हो गए। विनोद पांडेय ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार छात्रों की जायज मांगों को लेकर पूरी तरह गंभीर और संवेदनशील है। उच्चस्तरीय समिति के जरिए छात्रों से लगातार संवाद कर अधिकांश मांगों पर सहमति और समाधान की दिशा में काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अपनी राजनीतिक जमीन खिसकते देख भाजपा अब 'झारखंड बंद' जैसे हथकंडे अपनाकर आंदोलन को हाईजैक करने और माहौल बिगाड़ने का प्रयास कर रही है। झामुमो ने छात्रों से अपील की है कि वे किसी के राजनीतिक उकसावे में न आएं और शांतिपूर्ण तरीके से संवाद के जरिए समाधान की राह पर आगे बढ़ें।

अस्मिता वुशु लीग रांची सम्पन्न, 200 से अधिक महिला खिलाड़ियों ने दिखाया दम

बिभा संवाददाता

रांची : खेलो इंडिया अस्मिता वुशु लीग रांची का आज आचार्यकुलम स्कूल में सफलतापूर्वक समापन हुआ। लीग में रांची के विभिन्न स्कूलों एवं क्लबों से सब-जूनियर, जूनियर एवं सीनियर वर्ग की 200 से अधिक महिला खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया।

अस्मिता का उद्देश्य देश में महिला खिलाड़ियों को खेल के लिए प्रोत्साहित करना, उन्हें प्रतियोगिता का बेहतर मंच उपलब्ध कराना, प्रतिभाओं की पहचान करना तथा महिलाओं की खेलों में भागीदारी को बढ़ावा देना है। रांची में आयोजित इस लीग ने इसी उद्देश्य को धरातल पर उतारते हुए बड़ी संख्या में महिला खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया।

प्रतियोगिता में आचार्यकुलम स्कूल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि सिल्ली की टीम द्वितीय तथा के.सी. रॉय स्कूल एवं मांडर टीम संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे।

उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि स्वामी दिव्यानंद थे। उन्होंने शिवेंद्र दुबे, रत्नेश कुमार, शैलेन्द्र दुबे, सुशील कच्छप एवं दीपक गोप के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर लीग का शुभारंभ किया। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए स्वामी दिव्यानंद ने कहा कि हार से निराश होने की जरूरत नहीं है, बल्कि हार से सीख लेकर संकल्प के साथ आगे बढ़ने की आवश्यकता है। उन्होंने खिलाड़ियों को निरंतर मेहनत करते हुए अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

लीग के समापन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. मधुकांत पाठक, महासचिव, झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन थे। उन्होंने अपनी उपस्थिति से महिला खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर मुकुंद मेहता, चंचल भट्टाचार्य, अरविंद सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। अतिथियों ने विजेता एवं प्रतिभागी खिलाड़ियों को पदक एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर आयोजकों की ओर से उपस्थित अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

अस्मिता वुशु लीग ने यह संदेश दिया कि जब बेटियों को अवसर, मंच और सही मार्गदर्शन मिलता है, तो वे खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राज्य और देश का नाम रोशन कर सकती हैं। इस प्रकार के आयोजन महिला खिलाड़ियों को खेलों में आगे बढ़ने के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता विकसित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

लीग के सफल संचालन में दीपक गोप, कार्तिक राम, लक्ष्य सोरेन, आकाश उरांव, प्रिया गाड़ी, पल्लवी, प्रतिमा कुमारी,दुला किसपोट्टा, वासुदेव टोप्पो, ध्रुव द्विवेदी, अमन कुमार, अविनाश कोइरी, कंचन तिग्गा एवं कार्तिक राम सहित अन्य सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अंतर्राष्ट्रीय वुशू खिलाड़ी अंजना कुमारी महतो हुई सम्मानित :

इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों के द्वारा हाल ही मे बाटुंमी इंटरनेशनल प्रतियोगिता से काँस्य पदक जीतकर लौटी खिलाड़ी अंजना कुमारो महतो और उनके कोच को सम्मानित किया गया

शिक्षकों की दो समय ऑनलाइन उपस्थिति सुनिश्चित करें, डेटा में लापरवाही पर होगी कड़ी कार्रवाई : डीडीसी

बिभा संवाददाता

गुमला: उपायुक्त गुमला दिलेश्वर महत्तो की अध्यक्षता एवं उप विकास आयुक्त गुमला अनिमेष रंजन की उपस्थिति में समाहरणालय स्थित सभागार में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी कविता खलखो एवं जिला शिक्षा अधीक्षक नूर आलम खां द्वारा जिले के विभिन्न शैक्षणिक सूचकांकों की समीक्षा कराई गई। इस दौरान शिक्षा परियोजना के एमआईएस प्रभारी रामचंद्र कुमार सिंह द्वारा विभिन्न बिंदुओं पर प्रस्तुतीकरण के माध्यम से अद्यतन स्थिति की जानकारी दी गई।

ई-विद्यावाहिनी के अंतर्गत ऑनलाइन छात्र उपस्थिति की समीक्षा में पाया गया कि जिले के 16 विद्यालयों में पिछले माह एक भी दिन बच्चों की ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज नहीं की गई। इस पर उपायुक्त ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि यदि विद्यालय बंद हैं अथवा बच्चे विद्यालय नहीं आ रहे हैं तो संबंधित शिक्षक क्या कर रहे हैं और उन्हें वेतन किस आधार पर दिया जा रहा है। मामले में गुमला सदर के बीपीओ ओमप्रकाश दास का वेतन रोकते हुए स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश दिया गया। साथ ही सभी प्रखंडों को निर्देश दिया गया कि छात्र उपस्थिति के आंकड़ों की प्रतिदिन समीक्षा करते हुए कमियों में तत्काल सुधार सुनिश्चित करें।

शिक्षक उपस्थिति की समीक्षा में पाया गया कि कई शिक्षक विद्यालय में सुबह पहली बार ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने के बाद विद्यालय से जाने से पूर्व दूसरी बार उपस्थिति दर्ज नहीं कर रहे हैं अथवा दूसरी जगह से उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में सिस्टम द्वारा उन्हें अनुपस्थित दशार्या जा रहा है। सभी संबंधित मामलों को चिन्हित कर दोनों समय ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने तथा डेटा में सुधार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। लापरवाही बरतने वाले शिक्षकों को कड़ी चेतावनी भी दी गई।

बैठक में छात्र नामांकन की भी समीक्षा की गई। पिछले वर्ष जिले में लगभग 2.16 लाख नामांकन की तुलना में वर्तमान में अब तक करीब 1.97 लाख बच्चों का नामांकन हुआ है। वहीं लगभग 1.41 लाख बच्चों का आधार वेरिफिकेशन कराया जा चुका है।उप विकास आयुक्त द्वारा सभी प्रखंडों को नामांकन गैप को शीघ्र पूरा करने, आधार एवं अपार आईडी से संबंधित कार्य में तेजी लाने तथा स्कूल प्रोफाइल और शिक्षक प्रोफाइल से संबंधित ऑनलाइन कार्य शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया गया।

सभी विद्यालयों में मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने, दैनिक एसएमएस की नियमित एंट्री, साप्ताहिक आयरन-फोलिक एसिड टैबलेट का वितरण तथा विद्यार्थियों के स्वास्थ्य जांच से संबंधित गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने का निर्देश दिया गया।

अग्रिम समायोजन की समीक्षा के क्रम में वर्षों से लंबित राशि के शीघ्र सामंजन हेतु आवश्यक कार्रवाई करते हुए सर्टिफिकेट केस करने का निर्देश दिया गया। संबंधित पदाधिकारियों को लंबित मामलों की नियमित समीक्षा कर कार्रवाई में तेजी लाने को कहा गया।

उप विकास आयुक्त ने शिक्षा परियोजना के एमआईएस प्रभारी रामचंद्र कुमार सिंह को निर्देश दिया कि मासिक समीक्षा बैठकों के लिए एक सरल एवं स्पष्ट प्रस्तुति प्रारूप तैयार किया जाए। यह प्रारूप अगली समीक्षा बैठक से कम से कम तीन दिन पूर्व सभी प्रखंडों को भी उपलब्ध कराया जाए, ताकि प्रखंड आवश्यक तैयारी के साथ बैठक में उपस्थित हों और अपेक्षित सुधार कर सकें।

भाजपा नेताओं को 10 घंटे हिरासत में रखने पर अमर बाउरी का कड़ा एतराज, कहा- लोकतंत्र के लिए काला दिवस

बिभा संवाददाता

रांची: रांची में जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षा में कथित गड़बड़ी को लेकर मुख्यमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन कर रहे भाजपा नेताओं को करीब 10 घंटे बाद भी रिहा न करने पर प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी ने तीखी आपत्ति जताई है। हिरासत में लिए गए नेताओं में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा और दीपक प्रकाश शामिल हैं।

अमर बाउरी ने इसे तानाशाही करार देते हुए कहा कि देश के इतिहास में यह पहला मौका है जब विधानसभा सत्र के दौरान विपक्ष के सभी विधायकों और राज्यसभा सांसद को डिटेन कर सदन में जाने से रोका गया है। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र के लिए काला दिवस है।

उन्होंने सवाल उठाया कि अगर भाजपा नेताओं ने कोई अपराध किया है तो सरकार उन्हें जेल भेजे, अन्यथा तुरंत रिहा करे। साथ ही उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या सत्र सिर्फ सत्ता पक्ष से ही चलेगा? जनहित में आवाज उठाने वालों को दबाना ही हेमंत सरकार का असली चेहरा है।

पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने किया पटना-आरा रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण

आरा स्टेशन पर चल रहे स्टेशन पुनर्विकास कार्य की प्रगति की समीक्षा

बिहान भारत

हाजीपुर : पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह ने सोमवार को पटना-आरा रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया गया । इस दौरान महाप्रबंधक ने इस रेलखंड के रेलवे ट्रैक, रेल पुलों आदि का मुआयना किया। महाप्रबंधक ने रेल ट्रैक के बेहतर रख-रखाव पर संतोष व्यक्त करते हुए संरक्षित रेल परिचालन के लिए हर संभव कदम उठाने का निर्देश दिया।

निरीक्षण के क्रम में महाप्रबंधक महोदय द्वारा अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत आरा जं. पर चल रहे निमार्णाधीन स्थल का निरीक्षण किया गया तथा संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा पर पूरा करने का निर्देश दिया । पुनर्विकसित स्टेशन भवन आकर्षक डिजाइन के साथ उन्नत एवं आधुनिक यात्री सुविधाओं से युक्त होगा ।

निरीक्षण के क्रम में महाप्रबंधक महोदय द्वारा आरा जं. पर नवनिर्मित सिक लाइन शेड, कोचिंग डिपो आरा का निरीक्षण के उपरांत उद्घाटन किया गया । इसके साथ ही महाप्रबंधक द्वारा आरपीएफ बैरक सह पोस्ट, आरा एवं रेलवे कॉलोनी, आरा में कर्मचारियों के कल्याणार्थ हेल्थ सेंटर का उद्घाटन किया गया । निरीक्षण के दौरान दानापुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री विनोद कुमार तथा मुख्यालय एवं मंडल के अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

छात्रों पर लाठीचार्ज के बावजूद राहुल गांधी की चुप्पी शर्मनाक: डॉ. प्रदीप वर्मा

रांची: झारखंड भाजपा उपाध्यक्ष व राज्यसभा सांसद डॉ. प्रदीप वर्मा ने जेपीएससी व जेएसएससी परीक्षाओं में गड़बड़ी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुए लाठीचार्ज को लेकर राज्य सरकार और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि छात्र लगातार निष्पक्ष एवं सीबीआई

शिक्षकों की दो समय ऑनलाइन उपस्थिति सुनिश्चित करें, डेटा में लापरवाही पर होगी कड़ी कार्रवाई : डीडीसी

गुमला: उपायुक्त गुमला दिलेश्वर महत्तो की अध्यक्षता एवं उप विकास आयुक्त गुमला अनिमेष रंजन की उपस्थिति में समाहरणालय स्थित सभागार में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी कविता खलखो एवं जिला शिक्षा अधीक्षक नूर

संक्षिप्त खबरें

धनबाद स्टेशन पर कांवरियों की सुविधा के लिए चलाया गया विशेष सेवा एवं सहायता अभियान

धनबाद(बिभा): श्रावणी मेला के अवसर पर श्रद्धालु कांवरियों की सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज धनबाद रेलवे स्टेशन पर विशेष सेवा एवं सहायता अभियान चलाया गया। वाणिज्य विभाग के कर्मचारियों और स्वयंसेवी संस्था (एनजीओ) के प्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से स्टेशन पहुंचे कांवरियों को उचित प्लेटफॉर्म, ट्रेनों के समय, टिकट संबंधी मार्गदर्शन और अन्य उपलब्ध यात्री सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी। इसके साथ ही आवश्यकतानुसार कांवरियों को हर संभव सहयोग प्रदान किया गया। अभियान के दौरान भीषण गर्मी और यात्रा की थकान को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए वाणिज्य विभाग और एनजीओ प्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से धनबाद स्टेशन पर 500 एमएल की लगभग 600 पानी की बोतलों का निशुल्क वितरण भी किया। पेयजल पाकर श्रद्धालु कांवरियों ने इस पहल की सराहना की। धनबाद रेल मंडल श्रावणी मेला में आने वाले सभी श्रद्धालु कांवरियों को सुरक्षित, सहज और बेहतर यात्रा अनुभव उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। रेल प्रशासन की ओर से यात्रियों की सहूलियत के लिए विभिन्न प्रमुख स्टेशनों पर निरंतर मार्गदर्शन, सहायता केंद्र, नियमित उद्घोषणाओं और मूलभूत सुविधाओं की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है, ताकि सभी श्रद्धालु यात्री अपनी यात्रा बिना किसी असुविधा के सुचारू रूप से पूरी कर सकें।

चुनार से सीमेंट ढुलाई के लिए उत्तर मध्य रेलवे का डालमिया सीमेंट के साथ अनुबंध

प्रयागराज(बिभा) : प्रयागराज मंडल, उत्तर मध्य रेलवे ने माल ढुलाई को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुये चुनार स्थित डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड के साथ रेलवे द्वारा सीमेंट ढुलाई के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। अनुबंध पर डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड की ओर से श्री पी. सुडलाई मुथु, नेशनल लॉजिस्टिक्स ऑपरेशंस हेड तथा उत्तर मध्य रेलवे की ओर से श्रीमती शीरत फातिमा, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/फ्रेट ने अपर मंडल रेल प्रबंधक (सामान्य), श्री दीपक कुमार की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। उल्लेखनीय है कि डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड ने हाल ही में पूर्ववर्ती जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के चुनार स्थित सीमेंट संयंत्र का अधिग्रहण किया है तथा जून 2026 से यहां सीमेंट उत्पादन प्रारंभ किया गया है। संयंत्र के पुनः संचालन के साथ ही रेल मार्ग से सीमेंट एवं कच्चे माल के परिवहन को बढ़ावा देने के लिए रेलवे के साथ यह महत्वपूर्ण अनुबंध किया गया है। अनुबंध के तहत अगस्त 2026 में लगभग 6-7 पूर्ण रेक (15,000 टन) सीमेंट का गाजीपुर, अयोध्या, गोरखपुर, देवरिया, चिलबिला सहित अन्य स्थानों के लिए रेल द्वारा परिवहन प्रस्तावित है ।इसके अतिरिक्त, सितंबर 2026 से लगभग 10 पूर्ण रेक (26,000 टन) सीमेंट प्रतिमाह लोड करने की योजना है। इसके साथ ही, सीमेंट उत्पादन के लिए कच्चे माल की आवश्यकता को पूरा करने हेतु लगभग 15 रेक क्लिंकर प्रतिमाह तथा लगभग 1-2 रेक जिप्सम प्रतिमाह मंगाए जाने की योजना है। उत्पादन क्षमता में वृद्धि के साथ इन आवक रेकों की संख्या में भी वृद्धि होने की संभावना है। डालमिया सीमेंट द्वारा चुनार से बड़े पैमाने पर रेल परिवहन शुरू किए जाने से प्रयागराज मंडल की माल ढुलाई आय में उल्लेखनीय वृद्धि, उद्योग को बेहतर एवं विश्वसनीय लॉजिस्टिक सुविधा तथा रेल यातायात में वृद्धि होने की उम्मीद है। साथ ही, यह पहल नए औद्योगिक ग्राहकों को रेल परिवहन से जोड़ने और मंडल में फ्रेट व्यवसाय के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज मंडल नए औद्योगिक ग्राहकों को रेल परिवहन से जोड़ने, माल दुलाई के नए अवसर विकसित करने तथा सुरक्षित, विश्वसनीय, किफायती एवं पर्यावरण-अनुकूल रेल परिवहन को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

झारखंड में लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करना भी अपराध : आदित्य

बिभा संवाददाता

रांची। छात्रों को न्याय दिलाने को लेकर उनके समर्थन में भाजपा नेताओं ने प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के नेतृत्व में नेता प्रतिपक्ष की मौजूदगी में मुख्यमंत्री आवास के सामने धरना प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया। इस दौरान भाजपा नेताओं ने छात्रहित में सभी भर्ती परीक्षाओं में हुई गड़बड़ी की सीबीआई से जांच कराने और मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग की।

उल्लेखनीय है कि पिछले 17 दिनों से राज्य भर के छात्र रांची के जयपाल सिंह स्टेडियम में धरना और आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं। सरकार से कई दौर की वार्ता के बाद भी उनकी बातों को नहीं माना।

इधर, इस मामले को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि 17 दिनों से राज्य के बच्चे जयपाल सिंह स्टेडियम में धरना और आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं, लेकिन सरकार को सुध लेने की फुर्सत नहीं है। छात्रों के समर्थन में हम सभी बाबूलाल मरांडी के साथ भाजपा के सभी विधायक, पदाधिकारी और कार्यकर्ता, मुख्यमंत्री से वार्ता करने उनके आवास जा रहे थे। भाजपा नेताओं को मुख्यमंत्री आवास के बाहर ही पुलिस ने रोक दिया, विरोधस्वरूप भाजपा नेता सीएम आवास के बाहर धरना पर बैठ गए। इसके बाद भाजपा नेताओं को डिटेन कर खेलगांव ले जाया गया।

उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार दमनकारी और तानाशाही है। जिस प्रकार भाजपा नेताओं को घसीट-घसीटकर बस में बैठाया गया, वह लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं है। क्या अब राज्य में लोकतांत्रिक तरीके से भी बातें रखने का अधिकार नहीं है। इसका मतलब राज्य सरकार तानाशाही सरकार, दमनकारी सरकार चलना चाहती है। इस सरकार के खिलाफ एक-एक छात्र, एक-एक जनता अब उग्र आंदोलन करेगी। साहू ने छात्रों पर लाठीचार्ज को लेकर कहा कि हेमंत सरकार लाठी के दम पर छात्रों की आवाज दबाना चाहती है। यह बर्बरतापूर्ण कार्रवाई है। अपने हक और अधिकार की मांग कर रहे निहत्थे छात्रों पर पुलिस का लाठीचार्ज बेहद शर्मनाक और लोकतंत्र के लिए काला अध्याय है। पहले बारिश में टेंट नहीं लगाने दिया, फिर वाटर कैनन चलाया और अब छात्रों पर लाठियां बरसाई जा रही हैं।

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड के छात्र पिछले 15 दिनों से अधिक समय से सीबीआई जांच की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। वार्ता के नाम पर सरकार उन्हें टहला रही है। उनकी तबियत खराब हो रही है और सरकार तमाशबीन बनी हुई है। इसी मुद्दे पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष, सभी विधायक, पदाधिकारी के साथ हम सब मुख्यमंत्री से मुलाकात कर छात्रों की मांगों पर कार्रवाई की मांग करने जा रहे थे। लेकिन हम सबों को आवास के बाहर ही रोक दिया गया और फिर खेलगांव स्थित कैंप जेल में डिटेन कर दिया गया।

वहीं नेता प्रतिपक्ष ने झारखंड के छात्रों पर लाठीचार्ज की कार्रवाई को क्रूरता और बर्बरता पूर्ण बताते हुए कहा कि बरस रही हर लाठी झामुमो-कांग्रेस सरकार के ताबूत का आखिरी कील साबित होगी। जितनी क्रूरता और बर्बरता करनी है, सरकार कर ले, लेकिन युवाओं के हौसले के सामने हर दमन पस्त होगा। झामुमो-कांग्रेस सरकार याद रखे, झारखंड के छात्रों पर बरसाई गई हर लाठी का जवाब दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री आवास घेराव कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश, प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद, बालमुकुंद सहाय, भानु प्रताप शाही, गीता कोड़ा, प्रदेश महामंत्री गणेश मिश्रा, अमर कुमार बाउरी, मनोज सिंह, मुख्य सचेतक नवीन जायसवाल, विधायक सीपी सिंह, मनोज यादव, राज सिन्हा, अमित कुमार यादव, आलोक चौरसिया, देवेंद्र कुंवर, शशिभूषण मेहता, नागेंद्र महतो, रौशनलाल चौधरी सहित अन्य नेता और कार्यकर्ता शामिल थे।

विद्यार्थियों पर लाठीचार्ज निंदनीय, सरकार संवाद से निकाले समाधान : सरयू राय

बिभा संवाददाता

रांची/जमशेदपुर। अपनी विभिन्न मांगों के समर्थन में धरना और घेराव कर रहे झारखंडी विद्यार्थियों पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किए जाने की घटना की जमशेदपुर पश्चिम के विधायक एवं पूर्व मंत्री सरयू राय ने कड़ी निंदा की है।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की समस्याओं को लाठियों से नहीं, बल्कि संवाद के जरिए हल किया जाना चाहिए। सरकार को उनकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करना चाहिए।

सरयू राय ने कहा कि आंदोलनरत विद्यार्थियों ने उनसे बातचीत की है। उन्होंने विद्यार्थियों की बातें सुनी हैं और उन्हें लगता है कि उनकी कई मांगें जायज हैं। लोकतंत्र में अपनी मांगों को लेकर आवाज उठाना हर नागरिक का अधिकार है। विशेष रूप से विद्यार्थियों की समस्याओं को सरकार को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुनना चाहिए, न कि उसका जवाब पुलिस की लाठियों से देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के आंदोलन की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने जमशेदपुर से उनसे मिलने आए अपने साथियों अमित शर्मा, नीरज सिंह, विवेक पाण्डेय और श्रवण पासवान से आंदोलनरत विद्यार्थियों की हरसंभव मदद करने को कहा है। उनके साथी भी विद्यार्थियों की सहायता के लिए आगे आए हैं और फर्स्ट एड बॉक्स, रात का भोजन, फल तथा अन्य जरूरी सामग्री लेकर जयपाल सिंह स्टेडियम में विद्यार्थियों के बीच मौजूद हैं।

केंद्रीय सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, पटना में रेल कर्मचारियों के लिए 7 करोड़ से अधिक के आधुनिक चिकित्सा उपकरण स्थापित

बिहान भारत

हाजीपुर: पूर्व मध्य रेल के केंद्रीय सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल , पटना में रेल कर्मचारियों और उनके परिजनों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 7.28 करोड़ रुपये से अधिक के आधुनिक चिकित्सा उपकरणों का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह और पूमरे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा सुनीता सिंह मुख्य रूप से उपस्थित रहे। ये उपकरण इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा प्रदत्त 7,28,20,943 रुपये की वित्तीय सहायता से खरीदे गए हैं। इस गरिमामय अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में आईआरएफसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक मनोज कुमार दुबे, अपर महाप्रबंधक अमरेन्द्र कुमार, प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. एन.के. सजीव और चिकित्सा निदेशक डॉ. सुबोध कुमार मिश्र सहित कई उच्चाधिकारी मौजूद थे।

आईआरएफसी द्वारा उपलब्ध कराई गई राशि से अस्पताल में लैप्रोस्कोपिक मशीन, इकोकार्डियो स्कैनिंग मशीन, मल्टीपैरा कार्डियक मॉनिटर, मोटराइज्ड बेड, सीटीजी मशीन, ओटी टेबल और ईसीजी मशीन जैसे अति-आधुनिक उपकरण स्थापित किए गए हैं। इन नए और आधुनिक उपकरणों के अस्पताल में लगने से मरीजों के इलाज की गुणवत्ता में व्यापक सुधार आएगा और उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी।

कार्यक्रम के दौरान महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने आईआरएफसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक को इस वित्तीय सहायता के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही उन्होंने तय सीमा के भीतर इन आधुनिक मशीनों की खरीद प्रक्रिया पूरी करने के लिए पीसीएमएम, पीएफए और चिकित्सा निदेशक की सराहना की। पूमरे महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा सुनीता सिंह ने कहा कि संगठन की ओर से अस्पताल में भर्ती मरीजों को निरंतर चिकित्सा सहायता दी जाती रही है और यह प्रयास आगे भी जारी रहेगा। विशिष्ट अतिथि मनोज कुमार दुबे ने बताया कि आईआरएफसी देश की 52वीं सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाली संस्था है, जिसके सामाजिक कल्याण कोष का एक हिस्सा ऐसे जनकल्याणकारी कार्यों में लगाया जाता है। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. संध्या किरण (एसीएचडी/सामान्य) ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. ए. के. ओझा (एसीएचडी/एडमिन) द्वारा प्रस्तुत किया गया।

पूर्व रेलवे ने श्रावणी मेला 2026 के 11वें दिन 2.8 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों की सुगम एवं सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित की

बिहान भारत

कोलकाता: पूर्व रेलवे की महाप्रबंधक गीतिका पांडेय के मार्गदर्शन में श्रावणी मेला 2026 के 11वें दिन (9 अगस्त 2026) लाखों श्रद्धालुओं की सुगम और सुरक्षित यात्रा के लिए व्यापक यात्री सुविधाएं, विशेष ट्रेनों का संचालन तथा चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई। इस दौरान तीर्थयात्रा मार्गों पर स्थित प्रमुख स्टेशनों पर यात्रियों की आवाजाही को प्रभावी ढंग से व्यवस्थित किया गया।

आंकड़ों के अनुसार, जसीडीह स्टेशन पर 72,890 यात्रियों की आवाजाही दर्ज की गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 13.63 प्रतिशत कम रही। वहीं, सुल्तानगंज में 1,06,640 आवक यात्रियों की संख्या दर्ज की गई, जिसमें वर्ष 2025 की तुलना में 39.43 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। इसके अलावा बासुकीनाथ में 17,850 यात्रियों के साथ 9.47 प्रतिशत और देवघर में 21,582 यात्रियों के साथ 11.08 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। बैद्यनाथधाम में 5,433 तथा तारकेश्वर में 57,526 श्रद्धालुओं ने यात्रा की, जिसमें पिछले वर्ष के मुकाबले क्रमशः 22.63 और 11.83 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

यात्री सुविधाओं के साथ-साथ सभी प्रमुख स्टेशनों पर समर्पित चिकित्सा सहायता और गतिशीलता संबंधी सुविधाएं भी लगातार उपलब्ध कराई गईं। दिनभर में बासुकीनाथ में 632, जसीडीह में 301, देवघर में 189, तारकेश्वर में 145, बैद्यनाथधाम में 90 तथा सुल्तानगंज में 82 श्रद्धालुओं को त्वरित चिकित्सा सहायता प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त, बुजुर्ग एवं दिव्यांग श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए तारकेश्वर, जसीडीह, देवघर, बासुकीनाथ और सुल्तानगंज स्टेशनों पर व्हीलचेयर सहायता भी उपलब्ध कराई गई।

भारी भीड़ को सुचारू रूप से नियंत्रित करने के लिए पूर्व रेलवे ने सभी प्रमुख मार्गों पर बड़ी संख्या में विशेष ट्रेनों का संचालन किया और नियमित ट्रेनों में अतिरिक्त कोच जोड़े। जसीडीह स्टेशन से 32 विशेष ट्रेनें (478 कोच), देवघर से 18 विशेष ट्रेनें (234 कोच), बासुकीनाथ से 10 विशेष ट्रेनें (120 कोच) और बैद्यनाथधाम से 6 विशेष ट्रेनें (72 कोच) संचालित की गईं। वहीं सुल्तानगंज में छह जोड़ी विशेष ट्रेनों का ठहराव व संचालन किया गया तथा नियमित ट्रेन में अतिरिक्त कोच लगाया गया।

पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझि ने कहा कि रेलवे श्रावणी मेला के दौरान आने वाले सभी तीर्थयात्रियों के लिए सुरक्षित, आरामदायक और सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि सभी प्रमुख स्टेशनों पर समर्पित कर्मचारी और चिकित्सा दल चौबीसों घंटे तैनात हैं, ताकि हर श्रद्धालु को समय पर सहायता मिल सके।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com